@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 28 सितंम्बर 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 325 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कांग्रेस-सपा जीतें तो पुरुषार्थ, हारें तो चुनाव आयोग दोषी
अपनी हरकतों के लिए मांगें माफी: सीएम योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को प्रेस वार्ता में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष को निशाने पर लिया। एसआईआर को लेकर कांग्रेस, सपा और आरजेडी की बयानबाजी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिए भारत की संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने वाली हर साज़िश का हिस्सा बनते रहे हैं। सीएम ने कहा कि विपक्ष का रवैया हमेशा से ऐसा रहा है। इससे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को नुकसान पहुंच सकता है। यह हैरानी की बात है कि देश की मुख्य विपक्षी पार्टी और यूपीए गठबंधन से जुड़े अन्य दलों के मौजूदा काम और बयान बेहद गैर-जिम्मेदाराना हैं। साथ ही लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि पहले भी एसआईआर हुए हैं। 1952, 1962, 2003 में एसआईआर हुआ। इस बार एसआईआर को लेकर जितनी हायतौबा कांग्रेस, सपा, आरजेडी ने मचाई वो दुर्भाग्यपूर्ण है। इलेक्शन

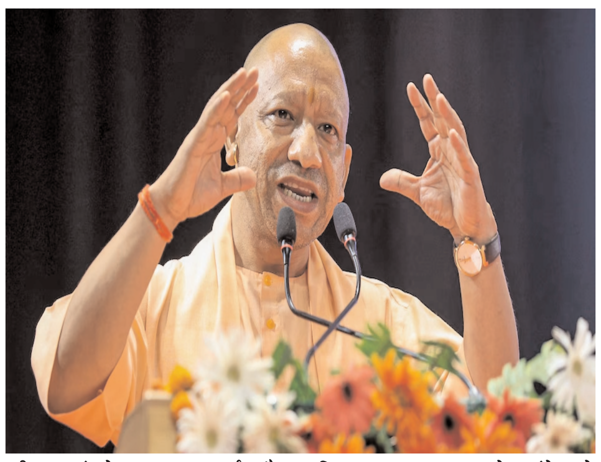

जीत जाएं तो इनका पुरुषार्थ और अगर जनता इनको खारिज कर दे तो इलेक्शन कमीशन, ईवीएम दोषी। यह कितना जायज है। राहुल गांधी ने कैंब्रिज में भारत की न्यायपालिका को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। जिस ईवीएम से कांग्रेस की देश और कई राज्यों में सरकार बनी उसे ब्लैक बॉक्स कहना दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस के आपातकाल पर भी सीएम जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस ने देश के लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया। कई राज्यों में अनैतिक रूप से चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम किया गया। बालाकोट पर भारतीय सेना के शौर्य पर इन्होंने सवाल उठाए। ऑपरेशन सिंदूर पर प्रश्न ख?ा करना, यह कहां की देशभक्ति है। उन्होंने कहा कि तीनों चुनाव आयुक्तों ने प्रेस के सामने आकर स्थिति स्पष्ट की है। इलेक्शन कमीशन और मुख्य चुनाव आयुक्त को कटघरे में खड़ा कर दुनिया में देश की बदनामी करने वाला कृत्य हैरान करने वाला है। कांग्रेस को अपनी गैर जिम्मेदार हरकतों पर कंट्रोल करना चाहिए। लोकतंत्र में इस तरह के दुष्प्रचार के लिए जगह नहीं होनी चाहिए। सीएम ने आगे कहा कि इलेक्शन कमीशन ने फॉर्म 6 और छूटे हुए मतदाताओं को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। कांग्रेस को अपने कृत्य के लिए संवैधानिक संस्थाओं और नागरिकों से माफी मांगनी चाहिए। 2019 में राफेल के मुद्दे पर भी उन्होंने कैग पर सवाल ख? किए थे। ईवीएम के कारण कांग्रेस की कई राज्यों में और केंद्र में सरकार बनी, उसे ब्लैक बॉक्स कहना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।

किसानों की फसल का होगा आकलन

नागपुर। महाराष्ट्र सरकार ने बारिश की कमी के बीच राज्य के 358 में से 265 तालुकों को सूखाग्रस्त घोषित किया है यानी राज्य के करीब 74 प्रतिशत तालुके सूखे की चपेट में हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि प्रभावित इलाकों में फसल नुकसान की जांच रिपोर्ट तैयार करने का काम शुरू हो गया है। रिपोर्ट तैयार होने के बाद किसानों को उचित सहायता दी जाएगी। सरकार ने सूखे से निपटने के लिए 12 आपात उपायों को मंजूरी दी है और पहले ही उनके अमल के आदेश जारी किए जा चुके हैं। सीएम फडणवीस ने कहा कि सरकार राहत देने से पहले जरूरी प्रक्रियाएं तेजी से पूरी कर रही है। उन्होंने कहा कि जिन तालुकों में किसान प्रभावित हुए हैं, वहां नुकसान का आकलन किया जाएगा। सरकार के मुताबिक, फसल नुकसान से प्रभावित किसानों को तीसरे चरण के तहत शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि कोई भी प्रभावित किसान राहत से बाहर नहीं रहेगा। सूखे को देखते हुए फसल ऋण के पुनर्गठन, भूमि राजस्व में रियायत और बिजली बिल में सब्सिडी जैसे उपाय भी घोषित किए गए हैं।

भ्रष्ट जजों की वजह से न्याय को बहुत नुकसान हुआ- दुष्यंत दवे

'सुप्रीम कोर्ट में 17 जज नियुक्त किए, एक भी महिला नहीं', दुष्यंत दवे ने पूर्व सीजीआई चंद्रचूड़ के फैसले पर उठाए सवाल

● बोले- भ्रष्ट जजों की वजह से न्याय को नुकसान हुआ

● 'न्याय व्यवस्था अमीर और ताकतवर लोगों के पक्ष में झुकती जा रही है।'

एजेंसी

हैदराबाद। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने शीर्ष अदालत में भ्रष्ट जजों को लेकर गंभीर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत में कई ऐसे जज रहे हैं जिनके आचरण से न्याय व्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचा है। दवे ने कहा कि न्याय व्यवस्था धीरे-धीरे पैसे वालों और ताकतवर लोगों के पक्ष में झुकती जा रही है और एक ऐसे कार्यपालिका तंत्र का समर्थन कर रही, जो लगातार शक्तिशाली होता जा रहा है। दुष्यंत दवे ने कहा कि क्या हम संविधान को विफल कर रहे हैं या संविधान हमें विफल कर चुका है। दवे ने कहा कि न्यायपालिका में कुछ बेहद

शानदार जज भी रहे हैं, लेकिन कई जजों के आचरण ने न्याय को काफी नुकसान पहुंचाया है।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, दवे ने कहा, 'मैं 48 साल से न्यायपालिका में वकील के तौर पर रहा। उसके आधार मैं कह सकता हूं कि न्यायापालिका में कुछ बेहतरीन जज रहे हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में इतने भ्रष्ट जज भी रहे हैं कि अब मैंने उनकी गिनती करना भी छोड़ दिया है। दवे ने आगे कहा कि ऐसे जजों के कारण न्याय को बहुत नुकसान हुआ है, जबकि न्याय हर इंसान की बुनियादी जरूरत है। दुष्यंत दवे ने आरोप लगाया कि न्याय व्यवस्था अमीर और ताकतवर लोगों के पक्ष में झुकती जा रही है। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था उनके प्रभाव में आ गई है। अमीर और ताकतवर लोगों ने न्यायिक व्यवस्था पर कब्जा कर लिया है। उनके मामलों की सुनवाई तेजी से होती है। दवे ने कहा कि बड़े औद्योगिक घरानों को अक्सर अदालतों से उनके पक्ष में फैसले मिल जाते हैं। उन्होंने कहा कि उनके मामले लगभग हमेशा सफल होते हैं। आप अखबार या बिजनेस अखबार खोलिए, आपको हर दूसरे या तीसरे दिन किसी बड़े औद्योगिक घराने के पक्ष में आया कोई फैसला दिख जाएगा। यह हैरान करने वाला है कि वे हर मामले में कैसे सफल हो जाते हैं। ऐसा लगता है कि उन्हें कभी हार का सामना नहीं करना पड़ता, लेकिन यही स्थिति बन गई है।

जेन-जी का मिला साथ तो यूपी में भी बनेगा युवा आयोग: चिराग पासवान

प्रयागराज। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने रविवार का परेड ग्राउंड में हुए यूथ बोले तो कार्यक्रम में युवाओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि संवाद से ही समाधान निकलता है। युवाओं को अपनी समस्याएं, सुझाव और चिंताएं रखने के लिए लगातार मंच उपलब्ध कराने की जरूरत है। चिराग ने कहा कि देश में बड़ी आबादी युवाओं की है, लेकिन उनके लिए अलग युवा आयोग नहीं है। उन्होंने बिहार में युवा आयोग के गठन का उल्लेख करते हुए कहा कि अगर सरकार में भागीदारी रही तो उत्तर प्रदेश में भी युवा आयोग का गठन किया जाएगा।

खरगे के शुद्धिकरण विवाद पर कांग्रेस का बड़ा दांव

नई दिल्ली। कांग्रेस 29 सितंबर को दिल्ली में दलित-आदिवासी स्वाभिमान बैठक आयोजित करेगी। पार्टी के मुताबिक, बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अगस्त में उत्तराखंड के हल्द्वानी में हुई जनसभा के बाद कथित तौर पर किए गए शुद्धिकरण अनुष्ठान समेत अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों से जुड़े मामलों पर चर्चा होगी। बैठक का आयोजन कांग्रेस एससी/एसटी सांसद मंच की ओर से किया जाएगा। इसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संबंधित विभाग भी सहयोग करेंगे। कार्यक्रम दिल्ली के मावलंकर हॉल, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में होगा। कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने कहा कि बैठक में मुख्य रूप से हल्द्वानी में खरगे की जनसभा के बाद हुए कथित शुद्धिकरण अनुष्ठान पर चर्चा की जाएगी। खरगे ने 8 अगस्त को हल्द्वानी के रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित किया था। इसके बाद 10 अगस्त को वहां कथित तौर पर शुद्धिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस मामले को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक विवाद सामने आया। कांग्रेस नेताओं ने इस घटना को दलित समुदाय के अपमान से जोड़ते हुए कार्रवाई की मांग की थी। वहीं, भाजपा नेताओं ने इस कार्यक्रम से पार्टी का संबंध होने से इनकार किया है। केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा ने कहा था कि आयोजन स्थल पर सफाई और धार्मिक कार्यक्रम को कांग्रेस के कार्यक्रम से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। मल्लू रवि ने आरोप लगाया कि देश के अलग-अलग हिस्सों में एससी और एसटी समुदायों से जुड़े लोगों के साथ भेदभाव और अत्याचार के मामले सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में ऐसे मामलों को रोकने के लिए आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। कांग्रेस नेता मनोज कुमार ने केंद्र की मोदी सरकार पर दलित विरोधी और आदिवासी विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने देशभर के दलित और आदिवासी सांसदों, विधायकों तथा विधान परिषद सदस्यों से 29 सितंबर की बैठक में शामिल होने की अपील की। हालांकि, ये कांग्रेस नेताओं के राजनीतिक आरोप हैं। इन्हें पार्टी के दावे के रूप में देखा जाना चाहिए। बैठक में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों से जुड़े भेदभाव और हिंसा के मामलों पर भी चर्चा होगी। कांग्रेस के अनुसार, ऐसे मामलों में नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 और एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के प्रावधानों के उल्लंघन की शिकायतें शामिल हैं।

दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने वीडियो बना रहे युवक को जड़ा थप्पड़

● आप बोली—भ्रष्टाचार पर सवाल पूछने की सजा

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर क्षेत्र में सड़क निर्माण और कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे पर दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा और आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक जरनैल सिंह के बीच तीखा विवाद हो गया। विवाद के दौरान मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा सामने खड़े होकर मोबाइल से वीडियो बना रहे एक युवक को थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राष्ट्रीय राजधानी की सियासत गरमा गई है।

आम आदमी पार्टी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर घटना का वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया है कि जब स्थानीय लोगों और विधायक ने घटिया सड़क निर्माण को लेकर सवाल किए, तो मंत्री ने अपना आपा खो दिया और युवक की पिटाई कर दी। वहीं, पीड़ित युवक ने पुलिस में शिकायत देकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है और मंत्री से लिखित माफी व उनके निलंबन की मांग की है।

प्रवेश वर्मा का पक्ष: 'विधायक मांग रहे थे कमीशन, गाली दी तो गुस्सा आया'

कमीशन मांगने का आरोप: प्रवेश वर्मा ने दावा किया कि विकास पुरी रिंग रोड पर पीडब्ल्यूडी का काम चल रहा है। स्थानीय विधायक जरनैल सिंह काफी दिनों से विभाग के इंजीनियरों पर ठेकेदारों से कमीशन दिलाने का दबाव बना रहे थे। इस संबंध में इंजीनियर द्वारा थाने में शिकायत दी गई है और एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। परिवार को अपशब्द कहने पर प्रतिक्रिया: मंत्री ने कहा, 'मैं मौके पर काम देखने गया था। जरनैल सिंह अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और बदतमीजी करने लगे। उनके एक कार्यकर्ता ने मेरे परिवार को गंदी गाली दी। ऐसी विषम परिस्थिति में कोई भी आम व्यक्ति जो स्वाभाविक प्रतिक्रिया देता, वही मैंने गुस्से में आकर किया।'

मंत्री प्रवेश वर्मा का युवक को थप्पड़ मारते हुए वीडियो वायरल, केजरीवाल बोले- मंत्री को गिरफ्तार करो

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा एक शख्स के थप्पड़ मारने का कथित वीडियो

तेजी से वायरल हो रहा है। जिसके बाद इस घटनाक्रम को लेकर सियासत तेज हो गई है। अब इस मामले को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवेश वर्मा की गिरफ्तारी की मांग की है।

अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के तिलक नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह द्वारा शेयर किए गए वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा, 'मंत्री को गिरफ्तार किया जाए। मैं कल यहां जाऊंगा। '

'अब 28 की जगह 30 दिन होगी रिचार्ज की वैलिडिटी'

● राघव चड्ढा ने गिनाए नए प्रीपेड प्लान्स के फायदे

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (TRAI) के टेलीकॉम कंज्यूमर प्रोटेक्शन (13वां संशोधन) रेगुलेशन, 2026 का स्वागत किया है। रविवार को राघव चड्ढा ने अपने X अकाउंट पर एक वीडियो रिलीज कर प्रीपेड रिचार्ज के नए नियमों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। राज्यसभा सांसद ने नए नियमों पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह कम बजट वाले उपभोक्ताओं की जीत है।

बता दें कि राघव चड्ढा ने ही सबसे पहले 11 मार्च 2026 को सदन में इस मुद्दे को उठाया था और इसीलिए उन्होंने सरकार के इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और इसे आम लोगों की जीत बताया है। चड्ढा ने नए नियमों के बारे में जानकारी दी है।

क्या कहा राघव चड्ढा ने?

राघव चड्ढा ने 28 की जगह अब 30 दिनों की वैलिडिटी वाले नए मोबाइल रिचार्ज प्लान्स की तारीफ करते हुए कहा है कि इन बदलावों से उपभोक्ताओं अधिक फ्लेक्सिबिलिटी मिलेगी, जिसमें

वे लोग भी शामिल हैं जो अधिकतर अपने फोन का इस्तेमाल सिर्फ वॉयस कॉल और SMS के लिए करते हैं।राघव चड्ढा ने अपने वीडियो में कहा है, 'भारत में प्रीपेड मोबाइल यूजर्स के लिए अच्छी खबर। सरकार हाल ही में टेलीकॉम कंज्यूमर प्रोटेक्शन (तेरहवां संशोधन) रेगुलेशंस, 2026 लेकर आई है जिसमें 28 की जगह 30-दिन के रिचार्ज प्लान का नियम शामिल है। अब उपभोक्ताओं को हर महीने 13 रिचार्ज की जगह 12 रिचार्ज कराने होंगे। '

'सिर्फ SMS और वॉयस कॉल का भी होगा सकेगा रिचार्ज'

राज्यसभा सांसद ने आगे कहा है, 'जिन्हें डेटा की जरूरत नहीं है उनके लिए सिर्फ वॉइस और SMS वाले प्लान और कम बजट वाले कंज्यूमर्स के लिए ज्यादा सही ऑप्शन मिलेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'आप में से कई लोगों ने मेरे साथ लिमिटेड और इनफ्लेक्सिबल रिचार्ज ऑप्शन के बारे में अपनी चिंताएं शेयर की थीं। मैंने 11 मार्च को पार्लियामेंट में यह मुद्दा उठाया था, जिसमें कंज्यूमर्स के लिए ज्यादा चॉइस और ज्यादा सस्ते ऑप्शन की मांग की गई थी। मैं कंज्यूमर्स की मांग को ध्यान में रखने के लिए भारत सरकार और TRAI का शुक्रगुजार हूं। '

अफगानिस्तान को भारत ने भेजी दवाएं और चिकित्सा सामग्री

नई दिल्ली। भारत ने हमेशा की तरह एक बार फिर जिम्मेदार पड़ोसी का फर्ज अदा करते हुए अफगानिस्तान को जरूरी जीवन रक्षक दवाएं और चिकित्सा सामग्री भेजी है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इस खेप के काबुल पहुंचने की जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इससे संबंधित एक बयान जारी किया। बताया कि अफगानिस्तान के लोगों के लिए भारत की मानवीय सहायता जारी है। उन्होंने आगे लिखा, 'भारत से एक और खेप काबुल पहुंच गई है, जिसमें शहर के सरकारी अस्पताल के लिए जीवन रक्षक दवाएं और मेडिकल सामग्री शामिल हैं। अफगान लोगों के लिए भारत की मानवीय सहायता में स्वास्थ्य सेवाएं हमेशा से अहम रही हैं। ' भारत हमेशा से ही अफगानिस्तान को मेडिकल एड पहुंचाने में तत्पर रहा है। पिछले दो महीनों की ही बात करें तो भारत ने मानवीय सहायता के तहत अगस्त और सितंबर में अफगानिस्तान को आवश्यक दवाइयों ।

पंजाब में पराली जलाने के शुरुआती 40 मामले, प्रशासन सख्त

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में धान की कटाई के शुरुआती दौर में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। 26 सितंबर तक वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएमएस) और राज्य प्रशासन की निगरानी में कुल 40 मामले दर्ज हुए हैं, जिसके बाद नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सैटेलाइट और प्रोटोकॉल रिपोर्ट के अनुसार राज्यभर में पराली जलाने की कुल 40 घटनाएं सामने आई हैं। आंकड़ों के मुताबिक, सर्वाधिक 21 मामले अमृतसर जिले में दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 4 खेतों में मौके पर आग लगने की पुष्टि हुई। इसके बाद तरनतारन में 6 और फिरोजपुर में 5 मामले सामने आए। कुल 28 खेतों के भौतिक निरीक्षण में 12 स्थानों पर पराली जलती मिली है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विभाग ने त्वरित कार्रवाई की है। कुल 8 मामलों में 40,000 रुपये का पर्यावरण मुआवजा (ईसी) लगाया गया है, जिसमें से 10,000 रुपये की वसूली की जा चुकी है। फिरोजपुर (15,000 रुपये), तरनतारन (10,000 रुपये) और अमृतसर (5,000 रुपये) पर प्रमुख जुर्माने लगाए गए हैं। पटियाला जिले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। इसके अतिरिक्त, 5 मामलों में जमीन के राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है। वहीं कर्तव्य में कोताही बरतने वाले फिरोजपुर जिले के 4 नोडल और सुपरवाइजरी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता नष्ट होती है और वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिसके बावजूद ऐसी घटनाएं लगातार जारी हैं।

फगवाड़ा में दुष्कर्म की अफवाह पर छात्रों ने कॉलेज के शीशे और गमले तोड़े

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के फगवाड़ा में स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के छात्रों ने एक छात्रा से फर्जी दुष्कर्म की खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शनिवार प्रदर्शन किया और परिसर में तोड़फोड़ की। कपूरथला के वरिष्ठ एसएसपी ने कहा कि पुलिस को इस तरह के किसी अपराध की जानकारी नहीं है। वायरल वीडियो में छात्र खिड़कियों के शीशे एवं गमले तोड़ते और कुछ वस्तुओं में आग लगाते दिखाई दे रहे हैं। छात्रों ने जालंधर-फगवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग को भी बाधित किया। इन अफवाहों के कारण छात्र यहां एकत्र हुए। उन्होंने कहा कि हमने छात्रों से बात की। उन्हें एलपीयू प्रशासन से कुछ शिकायतें हैं। हमने उनकी बात सुनी है और उनका समाधान कराने की कोशिश कर रहे हैं। स्थिति नियंत्रण में है। एसएसपी ने कहा कि संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्रों का कहना है कि उनकी शिकायतों का उचित समाधान नहीं किया जाता। विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

लद्दाख के साथ ऐसा व्यवहार क्यों? पुलिस फायरिंग बरसी को लेकर भड़के वांगचुक

लद्दाख (एजेंसी)। 24 सितंबर 2025 को हुई हिंसा और पुलिस फायरिंग की पहली बरसी पर पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने मीडिया कवरेज, हिंसा की न्यायिक जांच, पीड़ितों के मुआवजे और खुद पर लगाए गए एनएसए के तहत कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब मांगा है। बता दें 24 सितंबर को लद्दाख के कई हिस्सों में बंद रहा और इस दिन को कुछ लोगों ने शहीद दिवस के तौर पर मनाया। पिछले साल हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हुई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वांगचुक ने कहा कि 27 सितंबर को पिछले साल वह जोधपुर की जेल में थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान उन्हें पता चला था कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया है। उन्होंने 24 सितंबर को लद्दाख में मनाए गए शहीद दिवस का जिक्र करते हुए मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि जब लद्दाख में शहीद दिवस मनाया जा रहा था, तब मीडिया ब्लैकआउट जैसा माहौल था। उन्होंने कहा कि 24 सितंबर को कई मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि वहां नहीं पहुंचे। वांगचुक ने सवाल किया कि क्या मीडिया को किसी खबर को दिखाने से रोका जाता है? उन्होंने मीडिया संस्थानों के प्रमुखों से पूछा कि लद्दाख के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है।

दो करोड़ की रिश्वत लेते बिचौलिया गिरफ्तार, एडिशनल एसपी भी हिरासत में

उदयपुर (एजेंसी)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने एक बिचौलिये को दो करोड़ रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि एसीबी ने इस मामले में एसओजी उदयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी को भी हिरासत में लिया है। एसीबी के महानिदेशक ने शनिवार देर रात जारी बयान में बताया कि आरोपी बिचौलिये की पहचान सज्जन सिंह उर्फ टाटला के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सज्जन सिंह एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी के लिए यह रिश्वत ले रहा था। शिकायतकर्ता ने शिकायत दी थी कि उदयपुर नगर निगम के 272 भूखंडों से जुड़े चर्चित मामले में पहले गिरफ्तार आरोपियों को दर्ज मुकदमों में राहत दिलाने, अन्य मामलों में आरोपी नहीं बनाने और गिरफ्तारी के दौरान उनके घरों से मिले ऐसे दस्तावेज लौटाने के बदले दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का ओवैसी पर हमला: देश में फिर पैदा हो गए हैं जिन्ना

राहुल-सोनिया गांधी पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली , एजेंसी। चुनाव आयोग और एसआईआर (एसआईआर) के मुद्दे पर छिड़े सियासी घमासान के बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी और गांधी परिवार पर तीखा हमला बोला है। गिरिराज सिंह ने ओवैसी द्वारा एसआईआर पर सवाल उठाने पर कड़ा ऐतराज जताकर कहा कि देश में एक बार फिर से जिन्ना पैदा हो गए हैं। उन्होंने ओवैसी पर संविधान में आस्था न रखने का आरोप लगाकर कहा कि बैरिस्टर होने के बावजूद वे एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने सवालिया लहजे में कहा कि यदि इन्हें संविधान पर भरोसा नहीं है, तब क्या देश में शरिया कानून लागू कर दिया जाए?

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर हमला बोलकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वीकार नहीं कर पा रही है। उन्होंने दावा किया कि गांधी-नेहरू परिवार पीएम मोदी को इसलिए नहीं पचा पा रहा है क्योंकि वह एक गरीब का बेटा हैं। चुनाव हारने के बाद विपक्ष द्वारा वोट चोरी और ईवीएम पर सवाल उठाने की संस्कृति पर नाराजगी जताकर उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस जीतती है, तब चुनाव सही होते हैं और हारने पर वह संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप मढ़ने लगती है। सोनिया गांधी की नागरिकता को लेकर भी उन्होंने पुराना सवाल दोहराया।

इस बीच, एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक बयानबाजी चरम पर है। एक तरफ जहां विपक्ष इस मुद्दे पर लामबंद होकर चुनाव आयोग और सरकार को घेर रहा है, वहीं बीजेपी के तमाम नेता इसका पुरजोर बचाव कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर हार की बौखलाहट में बहाने बनाने का आरोप लगाया है। वहीं, पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने भी मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर हो रहे विरोध को राजनीति से प्रेरित और अफवाह करार दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में यह विवाद और अधिक तूल पकड़ सकता है, जिससे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव और गहराने के पूरे आसार हैं।

आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश से बातचीत की गुंजाइश नहीं : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ किया कि भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले किसी भी देश से बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत शांति का पक्षधर है और बातचीत में विश्वास रखता है, लेकिन अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। यदि कोई देश भारत के खिलाफ आतंकवाद को हवा देता है, तब उस देश से संवाद असंभव है। केंद्रीय मंत्री का सीधा-सीधा इशारा पाकिस्तान की तरफ था। केंद्रीय मंत्री सिंह ने याद दिलाया कि शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसतरह देशों को कड़ा संदेश दिया था जो आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं या आतंकियों को पनाह देते हैं। उन्होंने जोर दिया कि जब तक पड़ोसी देश आतंकवाद की राज्य नीति पर कायम रहेगा, भारत भी आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। रक्षा मंत्री ने देश की रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को केवल आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य नहीं दिया, बल्कि अपने सामर्थ्य पर विश्वास करना सिखाया है। आज डीआरडीओ केवल अनुसंधान संस्थान नहीं, बल्कि उद्योगों, विश्वविद्यालयों और नए उद्यमों को जोड़ने वाला राष्ट्रीय नवाचार मंच बन चुका है। रक्षा मंत्रालय ने नए उद्यमों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमईएस) से 2400 करोड़ रुपए से अधिक की खरीदारी को मंजूरी दी है, साथ ही नई तकनीक के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं।

रांका की गिरफ्तारी पर गहराया विवाद: सीजेपी ने सीएम हिमंत को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली , एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को खुली चुनौती दी है। यह चुनौती सीजेपी सदस्य आशुतोष रांका और उनकी टीम को गुवाहाटी में हिरासत में लेने के बाद सामने आई है। दीपके ने चेतावनी दी है कि यदि आशुतोष को रिहा नहीं किया गया, तब सीजेपी के सभी सदस्य असम जाएंगे और मुख्यमंत्री उन सभी को गिरफ्तार कर सकते हैं।

सीजेपी सदस्य रांका को उनकी टीम के साथ गुवाहाटी में एक निजी घर से हिरासत में लिया गया। उन्हें अभी तक गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया गया है। रांका ने हिरासत के दौरान दावा किया कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा डरे हुए हैं, क्योंकि सीजेपी असम के स्कूलों की वास्तविक स्थिति और काजीरंगा में लोगों के अधिकार छीनकर कॉर्पोरेट्स को जमीन, जंगल और पानी सौंपने जैसे मुद्दों को उजागर करना चाहती है। रांका ने वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि सीएम असम विधानसभा चुनावों में हुई कथित धांधली से भयभीत हैं, जिसमें सीटों की सीमाएं बदलकर और नागरिकों को मतदाता सूची से हटाकर हेरफेर हुआ था।

दीपके ने मुख्यमंत्री सरमा पर सीधा हमला कर कहा कि आशुतोष को बिना किसी आरोप के उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर रांका को जल्द रिहा नहीं किया गया, तब वह और सीजेपी के अन्य सदस्य असम आएंगे और सीएम के पास उन सभी को गिरफ्तार करने का विकल्प होगा। सीजेपी नेताओं का दावा है कि उन्हें गुवाहाटी में एक स्वयंसेवक बैठक आयोजित करने से रोका गया था।

रांका ने पुलिस के साथ चलती गाड़ी से रिकॉर्ड किए गए वीडियो में, मुख्यमंत्री सरमा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीएम उनकी आवाज़ दबाना चाहते हैं क्योंकि वे असम की वास्तविकताओं को सामने लाने से डरते हैं, खासकर शिक्षा क्षेत्र और स्थानीय लोगों के अधिकारों के हनन के संबंध में। रांका ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की यह कार्रवाई उनके डर को दर्शाती है कि देश को असम की सच्चाई का पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि सीजेपी ऐसी धमकियों से डरने वाली नहीं है।

दीदी ने दिखाए तेवर बोलीं- तुम बंगाल रखो, हम दिल्ली लेने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। एसआईआर को लेकर जारी बवाल और मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद की खबरों के बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा पर आक्रामक हो गई हैं। वह इस मौके का पूरा फायदा उठाकर विपक्षी एकता को मजबूत करने का प्रयास कर रही हैं और केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर तुमने बंगाल लिया है, तो हम दिल्ली ले लेंगे।

ममता बनर्जी ने अपनी जानी दुश्मन रही सीपीएम के साथ भी बातचीत शुरू कर दी है, जो उनकी विपक्षी एकजुटता की पहल की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है, जिसमें चुनाव आयोग से संबंधित मामलों और आगे की रणनीति पर गहन चर्चा की जाएगी। हुगली के सेरमपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संदेश दिया कि विपक्ष की सभी पार्टियों को एक साथ बैठकर चुनाव आयोग और एसआईआर की प्रक्रिया पर एक मजबूत रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं यह संदेश राहुल गांधी तक पहुंचाना चाहती हूं।

मुख्यमंत्री ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के पीछे ज्ञानेश कुमार का हाथ था, और कहा कि जिस तरह ज्ञानेश कुमार को पकड़ा गया है, उसी तरह वह अन्य गलत काम करने वालों को भी पकड़ेंगी। उन्होंने दोहराया कि कुमार को जाना ही होगा, और जब तक वे नहीं चले जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। ममता ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने बंगाल पर कब्जा करने की नीयत से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान चलाया, जिसके तहत 93 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने दावा किया कि सबसे पहले तृणमूल ने ही सीमा खन्ना की भूमिका को संदिग्ध बताया था, और कहा कि सारे रिकॉर्ड दिए गए हैं, मतदाता सूची से एक-एक करके नाम गायब कर दिए गए हैं। उन्होंने बंगाल पर कब्जा किया है और वह दिल्ली पर कब्जा करेंगी।ममता बनर्जी ने घोषणा की कि वे एसआईआर के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करने वाली किसी भी राजनीतिक पार्टी का साथ देंगी, चाहे उसका राजनीतिक रंग कोई भी हो। उन्होंने एसटीएफ और सीआईडी जैसी एजेंसियों तथा पुलिस की आलोचना करते हुए जनता से कहा, डरिए मत। गिरफ्तारी के लिए तैयार रहिए, खुलकर बोलिए और एकजुट रहिए।

गडकरी ने आरटीओ में जारी भष्ट्राचार पर चेतावनी.....तब आपकी नौकरी जाएगी

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री परिवहन सेवा योजना के शुभारंभ के मौके पर भ्रष्टाचार और वैकल्पिक ईंधन पर महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने आरटीओ अधिकारियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी चेतावनी देकर कहा, बहुत से ऑफिसर गांधीवादी हैं। गांधी जी की नोट दिखाई देती है, तब फटाफट ठप्पा लगा देते हैं। जरा याद रखना। गलत बस सेंशन किया, तब आपकी नौकरी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने 17 सेवाओं को डिजिटल कर दिया है ताकि जनता को आरटीओ कार्यालय आने की आवश्यकता न पड़े और उनका जीवन सुगम हो सके।

सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने नई सुरक्षा व्यवस्था का जिक्र किया। इसके तहत, हर बस के लिए एक अलग चेकलिस्ट तैयार होगी और उस सूची को वाहन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। किसी भी बस का पंजीकरण फिजिकल और वीडियो निरीक्षण के बिना नहीं किया जाएगा, जिससे सुरक्षा मानकों में वृद्धि होगी। इथेनॉल को भविष्य का ईंधन बताकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मध्य प्रदेश सरकार को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने समझाया कि ई-20 का अर्थ है पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल का मिश्रण, इस किसान मक्का, धान और कपास के पुआल जैसे कृषि उत्पादों से बनाते हैं। यह व्यवस्था अमेरिका, जर्मनी और जापान सहित 19 देशों में पहले से ही प्रचलित है। केंद्रीय गडकरी ने अपने इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर, स्कूटर और हाइड्रोजन कार के उपयोग का उल्लेख कर बताया कि जल्द ही 100 प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाली गाड़ियां उपलब्ध होंगी, जिससे देश की पेट्रोल-डीजल आयात पर निर्भरता काफी कम होगी।

राहुल गांधी हमारे अप्रत्यक्ष स्टार प्रचारक है, वो जहां जाते हैं बीजेपी को फायदा होता है

-इंदौर में हुए 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर मंत्री विजयवर्गीय ने साधा निशाना

आगर मालवा, एजेंसी। राहुल गांधी हाल में इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। अब प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस कार्यक्रम और राहुल गांधी को लेकर बयान दिया है। उन्होंने सुसनेर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र में हमारी मोदी सरकार को बदनाम करने के लिए एक रैपर को बुला लिया, खूब जेन-जी किया, फोकट की कॉमेडी की, खूब डांस किया। विजयवर्गीय ने कहा कि हमने कहा क्या जरूरत है इन सबकी। आपके नेता को खड़ा कर दो, उनके नेता ऐसे ही हैं, जहां खड़ा कर दो वहां भीड़ लग जाती है। लोग सुनना चाहते कि पता नहीं कब किधर से आलू डाले और सोना निकाल दे।

उन्होंने कहा कि मुझसे पूछा कि राहुल गांधी आ रहे है, तो मैंने कहा कि इससे तो हमारा फायदा होगा, वो तो हमारे अप्रत्यक्ष स्टार प्रचारक है, वो जहां जाते है वहा बीजेपी को फायदा होता है। विजयवर्गीय ने आगे कहा कि केंद्र में मोदी सरकार है। मध्य प्रदेश में मोहन यादव की सरकार है। ये कांग्रेस वाले पैसा कहां से लाएंगे। भाई ये कांग्रेस वाले क्या धंधा करते हैं? मुझसे ज्यादा आप जानते हैं। विजयवर्गीय ने सुसनेर से कांग्रेस के विधायक पर भी तंज कसते हुए घंटी बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजयवर्गीय ने कहा कि आपके यहां के विधायक बड़े व्यवहारिक हैं। मेरे पास आते है और कहते हैं कि ये काम है, वो काम है। मैं उनकी हां में हां मिलाता हूं। कभी ना नहीं करता। उन्हें कड़क मीठी चाय पिलाता हूं। अगर उनका उम्मीदवार जीतेगा तो कागज लाएंगे तो में सब कागज रख लूंगा और जाते-जाते एक बॉक्स दूंगा की उसे सुसनेर जाकर खोलना। वहीं बीजेपी का प्रत्याशी प्रदीप जीता और यह आया तो सभी कागज तुरंत मंजूर कर दूंगा और ये कांग्रेस से जीतकर आएगा। सुसनेर आकर बॉक्स खोलेगा तो उसमें मिलेगी घंटी, अब आप देख लो कि आपको विकास करना है कि घंटी बजवाना है।

युद्ध के बदलते स्वरूप के साथ हमारी सोच भी बदलनी होगी : सेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी। थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने कहा है कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल देश में हथियार बनाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि भारत लंबे समय तक चलने वाले युद्धों में अपनी सैन्य ताकत को बनाए रखे और बदलती जरूरतों के अनुसार इस बदलाव में ढाल सके। बदलते युद्ध के दौर में आत्मनिर्भरता विषय पर उन्होंने कहा कि युद्ध का स्वरूप, तकनीक और उसकी अवधि तेजी से बदल रही है, इसलिए सैन्य क्षमता के विकास और आत्मनिर्भरता पर हमारी सोच को लगातार बदलना होगा।

जनरल सेठ ने आज के युद्धों को रुक-रुक कर होने वाले युद्ध बताया, जिनकी 1971 के युद्ध की तरह कोई स्पष्ट समाप्ति नहीं होती। उन्होंने समझाया कि सैन्य क्षमताएं तैयार करने में वर्षों लगते हैं, जबकि तकनीक बहुत कम समय में बदलती है। इसके बाद चुनौती सिर्फ स्वदेशी हथियार बनाने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की भी है कि सेना में शामिल होने तक वे आधुनिक और उपयोगी बने रहें।

सेना प्रमुख ने भारत की विविध भौगोलिक परिस्थितियों का जिक्र कर कहा कि हमारी सैन्य क्षमताएं देश की अपनी जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि कुछ सौ डॉलर के ड्रोन लाखों डॉलर के महंगे सैन्य प्लेटफार्मों के लिए खतरा बन सकते हैं। चूंकि तकनीक अब व्यापक रूप से उपलब्ध है, असली बढ़त इस बात से मिलेगी कि हम विरोधी से कितनी तेजी से नए समाधान खोजते हैं और खुद को बदलते हैं। उन्होंने पुरानी सैन्य प्रणालियों को जल्दबाजी में बेकार मानने के प्रति भी आगाह किया, क्योंकि आधुनिक सेंसर से लैस होकर वे ड्रोन जैसे नए खतरों के खिलाफ प्रभावी हो सकती हैं। जनरल सेठ ने दूर से मार करने और जमीन पर सीधे युद्ध करने, दोनों क्षमताओं की आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि जमीन पर नियंत्रण अंततः सैनिक ही स्थापित करता है।

एसआईआर को लेकर लिया फैसला गलत था, लेकिन हम क्या कर सकते थे?

ओवैसी ने उठाए सवाल- चुनाव आयोग के फैसले किस तरह लिए गए

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर मतदाता सूची के एसआईआर पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वह शुरुआत से ही एसआईआर के खिलाफ रहे हैं और इसे बैकडोर एनआरसी मानते हैं। ओवैसी ने चुनाव आयोग के भीतर फैसले लेने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं।

हैदराबाद में ओवैसी ने कहा कि मैं शुरू से एसआईआर का विरोध करता रहा हूं। मेरा मानना है कि एसआईआर को लेकर लिया गया फैसला गलत था, लेकिन हम क्या कर सकते थे? सुप्रीम कोर्ट ने इसे बरकरार रखा। ओवैसी ने हाल में चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों को लेकर सामने आई मीडिया रिपोर्ट का जिक्र करते हुए सवाल किया कि आयोग के फैसले किस तरह लिए गए। उन्होंने कहा कि देश को बताया जाना चाहिए कि कितने फैसले बहुमत से लिए गए? ओवैसी ने दो चुनाव आयुक्तों की ओर से दर्ज आपत्तियों का जिक्र करते हुए पूछा कि अगर कुछ फैसले बहुमत के आधार पर नहीं हुए तो उनकी कानूनी स्थिति क्या होगी?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 मौकों पर अलग-अलग मुद्दों को लेकर रिकॉर्ड पर आपत्तियां दर्ज की थीं। हालांकि चुनाव आयोग का कहना है कि सदस्यों की टिप्पणियां और अलग-अलग राय विचार-विमर्श की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं और अंतिम फैसले सर्वसम्मति से लिए गए। ओवैसी ने एसआईआर की प्रक्रिया से गरीबों को परेशानी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोगों को दस्तावेज खोजने के लिए इधर-उधर भागना पड़ रहा है।

ओवैसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की मौजूदा प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब इससे जुड़ा विधेयक संसद में आया था, तभी उन्होंने इसकी विश्वसनीयता को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने तेलंगाना में एसआईआर की व्यावहारिक दिक्कतों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में एनआरसी नहीं हुआ और स्थायी निवास प्रमाणपत्र की व्यवस्था भी नहीं रही है। ऐसे में लोगों से पुराने रिकॉर्ड और दस्तावेज मांगने से परेशानी बढ़ सकती है। ओवैसी ने प्रक्रिया को ऑनलाइन किए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ बीएलओ को घर-घर जाकर नोटिस देने और दस्तावेज लेने हैं, दूसरी तरफ बड़ी संख्या में मामलों को ऑनलाइन संभालना है। उनके मुताबिक इतने बड़े स्तर पर इस प्रक्रिया को पूरा करना बेहद मुश्किल है। ओवैसी इससे पहले भी एसआईआर को बैकडोर एनआरसी बताते हुए नागरिकों से दस्तावेज मांगने और नाम छूटने की आशंका को लेकर सवाल उठा चुके हैं।

आग की लपटों में घिरी अबला का जीवन खो देना त्रासदी

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने लिखा कि कुछ अपराध ऐसे होते हैं, जिनकी गंभीरता को केवल कानूनी धाराओं और साक्ष्य की भाषा में पूरी तरह व्यक्त करना कठिन होता है। जीवित अबला महिला का आग की लपटों में घिरना, सहायता के लिए संघर्ष करना और अंतत जीवन खो देना ऐसी मानवीय त्रासदी है जो अपराध के परिणाम से कहीं अधिक व्यापक पीड़ा को दर्शाती है। अदालत ने 77 पेज के फैसले में लिखा कि जनता से पूछना चाहते हैं कि यह आग कब बुझेगी। कब तक अबला महिलाओं को जलाकर मारा जाता रहेगा और पूरा सिस्टम सिर्फ वादकारी का हित सर्वोपरि में सिर्फ अभियुक्त का ही हित और अधिकार देखेगा। स्वयं को बचाने की असहायता इस अपराध को साधारण हत्या से कहीं अधिक जघन्य बनाती है। यह कृत्य न केवल पीड़िता के जीवन और गरिमा पर आघात है, बल्कि वैवाहिक विश्वास एवं उस सामाजिक संस्था के प्रति भी गंभीर आघात है, जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे की सुरक्षा और सहारे के लिए अपेक्षित होते हैं। पीड़िता की असहाय स्थिति और समाज पर उसके प्रभाव को समग्रता में देखते हुए यह न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि यह मामला अति-दुर्लभतम में दुर्लभ श्रेणी में आता है। हत्या का यह तरीका अत्यंत निर्मम एवं पाश्विक है। यदि दंड देते समय ऐसे सिद्धदोष के प्रति सहानुभूति दर्शित की जाएगी तो यह भविष्य में इस बात की मिसाल बन जाएगा कि कोई भी विवाहित पति अपनी पत्नी को जिन्दा जलाकर मार दे और न्यायालय उसके साथ सहानुभूति प्रदर्शित करे। इसलिए प्रश्नगत प्रकरण में सिद्धदोष नदीम को मृत्युदंड दिया जाना ही एकमात्र विकल्प है।

अदालत ने फैसले में खुदा की ओर से बाबा आदम को बनाने और अजाजील की कहानी भी लिखी। उदास बाबा आदम की बाईं पसली से नारी के जन्म को बयान किया, जिसका नाम हव्वा रखा गया। गेहूं का दाना खाने के कारण आदम-हव्वा को खुदा ने पृथ्वी पर भेज दिया। दोनों पति-पत्नी एक-दूसरे से प्यार करते थे। मुसीबत सहते हुए धरती पर रहे। इस्लामी मान्यता के अनुसार जो व्यक्ति अपनी पत्नी की हत्या करेगा वह दोजख में भेजा जाएगा। पति-पत्नी का संबंध प्यार-मोहब्बत पर आधारित होता है। लैला-मंजनू और शीरी-फरहाद के प्यार-मोहब्बत के किस्सों का उल्लेख किया जाना आवश्यक है। प्रेम संबंधों के संबंध में यह बताते हैं कि प्रेम अर्थात् मोहब्बत में किसी की जान ली नहीं जाती है, ऐसा होता है प्रेम का संबंध अथवा पति-पत्नी का संबंध। मुस्लिम समाज में निकाह नामक संस्था का बड़ा महत्व है।

हजरत मोहम्मद साहब का कथन है कि निकाह मेरी सुन्नत है। जो लोग जीवन के इस ढंग को नहीं अपनाते हैं वह मेरे अनुयायी नहीं हैं। निकाह को पुण्य कार्य माना गया है। मुस्लिम विधि की प्रसिद्ध पुस्तक रघुल मोहतार में यह कहा गया है कि बाबा आदम के समय से आज तक हम लोगों के लिए रखा गया और जन्नत में भी होने वाला कोई ऐसा इबादत का कार्य नहीं है, सिवाय निकाह और इमान के। निवाड़ा गांव की शहजादी की शाहपुर में हत्या के बाद से उसका बेटा शादान ननिहाल में ही रह रहा है। सोमवार को अदालत के फैसले के बाद वादी पिता दिलशाद ने कहा कि बेटी के साथ मारपीट की गई थी। हम

अदालत के फैसले से संतुष्ट है। जैसा हमारी बेटी के साथ किया गया, वैसा सजा ही नदीम को मिलनी चाहिए। दोषी को फांसी लगनी चाहिए। वारदात के बाद उन्हें शहजादी के ससुरालियों ने जानकारी नहीं दी थी, किसी तरह पड़ोसियों से मामले की जानकारी मिली। नदीम को फांसी की सजा के बाद उसके भाई नईम ने कहा कि वह फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। प्रकरण में नदीम पांच साल जेल में रहा और वर्तमान में जमानत पर चल रहा था। कपड़े की फेरी लगाकर वह गुजारा करता था। 26 अगस्त को उसे दोबारा हिरासत में लिया गया। हम अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं है। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने पत्नी को जिंदा जलाने वाले नदीम को फांसी की सजा सुनाई। एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। वादी पिता समेत तथ्य के अन्य गवाहों के पक्षद्रोही हो जाने के बावजूद मजिस्ट्रेट को मृत्यु पूर्व दिया गया बयान सजा का आधार बना। न्यायालय ने फैसले में लिखा कि अबला नारी को जिंदा जलाने वाला सहानुभूति का हकदार नहीं है, उसे मृत्युदंड दिया जाना ही उचित है। अदालत ने सवाल उठाया कि यह आग कब बुझेगी। कस्बा शाहपुर में आठ साल पहले घरेलू विवाद में शहजादी (23) को मिट्टी का तेल डालकर जिंदा जला दिया गया था। बागपत के निवाड़ा निवासी दिलशाद ने अपनी पुत्री शहजादी का निकाह 10 जनवरी 2015 को शाहपुर की नई आबादी निवासी नदीम के साथ किया था। दंपती के घर में बेटे शादान का जन्म हुआ। 23 जुलाई 2018 को रात 8:30 बजे विवाहिता के साथ मारपीट कर उसके ऊपर मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा दी गई थी। बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज और आनंद हॉस्पिटल मेरठ में उपचार कराया गया। गंभीर हालत के कारण दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान 28 जुलाई 2018 को उसकी मृत्यु हो गई थी। शहजादी का शरीर करीब 98 प्रतिशत तक जल चुका था। मौत की वजह जलना और सेप्टिक शॉक पाया गया था। वादी दिलशाद ने प्राथमिकी में दहेज के लिए प्रताड़ित करने, बाइक और एक लाख रुपये की मांग का आरोप लगाते हुए शहजादी के पति नदीम, सास शमशीदा और ननद सोनी को नामजद किया था। पुलिस ने जांच के बाद दहेज हत्या के अलावा वैकल्पिक तौर पर हत्या की धारा में अदालत में तीनों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। आरोपी सास की ट्रायल के दौरान मौत हो गई थी। सह-अभियुक्त ननद सोनी को साक्ष्य के अभाव में पिछले महीने 26 अगस्त बरी कर दिया गया था। पति पर दोष सिद्ध हुआ था। अभियुक्त पर प्रकरण में दहेज हत्या का मामला खारिज हो गया लेकिन साशय हत्या (धारा 302) सिद्ध हुआ। अदालत ने सोमवार को सजा के प्रश्न पर सुनवाई करते हुए दोषी नदीम को मृत्युदंड की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष ने कुल 11 गवाह पेश किए। 24 जुलाई 2018 को शाम 05:35 बजे सफदरजंग अस्पताल के बर्न विभाग के आईसीयू में भर्ती शहजादी का बयान दर्ज करने तत्कालीन कार्यपालक मजिस्ट्रेट/तहसीलदार (हौज खास सब-डिवीजन, दिल्ली) अशोक कुमार पहुंचे। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी तीन साल पहले नदीम से हुई थी। पति ने एक साल ठीक रखा, उसके बाद शराब पीकर लड़ना-पीटना शुरू कर दिया।

भेज रहा था अश्लील संदेश, बदनाम करने की धमकी से परेशान युवती ने दी जान

अलीगढ़। खैर क्षेत्र के मोहल्ला ओम नगर गोला कुआं निवासी 21 वर्षीय माधुरी ने शुक्रवार सुबह कमरे में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों का आरोप है कि सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में आया युवक उसे अश्लील संदेश भेजकर परेशान कर रहा था। एआई से तैयार वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा था। छोटी बहन खुशबू ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि वह और माधुरी कस्बे की एक संस्था में नौकरी करती थीं। इसी दौरान माधुरी की पहचान चमन नगरी निवासी चंदन से इंस्टाग्राम और फेसबुक के माध्यम से हुई थी। आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से चंदन उसे लगातार अश्लील संदेश भेज रहा था और वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा था। खुशबू के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे दिव्यांश का फोन आया। उसने बताया कि माधुरी ने उससे बात करते समय कमरे में फंदा लगा लिया है। परिजन ऊपर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था। पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। अंदर माधुरी पंखे से दुपट्टे के सहारे लटकी मिली। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। एंबुलेंस से उसे सीएचसी खैर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सीओ खैर अभिषेक पटेल ने बताया कि बहन की तहरीर मिली है। आरोपों के आधार पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन हड़पने की कोशिश, चार पर प्राथमिकी

गुरुग्राम। पटौदी में फर्जी दस्तावेज बनाकर पैतृक जमीन हड़पने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह कार्रवाई पटौदी की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत के आदेश हुई। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उनके मृत दादा के नाम पर फर्जी आधार और पैन कार्ड बनवाए और फिर उनकी पैतृक संपत्ति हड़पे की कोशिश की। शिकायतकर्ता भूपेन्द्र शर्मा, राज कुमार शर्मा और आरती मेहता ने बताया कि उनके परदादा बोधराज को भारत सरकार की पुनर्वास योजना के तहत चार कनाल चौदह मरले की जमीन आवंटित हुई थी, जो उनके दादा चमनलाल उर्फ चमन राम के नाम पर राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है। चमनलाल का निधन 15 दिसंबर 1970 को हो चुका है। आरोप है कि प्रवीण पत्नी नूर हसन, नूर हसन पुत्र अब्दुल हकीम, मामन सिंह नम्बरदार और शकील पुत्र अब्दुल हकीम ने इसे हड़पने की कोशिश की। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपियों ने चमनलाल के नाम पर फर्जी आधार और पैन कार्ड तैयार किए। इसके बाद 22 जनवरी 2025 को प्रवीण के नाम पर एक फर्जी वसीयत पंजीकृत कराई। 25 फरवरी 2025 को नूर हसन के नाम पर एक हस्तांतरण विलेख भी पंजीकृत किया गया। मामन सिंह नम्बरदार दोनों वसीयतों में गवाह बने। शिकायतकर्ताओं ने इस मामले में 27 मई 2025 को उच्च अधिकारियों को शिकायत दी थी। हालांकि, उस समय पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद उन्होंने पटौदी की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत में याचिका दायर की। अदालत ने 9 सितंबर 2026 को मामला दर्ज करने का आदेश दिया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 61(2), 318(4), 319(2), 336(3), 338 और 340(2) के तहत

बारिश संग तेज हवा ने मचाई तबाही, तार-खंभों पर गिरे पेड़, बिजली व्यवस्था बेपटरी

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले में पिछले करीब 36 घंटे से लगातार हो रही बारिश और तेज हवा ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। इसका असर बिजली व्यवस्था पर भी पड़ा है। कई जगह पेड़ बिजली के तारों और खंभों पर गिरने से विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कई इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। जिलेभर में सैकड़ों पेड़ गिरे हैं। इससे यातायात भी बाधित हुआ है। लखीमपुर शहर के नई बस्ती, गढ़ी, छाउछ, न्यू छाउछ और कलेक्ट्रेट बिजली केंद्र क्षेत्र में बारिश के चलते कई स्थानों पर बिजली लाइनें प्रभावित हुई हैं। डीसी रोड पर पेड़ गिरने से बिजली के तार और खंभे टूट गए। उदरहा क्षेत्र में भी 11 हजार केवी लाइन पर पेड़ गिरने से भारी नुकसान हुआ है। अकेले शहर में करीब 20 से 25 स्थानों पर तार टूटने और खंभे क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली है।

NAME CHANGE
I VINAY JAIN S/O RAHTU LAL JAIN R/O H.NO.111, G/F, SAINI ENCLAVE, DELHI-110092. have changed my name to VINAY KUMAR JAIN for all purposes.

NAME CHANGE
I MITHLESH JAIN W/O VINAY KUMAR JAIN R/O H.NO.111, G/F, SAINI ENCLAVE, DELHI-110092. have changed my name to MITLESH JAIN for all purposes.

NAME CHANGE
I, SAMSHAD ALI S/O SAJJAD ALI R/O 239 MISHRIKH BIBIPUR SITA-PUR UP-261402 have changed my name to SHAMSHAD ALI for all future purposes.

NAME CHANGE
I ADEEBA D/O GOUSIA AHMED R/O J-3/122 1ST FLOOR KRISHAN KUNJ LAXMI NAGAR EAST DELHI 110092 HAVE CHANGED MY NAME TO ADIBA MUZAMMIL KHAN

NAME CHANGE
I, Ikram Khan R/o U-116, Gali No.5, U-Block, Arvind Nagar, Garhi Mendu, Delhi-110053 have changed my name to Mohd. Ikram Khan.

NAME CHANGE
I, Mohd Vakil R/o K-189, Gali No.1, Near Khadde Wali Masjid, Gautam Vihar, Garhi Mendu, Delhi-110053 hace changed my name to Vakil.

NAME CHANGE
I ARUN KUMAR S/O TEJNARAYAN MISHRA R/O 2039 BLOCK - L 1 GALI NO-8 NEAR ASTHAL MANDIR SANGAM VIHAR SOUTH DELHI 110062 HAVE CHANGED MY NAME TO ARUN MISHRA

NAME CHANGE
I, hitherto known as Bhawana Sharma D/O: Late Pramod Kumar, R/O Village Kurthal, Tahsil- Budhan, Muzaffarnagar Uttar Pradesh - 251309, have changed my name and shall hereafter be known as BHAWANA DEVI.

Public Notice
I,Varsha Singh D/o Om Prakash Bhaskar, resident of Vikas Nagar, Barhpur, Farrukhabad, Farrukhabad, Uttar Pradesh - 209625 do hereby undertake that I, Varsha Singh want to change my name to Vikrant Singh and my gender as MALE.I, Varsha Singh henceforth shall be known as Vikrant Singh S/o Om Prakash Bhaskar The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I shall be personally responsible for the same and The Department of Publication shall not be liable for any consequences arising therefrom.

NAME CHANGE
I NIMALA legally wife of Army No Jc777554L, Rank - Sub, Name - Krishna Kant Yadav, of Unit - 247 Field Work Shop Salugaraha NJP, West Bengal, Presently Residing Post- TSL, Teh - Karchana, Dist- Prayagraj, State- UP, Pin- 211010 have changed my name from NIMALA to NIRMALA YADAV for all future purposes, vide affidavit dated 26/09/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, PRIYANKA, is legally wife of Army No. 2805412Y, Rank - HAV, Name - KHOT GANESH YASHAVANT, presently residing at Vill - Lonarwadi, Post - Lonarwadi, Teh - Kavathe Mahankal, Dist - Sangli, State - Maharashtra, Pin - 416411, have changed my name from PRIYANKA to PRIYANKA GANESH KHOT and date of birth from 07/10/1990 to 07/10/1994 for all future purposes. Vide affidavit dated 26/09/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, PAMABAI, is legally mother of Army No. 2805412Y, Rank - HAV, Name - KHOT GANESH YASHAVANT presently residing at Vill - Lonarwadi, Post - Lonarwadi, Teh - Kavathe Mahankal, Dist - Sangli, State - Maharashtra, Pin - 416411, have changed my name from PAMABAI to PAMABAI YASHAVANT KHOT and date of birth from 06/10/1943 to 04/12/1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 26/09/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, Sangeeta Gupta W/o Sh. Bharat Gupta, R/O Flat no. -313 , EIL Appartment ,PKT-6 Nasir Pur Dwarka , Sector -1A, opposite Nasir Pur Pursubzimandi , Nasirpur,PO : Palam Village ,DIST : South West Delhi, Delhi - 110045 do hereby notify the public that Sangeeta and Sangeeta Gupta are the names of one and the same person, representing me .I shall be known by both names for all future legal and official purposes.

NAME CHANGE
I Lal mohan S/o Brahmpal R/o a31/4a new B4 shastri marg Maujpur north east delhi 110053 have changed my name to mohan chaudhary to Lal Mohan for all future Purpose.

NAME CHANGE
I RAJENDRA legally father of Army 2810466k, Rank - Sep, Name - SHINDE ABASAHEB RAJENDRA, Presently Residing At - Hivrapahadi, Post - Deola, Teh - beed, Dist - Beed, Maharashtra, Pin-431122 have changed my name from RAJENDRA to RAJENDRA KARBHARI SHINDE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 20/03/1965 instead of my correct date of birth as 01/01/1967 vide Affidavit dated 26/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I NIMALA legally wife of Army No Jc777554L, Rank - Sub, Name - Krishna Kant Yadav, of Unit - 247 Field Work Shop Salugaraha NJP, West Bengal, Presently Residing Post- TSL, Teh - Karchana, Dist- Prayagraj, State- UP, Pin- 211010 have changed my name from NIMALA to NIRMALA YADAV for all future purposes, vide affidavit dated 26/09/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, PRIYANKA, is legally wife of Army No. 2805412Y, Rank - HAV, Name - KHOT GANESH YASHAVANT, presently residing at Vill - Lonarwadi, Post - Lonarwadi, Teh - Kavathe Mahankal, Dist - Sangli, State - Maharashtra, Pin - 416411, have changed my name from PRIYANKA to PRIYANKA GANESH KHOT and date of birth from 07/10/1990 to 07/10/1994 for all future purposes. Vide affidavit dated 26/09/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, PAMABAI, is legally mother of Army No. 2805412Y, Rank - HAV, Name - KHOT GANESH YASHAVANT presently residing at Vill - Lonarwadi, Post - Lonarwadi, Teh - Kavathe Mahankal, Dist - Sangli, State - Maharashtra, Pin - 416411, have changed my name from PAMABAI to PAMABAI YASHAVANT KHOT and date of birth from 06/10/1943 to 04/12/1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 26/09/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I Pooja w/o lalmohan R/o a31/4a new B4 shastri marg Maujpur north east delhi 110053 have changed my name to pooja Gupta to pooja for all future Purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Roomana W/o Mohd Nadeem R/o House No. 2071, Kucha Chelan, Darya Ganj, New Delhi – 110002 declare that name of mine has been wrongly written as Romana in my minor daughter Rushda aged 14 years in her school records. The actual name of mine Roomana which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, SYAMBETI DEVI wife of JC-734316L, Rank-SUB Name-ASHOK SINGH TOMAR unit of 5 MTN DOU, R/O VILL-GALE KI GADHI, POST-AMBAH, BLOCK PORSA, DIST-MORENA, MADHYA PRADESH-476111, have changed my name from SYAMBETI DEVI to SHYAMBETI TOMAR for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 09/01/1984 instead of my correct date of birth as 03/04/1984 Vide Affidavit dated 26/09/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ASLAM S/o ABDUL SALAM R/o 1850, LAL DARWAZA, SIRKI WALAN, LAL KUAN DELHI-110006 have changed my name to MOHD ASLAM for all future purposes.

NAME CHANGE
I Rajbir S/O Tak Chand R/O 192, 3, Ashok Vihar, phase-3, gurgaon, haryana-122001 I have Changed My Name To Rajbir Singh

NAME CHANGE
I, Capt. Mohit Sabharwal, S/o Maj Gen M R Sabharwal, E-901, La Lagune, Sector-54, Gurgaon 122003, Have Changed My Daughter's Name From Sahana Sabharwal, To Sahana Anand Sabharwal For All The Future Purposes....

NAME CHANGE
It is for general information that I, Nida Qureshi W/o Shuaib Ahmed R/o House No. 893, Haveli Azam Khan, Chitli Qabar, Jama Masjid, Delhi G.P.O., North Delhi, Delhi - 110006 declare that name of mine has been wrongly written as Nida Shuaib in my minor son MOHAMMED ALI aged 14 years in his school records. The actual name of mine Nida Qureshi which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Yashasvi D/o Jagbir Singh R/o J/139A, Adani Samsara Vilasa, Sector-63,Gurgaon, Haryana-122001, HaveChanged My Name To yashasvi Dhankhar for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Ujjwal Dhankhar W/o Jagbir Singh R/o 3a 305, Rang Rasayan Apartments Sector-13, Rohini,Delhi-110085, Have Changed My Name To Ujjwal for all future purpose

NAME CHANGE
I, Jagbir Singh Dhankhar S/o Kishan Lal R/o B-81,2nd Floor,Dwarkadhish Enclave, Sector-26 Rohini, Pehlad Pur bangar, North West Delhi,Delhi,-110042, Have Changed My Name To Jagbir Singh for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SWATI CHUGH D/o VINOD KUMAR CHUGH W/o ABHISHEK BEHERA R/O 1094, JOY APARTMENT, PLOT NO.2, OPPOSITE J M INTERNATIONAL SCHOOL, SECTOR-2, DWARKA SOUTH WEST DELHI, DELHI-110075, declare that name of mine has been wrongly written as SWATI CHUGH BEHERA in my marriage Certificate bearing No 90730000204131 issued by Nct Of Delhi.The actual name of mine is SWATI CHUGH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Suresh Prasad Mahto S/O Inder Dev Mahto, R/O Kh No-222/224 Ground Floor, Street No-4, Block-A, Inder Enclave Phase-1, Kirari. Suleman Nagar, North West Delhi, Delhi 110086, have changed the name of my minor son Avadhesh kumar aged 17 years and he shall hereafter be known as ABHADHESH KUMAR.

NAME CHANGE
I, MOHD TASLIM S/o Mohd Shaheed R/o House No.C-112, Gali No.8, Ghonda Extension, Garhi Mendu, Delhi-110053 have changed my name to Mohd Tasleem.

NAME CHANGE
I, Mohammad Shandar Naqvi R/o D-201, Rail Vihar, Alpha-1, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P.-201310 have changed my name to Mohammad Shandar.

NAME CHANGE
I, Mohd Aslam Mughal R/o C-156, Gali No.13, Near Sheeshe Wali Masjid, North Ghonda, Garhi Mendu, Delhi-110053 have changed my name to Mohd Aslam.

NAME CHANGE
I, Rukhsana Begum R/o C-11, Gali No.12, North Ghonda, Subhash Mohalla, Garhi Mendu Delhi-110053 have changed my name to Afsana Begam.

NAME CHANGE
I hitherto Known as MANSHI SAHU S/o DOMU SHAHU Residing at House No. - 11A DDA Flats , Block - B , Sarai Basti , Onkar Nagar , North West Delhi , Delhi - 110035 have changed my name and shall hereafter be known as MUNSHI SAHU .

NAME CHANGE
I hitherto Known as HIMANSHU KUMAR JHA alias HIMANSHU KUMAR, S/o DINESH KUMAR JHA,Residing at B-75 F/F Harijan Basti,kondli DIST:East Delhi , Delhi- 110096,have changed my name and shall hereafter be known as HIMANSHU KUMAR

NAME CHANGE
I, OMKAR S/o RAMANUJ SINGH Permanent R/o Village – Yodhanbigha Nimi , Shekhopur Sarai , PO : Nimi , Dist : Sheikhpura , Bihar – 811103 Presently Residing at House No. – 190/17 , Onkar Nagar – B , TRI Nagar , Delhi – 110035 have changed the name of my minor son SHASHANK aged 15 Years and he shall hereafter be known as SHASHANK KUMAR .

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री रामानंदराम पुत्र श्री भोकूराम निवासी डब्ल्यु-167/126, इंदिरा कैंप न0 4, न्यू कृष्णा पार्क, विकासपुरी, तिलक नगर, वेस्ट दिल्ली-110018 स्थायी पता ग्राम-डोकुली धाम वार्ड न0 5, थाना वीरौल, वाया सिधिया, जिला दरभंगा, बिहार-848209 ने अपने पुत्रगण जितेन्द्र राम पुत्र श्री रामानंदराम, पुत्रवधु रिंकू देवी पत्नी जितेन्द्र राम और बैजनाथ राम पुत्र रामानंदराम पुत्रवधु विभा पत्नी बैजनाथ राम और श्रवण कुमार राम पुत्र श्री रामानंदराम और सुमन पत्नी श्रवण कुमार राम को अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से उनके अभद्र व्यवहार, नशा करना, जुआ खोलना, मारपीट, गाली गलौच व अनियंत्रित होने के कारण बेदखल कर दिया है मेरे मुवक्किल ने अपने समस्त उपरोक्त पुत्रगण और पुत्रवधु उनसे अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कार्य व किसी भी प्रकार के लेन देन के प्रति मेरे गुवक्किल जिम्मेदार नही हैं और ना ही भविष्य में कोई जिम्मेदारी होगी।
एन. के. तिवारी अधिवक्ता
चैम्बर नं0 832
जिला न्यायालय, द्वारका कोर्ट,
द्वारका, नई दिल्ली 110075.

NAME CHANGE
I. hitherto known as Rajeev Urf Raju S/O Ganga Prashad, R/O VTC: Bauroli, PO: Khurja, District: Bulandshahr, Uttar Pradesh, 203131, have changed my name and shall hereafter be known as RAJESH.

NAME CHANGE
It is for general information that I, AATHREYAN BHARDWAJ S/O GIRISH KUMAR SHARMA R/O E - 577, FIRST FLOOR, GREATER KAILASH PART 2 GREATER KAILASH, Greater Kailash, PO: Greater Kailash, DIST: South Delhi, Delhi-110048, declare that name of mine has been wrongly written as AATHREYAN BHARADWAJ in my 10th Class educational documents and name of mine has been wrongly written as AATHREYAN BHARDAWAJ in my 12th Class and Graduation educational documents.The actual name of mine is AATHREYAN BHARDWAJ respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, KAPIL KUMAR S/O Lakhichand R/o B-1204,G D Colony, Mayur vihar Phase -3, Delhi -110096, have changed my name to KAPIL KUMAR GURJAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Dheeraj S/o Dilbag Singh R/o 741, Sisar Khas(123), Rohtak, Haryana-124112, have changed my name to Dheeraj Singh for all purposes

Public Notice
It is for general information that I, NIDHI PRAMOD DANDARE D/o PRAMOD DADAJI DANDARE, R/o F4-506, Amrapali Centurian Park Terrace Homes, Greater Noida sector 1, Uttar Pradesh-201318, declare that name of my mine and my father has been wrongly written as NIDHI DANDARE and PRAMOD DANDARE in my 10th & 12th class educational Documents. The actual name of mine and my father is NIDHI PRAMOD DANDARE and PRAMOD DADAJI DANDARE respectively, which may be amended accordingly.

Public Notice
I hitherto Known as RAJKUMAR S/o KARMVEER SINGH R/o Sunpura Sohanpur, PO: Dhoomedso, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203207, have changed my name and shall hereafter be known as PAWAN KUMAR.

Public Notice
This is for information of General Public that my client Mr. Virendra Kumar S/o Mr. Putti Lal R/o House No. 4426/96 First Floor, Jai Mata Market Tri Nagar, Onkar Nagar, PO, Onkar Nagar, District North West Delhi-110035. is purchasing the Property as Residential Upper Ground Floor, built on Property/Plot Bearing No. 4275, Old No. 3500, Plot No. 54, area measuring 68.5 Sq. Yards, khasra no. 196, Village Chowkri Mubarkabad, Gali No. 3, Situated at Saroop Nagar, Budh Nagar, Tri Nagar, New Delhi (hereinafter referred to as "said property") from Mrs. Mohini Sharma. It is further informed that earlier Mrs. Ramwati was the owner of the plot on which said property is built and Mrs. Ramwati died leaving behind her legal heirs namely Mr. Umesh Sharma, Mr. Ravinder Sharma, Mrs. Suman Sharma, Mrs. Poonam Sharma, Mrs. Indu Sharma & Mr. Satya Dev Sharma and they have executed Relinquishment Deed in favour of Mr. Satya Dev Sharma, who subsequently gifted the plot on which property is built to Mrs. Mohini Sharma. It is further informed that Surviving Member Certificate of Late Mrs. Ramwati is not available on records. In case, any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 7 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed. If, no claim is received against the said property than my client may proceed with its intended object as mentioned above.
RAJESH K GUPTA Advocate
F-42/43, Dilshad Colony,
Delhi- 110095,
9911703900,

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री विकास हंस एवं श्रीमती पूनम हंस संयुक्त रूप से ऊपरी भूतल (pper Ground Floor), जिसे आगे उक्त तल कहा जाएगा, जो कि संपत्ति संख्या 2/12, खसरा संख्या 12/8, 9, क्षेत्रफल 58.52 वर्ग मीटर अर्थात 70 वर्ग गज, स्थित गली नं. 1, न्यू लायलपुर कॉलोनी की आबादी, ग्राम खुरेजी खास, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110051, में निर्मित है, को श्री अश्वनी कुमार से खरीदने का इरादा रखते हैं, उक्त संपत्ति के संबंध में प्रारंभ में श्री वेद प्रकाश पुत्र पं. हंस राज स्वामी थे, जिनके पक्ष में उक्त संपत्ति से संबंधित दस्तावेज संख्या 5203, अतिरिक्त पुस्तक संख्या-I, वॉल्यूम संख्या-343, पृष्ठ संख्या 113 से 116 पर दिनांक 28.11.1957 को पंजीकृत हुआ था (SRO-Delhi), तत्पश्चात, दिनांक 02.12.1985 को सामान्य मुख्तारनामा, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतनामा श्रीमती दया वंती के पक्ष में निष्पादित किए गए, इसके पश्चात, दिनांक 28.04.1997 को मुख्तारनामा, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतनामा मिस चंचल कुमारी, श्री सुरेश कुमार सचदेवा एवं श्री रमेश कुमार सचदेवा के पक्ष में निष्पादित किए गए, तत्पश्चात, दिनांक 25.05.1999 को पंजीकृत मुख्तारनामा, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतनामा श्री नरेश कुमार पुत्र श्री किशन लाल के पक्ष में निष्पादित किए गए, इसके पश्चात, दिनांक 22.07.1999 को पंजीकृत मुख्तारनामा, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतनामा श्रीमती गीता भाटिया के पक्ष में निष्पादित किए गए, तत्पश्चात, दिनांक 29.01.2000 को पंजीकृत मुख्तारनामा, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतनामा श्री सेवा राम पुत्र स्वर्गीय श्री किशन चंद के पक्ष में निष्पादित किए गए, दुर्भाग्यवश, उक्त श्री सेवा राम का दिनांक 25.11.2003 को बिना वसीयत के निधन हो गया तथा उनके पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिस रह गए- श्रीमती कृष्णा पाहवा (पुत्री), श्रीमती सत्य सेठी (पुत्री), श्रीमती बलवंत रानी दुआ (पुत्री), श्रीमती चंदर नागपाल (पुत्री), श्रीमती मीनू, श्रीमती पुष्पांजलि (पुत्री), श्रीमती ममता (पुत्री) तथा श्रीमती भगवंती देवी (पत्नी), तत्पश्चात, उक्त सभी पुत्रियों अर्थात श्रीमती कृष्णा पाहवा, श्रीमती सत्य सेठी, श्रीमती बलवंत रानी दुआ, श्रीमती चंदर नागपाल, श्रीमती मीनू, श्रीमती पुष्पांजलि एवं श्रीमती ममता द्वारा दिनांक 11.03.2005 को श्रीमती भगवंती देवी के पक्ष में त्यागपत्र/हक-त्याग विलेख निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 2664, पुस्तक संख्या-I, वॉल्यूम संख्या-1621, पृष्ठ संख्या 48 से 50 पर दिनांक 11.03.2005 को विधिवत पंजीकृत हुआ (SRO-VIII), तत्पश्चात, दिनांक 15.04.2005 को श्रीमती सुधेश रानी पत्नी श्री केवल किशोर के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 4398, पुस्तक संख्या-I, वॉल्यूम संख्या-1681, पृष्ठ संख्या 177 से 181 पर दिनांक 15.04.2005 को पंजीकृत हुआ (SRO-VIII), दुर्भाग्यवश, उक्त श्रीमती सुधेश रानी का दिनांक 09.05.2006 को बिना वसीयत के निधन हो गया तथा उनके पति श्री केवल किशोर का उनसे पूर्व दिनांक 22.03.2006 को निधन हो चुका था। उनके पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिस रह गए- श्री जितेंद्र कुमार (पुत्र), श्रीमती मीना पाठक (पुत्री), श्रीमती संध्या (पुत्री) एवं श्री अश्वनी कुमार (पुत्र), तत्पश्चात, श्री जितेंद्र कुमार, श्रीमती मीना पाठक एवं श्रीमती संध्या द्वारा श्री अश्वनी कुमार के पक्ष में दिनांक 17.02.2016 को त्यागपत्र/हक-त्याग विलेख निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 922, पुस्तक संख्या-I, वॉल्यूम संख्या-8363, पृष्ठ संख्या 152 से 156 पर दिनांक 23.02.2016 को विधिवत पंजीकृत हुआ (SRO-VIII), वर्तमान में श्री अश्वनी कुमार उक्त संपत्ति के शांतिपूर्ण एवं वास्तविक भौतिक कब्जे में हैं, मेरे द्वारा परीक्षण हेतु प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों तथा मुझे उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर, उपर्युक्त संपत्ति प्रथम दृष्टया सभी प्रकार के भारों, दायित्वों, ग्रहणाधिकार, प्रभारों, बंधकों, कुर्कियों, अधिग्रहण, वाद-विवाद/मुकदमेबाजी तथा किसी भी तृतीय-पक्ष के दावों से मुक्त प्रतीत होती है, उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद हेतु वित्तीय सहायता RBL Bank Limited, Branch – Building No. 1, First Floor, Modi Mill Compound, Okhla Industrial Estate, New Delhi द्वारा प्रदान की जानी है। यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा, अधिकार, हित या अन्य कोई शिकायत हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा भेजी जा सकती है, ह्यस्त्रह्यनिर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त किसी भी दावे/आपत्ति को निरस्त एवं शून्य माना जाएगा तथा उसके पश्चात किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए दावे के संबंध में प्रस्तावित लेन-देन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. /84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **ललित गिरधर** पुत्र अर्जुन गिरधर निवासी मकान नं. जी-96, राम पार्क एक्सटेंशन, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.) ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 206/2019 धारा 420/34 भा.द.स., थाना जनकपुरी, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **ललित गिरधर** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **ललित गिरधर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 206/2019 धारा 420/34 भा.द.स., थाना जनकपुरी, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **ललित गिरधर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **04.11.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री हरजोत सिंह ओजला,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-11, (दक्षिण-पश्चिम),
कक्ष संख्या 05,
द्वारका न्यायालय, दिल्ली

DP/13692/WD/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. / 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हरिंदर उर्फ हनी, पुत्र: श्री कृष्ण पाल सिंह, पता: म.नं. 32/33, कुशल विहार, डीएलएफ, अंकुर विहार, सीसीएस फार्म, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 004877/25, U/s 305(b)/317(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता-2023, पुलिस थाना जहांगीर पुरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **हरिंदर उर्फ हनी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **हरिंदर उर्फ हनी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 004877/25, U/s 305(b)/317(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता-2023, पुलिस थाना जहांगीर पुरी, दिल्ली** के अभियुक्त **हरिंदर उर्फ हनी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – श्री साहिल गुप्ता
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-07
उत्तर जिला, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/13655/NW/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.P.C./84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **आमिर खान पुत्र गबरूद्दीन निवासी मकान नं. 171, ईदगाह के पास, महाराजपुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने एफआईआर सं. **350/2025, अंतर्गत धारा 21/25/29 एनडीपीएस एक्ट, दिनांक 03.12.2025, थाना क्राइम ब्रांच, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आमिर खान** मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **आमिर खान** फरार हो गए/गई है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर सं. **350/2025, अंतर्गत धारा 21/25/29 एनडीपीएस एक्ट, दिनांक 03.12.2025, थाना क्राइम ब्रांच, दिल्ली** की उक्त अभियुक्त **आमिर खान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.10.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेश से
श्री विनीत कुमार
विशेष न्यायाधीश, एनडीपीएस
कमरा नं. 11, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/13640/CRIME/2026
(Court Matter)

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Shah Alam S/o Late. Ghazi Mohd Anwar is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up Upper Ground Floor Portion, without roof rights area measuring 90 Sq. Yards. i.e. 75.24 Sq. Mtrs. built on Property Bearing No. N-60, Rect. No. 63, Killa No. 6 Situated in the abadi of Narayan Nagar, Laxmi Nagar, Village Khureji Khas, Illaqa Shahdara, Delhi. Our client acquired the said property by virtue of a Relinquishment Deed dated 13.05.2025 Vide Doc no. 2025/5/I/4345, Book no. 1, Vol no. 4362 Page no. 119-132 SRO-East Preet Vihar., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and same property sold to be Mohammad Suhail and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd.., Branch: Loni Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की गलत नीतियों से ही आज पंजाब पीछे हो गया: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

'यहां के लोग बड़े मेहनती हैं और आपसी प्यार व स्नेह के साथ जीवन व्यतीत करते हैं।'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए यात्रा निकाली जा रही है। इसलिए पंजाब के लोगों को नशे के खिलाफ एकजुट होकर खड़े होना चाहिए ताकि पंजाब को नशामुक्त बनाने के साथ साथ आर्थिक रूप से भी सशक्त बनाया जा सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी संत कबीर कुटीर में नवांशहर से आए जन प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने टैम्पो यूनियन के प्रधान कमलजीत राणा की टीम को पार्टी का प्रतीक पटका पहनाकर भाजपा में शामिल किया ओर पार्टी के परिवार शामिल होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस व आम आदमी पार्टी की गलत नीतियों के कारण ही आज पंजाब पीछे हो गया है। आम आदमी की सरकार कांग्रेस से भी ज्यादा भ्रष्टाचारी निकली है। इस सरकार ने पंजाब सूबे को बर्बाद करने का काम किया है। इसलिए अब सूबे की जनता ने पंजाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनाने और एक मजबूत एवं विकसित प्रदेश बनाने का दृढ निश्चय कर लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप व कांग्रेस ने युवाओं को रोजगार देने, भ्रष्टाचार व नशा मुक्त शासन, किसानों की खुशहाली वादा किया था, लेकिन अब इन खोखले वादो से जनता परेशान हो चुकी है। अब पंजाब की जनता ने बदलाव लाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता ने गलत नीतियों के कारण कांग्रेस को बाहर का रास्ता दिखाया। अब आम आदमी की सरकार को भी बाहर का रास्ता दिखाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप के मुखिया केजरीवाल ने ईमानदारी और 20 लाख युवाओं को रोजगार देने के साथ ही शहीद भगत सिंह का नारा दिया। जिससे लोग उनके बहकावे में आ गए। उसने भी पंजाब की जनता के साथ बड़ा धोखा किया है। सरदार भगत सिंह ने यह सोचकर कुर्बानी दी थी, कि हमारी आने वाली पीढियां खुली हवा में सांस लेकर सुरक्षित जीवन व्यतीत कर सकें। आप सरकार ने उनका भी अपमान करने का काम किया। पंजाब की जनता से इन्हें माफी मांगनी चाहिए कि शहीद भगत सिंह का नाम लेकर झूठ बोला है।मुख्यमंत्री ने कहा कि अब यह आम आदमी नहीं है, वह खास आदमी है जिसे युवाओं की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि पंजाब प्रदेश नहीं, बल्कि संस्कृति, सोच का जज्बा है और देश का नम्बर एक का सूबा रहा है। यह गुरुओं, पीरों, शहीदों और वीरों की पवित्र भूमि है।

एक साल से लंबित शिकायतों पर सीएम की सख्ती

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जन शिकायतों के समाधान में देरी को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने लंबित शिकायतों पर अधिकारियों से जवाब मांगा है। साथ ही, निर्देश दिए हैं कि छुट्टी वाले दिन दफ्तर में पहुंचकर अधिकारी और कर्मचारी शिकायतों का निपटान करेंगे। सीएम मुख्यमंत्री सैनी ने सीएम विंडो, जनसंवाद, एसएमजीटी और समाधान शिविरों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि जैसी व्यापक शिकायतों के समाधान के लिए सरकार पॉलिसी तैयार की जाए। सीएम ने एक साल से लंबित शिकायतों के निपटारे के लिए छुट्टी वाले कार्यालय लगाने और सोमवार तक रिपोर्ट देने की कड़ी हिदायत दी। जनसंवाद के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापक स्तर पर मिली एक जैसी समस्याओं के लिए सरकार द्वारा पॉलिसी बनाई जाएगी ताकि जनता को व्यापक राहत दी जा सके। उन्होंने कहा कि फैमिली आईडी में सुधार के संबंध में काफी शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनके समाधान के लिए सभी जिलों में अतिरिक्त उपायुक्तों को (आय को छोड़कर) व्यापक अधिकार दिए गए हैं।

चुनाव के दौरान नायब सरकार द्वारा किए गए संकल्प में से अधिकतर कार्यों को किया पूरा : डा. मिड्ढा

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्णलाल मिड्ढा ने कहा कि नायब सरकार ने विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से जो संकल्प एवं वायदे किए थे, उनमें से लगभग अधिकतर कार्यो को पूरा किया जा चुका है। सरकार द्वारा जनहित में लागू की जा रही विभिन्न योजनाएं इसका प्रमाण हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा गत दिनों एक लाख 80 हजार तक की आय के परिवारों की पात्र महिलाओं के लिए लाडो लक्ष्मी योजना भी महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। इस प्रकार की योजनाओं का उद्देश्य पात्र परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से मजबूत बनाना है। विधानसभा उपाध्यक्ष डा. कृष्ण मिड्ढा अपने निवास पर जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के साथ बातचीत कर रहे थे। इस जनसुनवाई कार्यक्रम में लोगों ने डिप्टी स्पीकर के समक्ष अपनी समस्याएं रखी। जिनकी सुनवाई करते हुए उनके समाधान करवाने करने के लिए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि प्रदेश सरकार ने युवाओं को बिना पर्ची, बिना खर्ची और पूरी पारदर्शिता के साथ मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरी देने की व्यवस्था को मजबूत किया है।

सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना मुख्यमंत्री का लक्ष्य: डॉ. अरविंद शर्मा

सोनीपत। सेवा संकल्प अभियान के बीच गोहाना में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा आमजन और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पंगत में बैठे। उनके साथ भोजन किया और संवाद किया। इस दौरान उन्होंने खुद कार्यकर्ताओं को भोजन भी परोसा। भोजन के दौरान संगठन और सरकार की बातों के साथ क्षेत्र और आम लोगों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा यात्रा भी इस संवाद का प्रमुख विषय रही। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन 25 वर्षों में सत्ता को सेवा का माध्यम बनाकर राजनीति में कार्य संस्कृति का नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। गरीब कल्याण से लेकर किसान, महिला और युवा सशक्तीकरण तक सरकार की योजनाओं के केंद्र में सामान्य नागरिक रहा है। डॉ. शर्मा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का भाव भी यही है कि जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता जनता के बीच जाएं, उनके साथ बैठें, उनकी बात सुनें और सरकार की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाएं।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सबकी जिम्मेदारी: निखिल मदान

सोनीपत। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में विधायक निखिल मदान ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने जनता कालोनी वार्ड नं 13 आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों, महिलाओं एवं स्थानीय लोगों से संवाद में कहा कि उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाना सामूहिक जिम्मेदारी है। विधायक निखिल मदान ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र समाज के बच्चों और महिलाओं के कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा तथा महिलाओं एवं परिवारों से संबंधित जागरूकता का कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्गों के साथ खड़े होने और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प है। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

ग्रामीण महिला उद्यमियों के उत्पादों को भी बाजार तक मिले बेहतर पहुंच: राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने वित्तीय संस्थानों से आग्रह करते हुए कहा कि वे ऋण की प्रक्रियाओं को आसान बनाकर, गारंटी (कोलेटरल) की ज़रूरतों को कम करके और हर स्वयं-सहायता समूह व सूक्ष्म-उद्यम को राष्ट्र-निर्माण में भागीदार मानकर ग्रामीण महिला उद्यमियों तक अपनी पहुंच मजबूत करें।

राज्यपाल आज चंडीगढ़ में कॉन्फेडरेशन ऑफ वुमन एंटरप्रेन्योर्स इंडिया द्वारा ग्रामीण जड़ों से जुड़ाव, टेक्नोलॉजी से सशक्तिकरणः महिलाओं के नेतृत्व वाले स्स्स्थ के लिए टिकाऊ भविष्य का निर्माण विषय पर आयोजित विमेंस इंटरनेशनल समिट ऑन एंटरप्रेन्योरशिप 2026 के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष भी विशेष रूप से उपस्थित रही। उन्होंने कहा कि बैंक द्वारा गांवों और छोटे कस्बों

तक अपनी वित्तीय सेवाएँ मज़बूत की जानी चाहिए ताकि वहां की महिला उद्यमियों को संस्थागत ऋण प्राप्त करने के लिए अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। वित्तीय संसाधनों तक पहुँच के साथ-साथ बाजार तक पहुँच को भी समान रूप से महत्वपूर्ण बताते हुए प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि जो महिलाएं अपनी मेहनत और कौशल से बुनाई, खेती, हस्तशिल्प अथवा अन्य उत्पाद तैयार करती हैं, उन्हें डिजिटल और भौतिक दोनों प्रकार के बाजारों तक बेहतर पहुँच मिलनी चाहिए। इससे उनके उत्पादों को उचित मूल्य मिल सकेगा और वे अपने गांवों तथा छोटे कस्बों की सीमाओं से आगे बढ़कर व्यापक ग्राहक वर्ग तक पहुँच बनाने में सक्षम होंगी।

उन्होंने उद्योग संगठनों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से भी आग्रह किया कि वे ग्रामीण महिला उद्यमियों के नेतृत्व वाले स्स्स्थ के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों माध्यमों में विशेष स्थान उपलब्ध कराएँ। उन्होंने ऐसे कौशल विकास कार्यक्रमों में अधिक निवेश की आवश्यकता पर भी बल दिया, जो पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक का समन्वय करें। इनमें स्थानीय हस्तशिल्प के त्व्ह टैगिंग, डिजिटल मार्केटिंग, आधुनिक पैकेजिंग तथा निर्यात संबंधी दस्तावेज तैयार करने जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण शामिल है।

सीएम विंडो पर पहुंची 2.83 लाख शिकायतें, 80 फीसदी का हुआ समाधान

एजेंसी

चंडीगढ़। सीएम विंडो और सोशल मीडिया ग्रीवांस ट्रैकर जन शिकायतों के समाधान का सबसे बड़ा माध्यम बन रहा है। सीएम विंडो पर पहुंची 2.83 लाख शिकायतों में से 80 फीसदी का निपटान किया जा चुका है, जबकि सोशल मीडिया के माध्यम से मिली 1.05 लाख शिकायतों में से भी 83550 का निपटारा हो चुका है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिकायतों के त्वरित निपटान और पेयजल, बिजली व सफाई जैसे सामूहिक कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सीएम विंडो, जनसंवाद, एसएमजीटी (सोशल मीडिया ग्रीवांस ट्रैकर) तथा समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों के समाधान की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों की साप्ताहिक समीक्षा करने के निर्देश दिए। विभागों द्वारा सीएम विंडो पर आई 2.83 लाख में से 2.34 लाख शिकायतों का त्वरित समाधान कर दिया गया है। इसी प्रकार सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री को मिली 105761 में से 83550 शिकायतें भी दूर कर दी गई हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में आमजन की शिकायतों और समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान करवाने के लिए सीएम विंडो, जनसंवाद, एसएमजीटी (सोशल मीडिया ग्रीवांस ट्रैकर) तथा समाधान शिविरों का संचालन किया जाता है। सभी शिकायतें और समस्याएं संबंधित विभागों को भिजवाई जाती हैं और उनसे अपेक्षा की जाती है कि आमजन को राहत देने के लिए इनका समयबद्ध समाधान किया जाए।

हरियाणा में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की गुणवत्ता जांचने के लिए नया निरीक्षण ढांचा लागू

वरिष्ठ इंजीनियरों द्वारा नियमित और अनिवार्य निरीक्षण तय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में चल रही विकास परियोजनाओं और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता को मजबूती देने के लिए एक व्यापक निरीक्षण ढांचा स्वीकृत किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य निर्माण कार्य पूरा होने के बाद नहीं, बल्कि कार्य निष्पादन के दौरान ही कमियों की पहचान कर उन्हें शुरुआती चरण में ही दूर करना है।

क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी, हरियाणा के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी समीर पाल सरों ने बताया कि अथॉरिटी का गठन राज्य सरकार के इंजीनियरिंग कार्यों के लिए एक स्वतंत्र और मजबूत गुणवत्ता आश्वासन तंत्र स्थापित करने के उद्देश्य से किया गया था। उन्होंने जानकारी दी कि अथॉरिटी पहले से ही सड़कों, इमारतों, जल आपूर्ति, सीवरेज, सिंचाई और बिजली पारेषण जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों की परियोजनाओं का ऑडिट और तकनीकी निरीक्षण कर रही है। उन्होंने बताया कि अथॉरिटी द्वारा मंजूर किए गए नए निरीक्षण ढांचे के तहत परियोजनाओं की लागत के आधार पर वरिष्ठ इंजीनियरों द्वारा नियमित और अनिवार्य निरीक्षण तय किए गए हैं। इसके तहत 50 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का इंजीनियर-इन-चीफ (ईआईसी) द्वारा 50 प्रतिशत और 90 प्रतिशत की भौतिक प्रगति होने पर कुल दो बार निरीक्षण किया जाएगा। वहीं 25 करोड़ रुपये या उससे अधिक की परियोजनाओं का निरीक्षण चीफ इंजीनियर (सीई) द्वारा 20, 40, 60 और 80 प्रतिशत की भौतिक प्रगति पर चार बार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 10 करोड़ रुपये या उससे अधिक की लागत वाली परियोजनाओं का निरीक्षण सुपरिटेंडिंग इंजीनियर (एसई) द्वारा 15, 30, 45, 60, 75 और 90 प्रतिशत की भौतिक प्रगति पर कुल छह बार किया जाएगा। पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक प्रोजेक्ट साइट पर एक 'साइट ऑर्डर बुक' रखी जाएगी, जिसमें निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों, तकनीकी निर्देशों और सुधारात्मक उपायों को दर्ज किया जाएगा।

जिला योगासन चैंपियनशिप में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने दिखाया योग कौशल

एजेंसी

नूंह। जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग, नूंह की ओर से जिला स्तरीय योगासन चैंपियनशिप-2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न खंडों से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और योगासन की विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि शशिकांत ने पहुंचकर प्रतिभागियों के प्रदर्शन का अवलोकन किया तथा विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जो व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

जिला खेल अधिकारी भूषण चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन लड़के एवं लड़कियों के लिए तीन आयु वर्गों में किया गया। इनमें 8 से 14 वर्ष, 14 से 18 वर्ष तथा 18 से 28 वर्ष के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में ट्रेडिशनल योगासन, आर्टिस्टिक सिंगल, आर्टिस्टिक पेयर तथा रिदमिक पेयर सहित चार इवेंट आयोजित किए गए। प्रत्येक आयु वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

भूषण चौधरी ने कहा कि योग केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ एवं संतुलित जीवन जीने की वैज्ञानिक पद्धति है। युवाओं को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने राज्य स्तरीय योगासन चैंपियनशिप के लिए चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में निर्णायक मंडल के सदस्य कान्हे राम, देवेंद्र कुमार, अंकित शर्मा, लखमी चंद, बबिता दलाल एवं नीरज रानी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन पर जिला खेल अधिकारी भूषण चौधरी ने सभी प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों एवं निर्णायकों का आभार व्यक्त किया।

नशे से दूर रहकर खेलों से जुड़ें युवा: सांसद कार्तिकेय शर्मा

' देश के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं'

एजेंसी

नूंह। सेवा पर्व के तहत राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा पिनगवां गांव पहुंचे। उन्होंने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने बच्चों एवं युवाओं की खेल प्रतिभा का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें उचित मंच और अवसर उपलब्ध कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से शुरू हुआ सेवा पर्व 17 अक्टूबर तक विभिन्न सेवा गतिविधियों के माध्यम से मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसे देखकर उन्हें प्रसन्नता हुई। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर खेलों एवं रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना

विकसित करते हैं। हरियाणा की पहचान खेलों की नर्सरी के रूप में बनी है और प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि मेवात क्षेत्र में महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए नमो शक्ति रथ संचालित किया जाएगा। यह रथ गांव-गांव पहुंचकर महिलाओं की निःशुल्क कैंसर जांच करेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान और उपचार में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं की खेल प्रतिभा को देखते हुए कार्तिकेय शर्मा ने क्रिकेट के लिए बॉलिंग मशीन तथा 11 क्रिकेट किट उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने क्षेत्र में खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए डी-प्लान के तहत सिफारिश करने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि देश के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियां नई पीढ़ी को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं। सरकार की ओर से खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और प्रोत्साहन से युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ रही है। अंत में उन्होंने सेवा, स्वच्छता, स्वास्थ्य और खेल गतिविधियों के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

तप, संयम और आत्म-अनुशासन ही मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने युवाओं से बाबा श्री चंद जी महाराज के जीवन से आत्म-अनुशासन और गुरु साहिबान से सेवा की प्रेरणा लेने का किया आह्वान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि तप, संयम और आत्म-अनुशासन ही मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। असली विजय किसी दूसरे को हराने में नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, लोभ, अहंकार और नफरत पर विजय पाने में है।मुख्यमंत्री पंजाब के होशियारपुर में प्रथम पातशाह श्री गुरु नानक देव जी के बड़े साहिबजादे बाबा श्री चंद जी महाराज के 532वें प्रकाश पर्व और पूर्णमासी के पावन अवसर पर आयोजित 'सर्वधर्म सम्मेलन' को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पधारे संतों और धर्माचार्यों का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग-अलग धर्मों की उपासना पद्धतियां, प्रार्थना के तरीके, वेशभूषा और भाषाएं भले ही भिन्न हो सकती हैं, लेकिन सबकी मंजिल एक ही है। मनुष्य के भीतर प्रेम जगाना, अहंकार को मिटाना,

दुखी की सेवा करना और परमात्मा से जुड़ना है। यह सर्वधर्म सम्मेलन पंजाब की उस महान संस्कृति का जीवंत संदेश है जो दिलों को जोड़ती है और मानवता को सर्वोपरि रखती है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बाबा श्री चंद जी महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्ष 1494 में जन्मे बाबा श्री चंद जी का जीवन वैराग्य, तप और साधना की अद्भुत मिसाल है। संतों ने कठिन दौर में धार्मिक स्थलों की सेवा-संभाल करने के साथ-साथ श्री गुरु नानक देव जी के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में अमूल्य योगदान दिया।मुख्यमंत्री ने श्री गुरु नानक देव जी की 16वीं पीढ़ी के वंशज और कार्यक्रम के आयोजक श्रद्धेय बाबा सुखदेव सिंह बेदी जी का धन्यवाद व्यक्त किया, जिन्होंने इस पावन प्रकाश पर्व को सर्वधर्म सम्मेलन से जोड़कर सर्व-समाज को एक मंच पर लाने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा और पंजाब केवल भौगोलिक रूप से ही पास नहीं हैं, बल्कि दोनों प्रदेशों की सभ्यता, संस्कृति और संतों की विरासत भी साझी है। हरियाणा की पावन धरती पर कुरुक्षेत्र, पिहोवा, कैथल, जींद, सिरसा और अंबाला जैसे अनेक स्थलों पर गुरु परंपरा और उदासी संतों की पावन स्मृतियां आज भी जीवंत हैं। पंजाब की धरा पर उन्हें सदैव अपनेपन और भाईचारे का अनुभव होता है।मुख्यमंत्री ने चिंता व्यक्त की कि आज नशा, हिंसा, तनाव और भटकाव युवा शक्ति को कमजोर कर रहे हैं।

सांसद मनीष तिवारी ने पीएचडीसीसीआई के 12वें इन्स-आउट एक्सपो का किया उद्घाटन

एजेंसी

चंडीगढ़। पीएचडी चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित 12वें इन्स-आउट एक्सपो का उद्घाटन चंडीगढ़ के सेक्टर 17 स्थित परेड ग्राउंड में सांसद मनीष तिवारी ने किया। 25 से 28 सितंबर तक चलने वाली इस चार दिवसीय प्रदर्शनी में आर्किटेक्चर, कंस्ट्रक्शन, रियल एस्टेट, इंटीरियर डिज़ाइन, टेक्नोलॉजी और ऑटोमेशन के क्षेत्र में हुए नवीनतम विकास को प्रदर्शित किया जा रहा है।चंडीगढ़ से सांसद तिवारी ने मुख्य अतिथि के तौर पर उद्घाटन समारोह में भाग लेकर प्रदर्शनी का दौरा किया। उद्घाटन सत्र में पीएचडीसीसीआई के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल नवीन सेठ ने शुरुआती संबोधन दिया, जबकि चंडीगढ़ चैप्टर के चेयरमैन रजनीश बंसल ने स्वागत भाषण दिया और 12वें इन्स-आउट एक्सपो के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी प्रमुख कंपनियों, आर्किटेक्ट्स, डिज़ाइनरों और इंडस्ट्री के पेशेवरों को एक मंच पर लाती है, जिससे इनोवेशन, सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान का अवसर मिलता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद तिवारी ने 'द सिटी ब्यूटीफुल' के रूप में चंडीगढ़ की वैश्विक पहचान को रेखांकित किया और इसे आधुनिक शहरी नियोजन और आर्किटेक्चर का एक बेहतरीन उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि मशहूर आर्किटेक्ट ली कॉर्बुजिए द्वारा डिज़ाइन किया गया चंडीगढ़, आज़ाद भारत की प्रगति, आधुनिकता और नियोजित विकास की सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ अपने रचनाकारों द्वारा परिकल्पित सुंदरता और डिज़ाइन के सिद्धांतों को बनाए रखते हुए आर्किटेक्चर के क्षेत्र में लगातार विकसित होता रहेगा। चौथी औद्योगिक क्रांति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज क्रिएटिविटी तेज़ी से विकास, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और डिज़ाइन के नए तरीकों से आकार ले रही है।

महिंद्रा एसयूवी फिर हो सकती है महंगी

- जिंसों की कीमतों में उछाल के कारण अगले दो सप्ताह में हो सकता है फैसला

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख वाहन निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) अपने एसयूवी ग्राहकों को एक बार फिर झटका दे सकती है। कंपनी ने जिंसों की बढ़ती लागत के मद्देनजर अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की कीमतों में एक और वृद्धि करने का संकेत दिया है। अगले दो सप्ताह में इस पर अंतिम फैसला होने की उम्मीद है। महिंद्रा ऑटोमोटिव के एक अे धिकारी ने बताया कि इस साल कंपनी पहले ही जनवरी, अप्रैल और जुलाई में तीन बार कीमतें बढ़ा चुकी है। जुलाई में एसयूवी की कीमतों में लगभग 2.7 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। हालांकि पिछली बढ़ोतरीयों का ग्राहकों की पूछताछ या बुकिंग पर कोई खास असर नहीं पड़ा है, क्योंकि वाहन अभी भी जीएसटी कटौती से पहले की तुलना में कम कीमत पर उपलब्ध हैं, जिससे बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है। त्योहारी सीजन में भी बेहतर मांग की उम्मीद है। कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की भी योजना बना रही है। वर्तमान में 60,000 पारंपरिक और 8,000 इलेक्ट्रिक वाहन प्रति माह की क्षमता है, जिसे मार्च-अप्रैल तक बढ़ाकर क्रमशः 70,000 और 12,000 यूनिट किया जाएगा। अे धिकारी ने यह भी बताया कि कंपनी का मुख्य ध्यान इलेक्ट्रिक वाहनों पर है और अगले छह महीनों में कई अपडेटेड और दो नए मॉडल बाजार में उतारे जाएंगे।

फुजियामा मप्र के रतलाम में 1.2 गीगावाट सौर सेल संयंत्र लगाएगी

कंपनी 350-400 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नई दिल्ली ।

सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता फुजियामा पावर सिस्टम्स मध्य प्रदेश के रतलाम में 1.2 गीगावाट क्षमता का एक अत्याधुनिक सौर सेल विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। लगभग 350 से 400 करोड़ रुपये के निवेश से बन रहा यह संयंत्र कंपनी की 2030 तक एक एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी बनने की महत्वाकांक्षी योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फुजियामा पावर सिस्टम्स के एक अे धिकारी ने बताया कि प्रस्तावित नई परियोजना में उन्नत टॉपकॉन प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाएगा, जो पारंपरिक पीईआरसी तकनीक की तुलना में अधिक कुशल है। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक यहां सौर सेल का उत्पादन शुरू हो जाएगा। इस संयंत्र के शुरू होने के बाद, फुजियामा की कुल सौर सेल विनिर्माण क्षमता बढ़कर 2.3 गीगावाट हो जाएगी। वर्तमान में कंपनी उत्तर प्रदेश के दादरी में 1.1 गीगावाट क्षमता का सेल संयंत्र संचालित करती है। कंपनी की 2030 की रूपरेखा में आगे चलकर इंगट और वेफर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना भी शामिल है। इसका उद्देश्य सौर मॉड्यूल निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल की लागत कम करना और घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना है। फुजियामा की कुल सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 3.6 गीगीवाट है। यह विस्तार सरकार की मॉडल और विनिर्माताओं की अनुमोदित सूची पहल के अनुरूप भी है, जो घरेलू विनिर्माण और उपकरणों की गुणवत्ता को बढ़ावा देती है।

पेट्रोनेट के निदेशकों को पांच साल और मिलेगा मुनाफे में एक फीसदी कमीशन

व्यवस्था 2026-27 से 2030-31 तक जारी रहेगी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी गैस आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने अपने निदेशकों को मुनाफे के आधार पर कमीशन देने की मौजूदा व्यवस्था को वित्त वर्ष 2026-27 से अगले पांच साल (2030-31 तक) जारी रखने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी है। कंपनी के आगामी आम बैठक के नोटिस के अनुसार यह प्रस्ताव 2026-27 से 2030-31 तक प्रभावी रहेगा। इसके तहत निदेशकों को सालाना मुनाफे का अधिकतम एक प्रतिशत कमीशन दिया जा सकेगा, जिसका वितरण निदेशक मंडल तय करेगा। यह व्यवस्था सितंबर 2021 में मंजूर हुई पिछली योजना का विस्तार है, जिसे 2007 से ही कई बार मंजूरी मिलती रही है। कंपनी ने अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति को इस व्यवस्था को जारी रखने का आधार बताया है। उसने स्पष्ट किया कि वास्तविक रूप से दिया गया कमीशन वैधानिक सीमा से काफी कम रहा है और कंपनी अधिनियम 2013 में निर्धारित कुल सीमा के भीतर है। वित्त वर्ष 2025-26 में प्रबंध निदेशक को 26.5 लाख रुपये और स्वतंत्र निदेशकों को 10 लाख रुपये का कमीशन मिला था। वित्त वर्ष 2025-26 में पेट्रोनेट एलएनजी का मुनाफा 3,843 करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि इंडियन ऑयल, गेल, ओएनजीसी और बीपीसीएल जैसे सार्वजनिक उपक्रमों की बड़ी हिस्सेदारी होने के बावजूद, पेट्रोनेट एक निजी कंपनी के रूप में पंजीकृत है। इस कारण यह सीवीसी, कैग और आरटीआई के दायरे में नहीं आती, और इसके कार्यकारियों को अन्य पीएसयू की तुलना में अधिक वेतन तथा 65 वर्ष की सेवानिवृत्ति आयु मिलती है।

भू-राजनीतिक घटनाक्रम, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

घरेलू मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन और पीएमआई आंकड़े करेंगे प्रभावित

नई दिल्ली ।

आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए कम कारोबारी सत्रों वाला रहेगा, लेकिन निवेशकों की नजर वैश्विक और घरेलू दोनों मोर्चों पर महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर टिकी रहेगी। भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं, जबकि घरेलू मोर्चे पर आर्थिक आंकड़े अहम रहेंगे। शुक्रवार, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर शेयर बाजार में अवकाश रहेगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच संभावित राजनयिक वार्ता और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों पर सीधा असर डालेगी। ऊर्जा कीमतों में गिरावट भारत के आयात बिल को कम कर सकती है और रुपये को सहारा दे सकती है, जबकि तनाव बढ़ने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। बाजार के` विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रेंट कच्चे तेल का 105-106 डॉलर प्रति बैरल पर बने रहना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी भी चिंता का विषय है, इसलिए इस मोर्चे पर कोई भी राहत बाजार के लिए सकारात्मक होगी। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के हालिया नीतिगत फैसलों के बाद वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल की चाल भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी। प्रतिफल में वृद्धि और डॉलर की मजबूती उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का कारण बन सकती है, जिससे भारतीय बाजार पर भी दबाव बढ़ेगा।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां और रुपये की डॉलर के मुकाबले चाल पर भी पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल के आयात के लिए डॉलर की मांग रुपये पर दबाव बना सकती है। घरेलू मोर्चे पर, अगस्त के औद्योगिक उत्पादनके आंकड़े और एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई बाजार को नई दिशा देंगे। इसके अतिरिक्त, मासिक वाहन बिक्री के आंकड़े और केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे पर भी निवेशकों की निगाहें रहेंगी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी उपभोक्ता भरोसा और यूरो क्षेत्र की सितंबर मुद्रास्फीति के आंकड़े भी ब्याज दर को लेकर वैश्विक धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। कुल मिलाकर यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण आर्थिक और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से भरा रहेगा, जिससे बाजार में सावधानी और उतार-चढ़ाव दोनों देखने को मिल सकते हैं।

त्योहारी सीजन से पहले महंगा होगा इलेक्ट्रॉनिक्स, 8 फीसदी तक बढ़ेंगे दाम

कच्चे माल की बढ़ती लागत और ढुलाई शुल्क बना वजह

नई दिल्ली । त्योहारी सीजन शुरू होने से ठीक पहले उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका लगने वाला है। एयर कंडीशनर (एसी), एलईडी टीवी, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामानों के दाम 3 से 8 फीसदी तक बढ़ेंगे। कंपनियों ने कच्चे माल और माल ढुलाई की बढ़ती लागत को इसकी मुख्य वजह बताया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार यह इस साल तीसरी बार होगा जब कई कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाएंगी। एसी की कीमतों में 5 से 8 फीसदी की वृद्धि संभव है, जबकि वॉशिंग मशीन, फ्रिज और एलईडी टीवी 3 से 4 फीसदी तक महंगे हो सकते हैं। कुछ कंपनियां पहले ही दाम बढ़ा चुकी हैं। कंपनियों के मुताबिक, तांबा, एल्युमिनियम, स्टील, प्लास्टिक और कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर माल ढुलाई महंगी होने तथा विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव ने भी उत्पादन लागत बढ़ाई है। हायर इंडिया 1 अक्टूबर से एसी की कीमत में 5 फीसदी की वृद्धि कर सकता है। वही डाइकिन 16 सितंबर से ही 8-10 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स भी अक्टूबर के बाद टीवी की कीमतें 7 फीसदी तक बढ़ाएगा। त्योहारी सीजन, नवरात्रि से दिवाली तक, इलेक्ट्रॉनिक्स की सालाना बिक्री का 30-40 फीसदी हिस्सा होता है। ऐसे में कंपनियों के सामने कीमतों में बढ़ोतरी और उपभोक्ता मांग बनाए रखने की चुनौती है। हालांकि, बाजार में कुछ समय तक पुराने दाम पर खरीदा गया स्टॉक उपलब्ध रह सकता है, जिससे कुछ उत्पादों पर दिवाली तक राहत मिलने की उम्मीद है।

बैंक हड़ताल के तीन दिन एटीएम से फ्री ट्रांजेक्शन

- 28 से 30 सितंबर तक एटीएम ट्रांजेक्शन पर लगने वाला अतिरिक्त शुल्क माफ

नई दिल्ली देशभर में 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल से पहले ग्राहकों के लिए एक अहम राहत की खबर सामने आई है। सरकारी बैंकों ने हड़ताल के दौरान एटीएम से नकदी निकालने पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को माफ करने का फैसला किया है। अब इन तीन दिनों में ग्राहक मुफ्त एटीएम ट्रांजेक्शन की निर्धारित सीमा से अधिक बार भी बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के नकदी निकाल सकेंगे, जिससे हड़ताल के कारण होने वाली असुविधा कुछ कम होगी। सरकारी बैंकों का राहत भरा ऐलान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक जैसे प्रमुख सरकारी बैंकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस फैसले की घोषणा की है। उन्होंने अपने आधिकारिक पेजों पर पोस्ट कर ग्राहकों को सूचित किया है। इसका सीधा मतलब है कि ग्राहक अपनी बैंक के एटीएम के अलावा किसी अन्य बैंक के एटीएम से भी तय मुफ्त सीमा से अधिक बार नकदी निकालने पर अब अतिरिक्त शुल्क नहीं देंगे, जो सामान्य परिस्थितियों में वसूला जाता है। सामान्य एटीएम नियमों में मिली छूट सामान्य तौर पर भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, ग्राहक अपने बैंक के एटीएम से हर महीने 5 बार मुफ्त ट्रांजेक्शन कर सकते हैं। वहीं, दूसरे बैंक के एटीएम ऱ्से बड़े शहरों में 3 बार और अन्य जगहों पर 5 बार तक मुफ्त निकासी की सुविधा होती है। इस सीमा से अधिक बार एटीएम इस्तेमाल करने पर बैंक अतिरिक्त शुल्क वसूलते हैं।

खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में कटौती का बड़ा असर, दाम में गिरावट

सरसों में सुधार जारी, मूंगफली-सोयाबीन-पाम समेत अधिकांश तेलों की कीमतें लुढ़कीं

नई दिल्ली

आगामी त्योहारों से पहले उपभोक्ताओं को राहत देते हुए बीते सप्ताह सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटाने का बड़ा फैसला लिया। इस कदम का व्यापक असर बाजार पर दिखा, जिससे अधिकांश प्रमुख तेल-तिलहनों की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सरकार के शुल्क कटौती के बाद मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, पाम-पामोलीन और बिनौला की कीमतों में गिरावट देखी गई। हालांकि, सरसों तेल-तिलहन इस प्रवृत्ति से अछूता रहा। इसकी सीमित आवक और निरंतर मांग के चलते बीते सप्ताह इसके दामों में सुधार दर्ज हुआ, क्योंकि इसका कोई सीधा विकल्प बाजार में उपलब्ध नहीं है। सोयाबीन डीगम तेल में एक दिलचस्प स्थिति दिखी; गिरावट के बावजूद इसमें सुधार का आभास हुआ। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि शुल्क घटने के बाद आयातकों को इसे पहले के मुकाबले कम घाटे पर (लागत से 3-4 रुपये नीचे) बेचना पड़ रहा है, जबकि पूर्व में यह लागत से 10-11 रुपये नीचे बिक रहा था। इस स्थिति से संकेत मिलता है कि बैंकों का धन अभी भी नुकसान में है। उपलब्धता सुधारने और कीमतों पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार ने सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क 16.5 फीसदी से घटाकर 5.5 फीसदी किया, जिससे प्रति किलो 14.80 रुपये की कमी आई। सोयाबीन डीगम और कच्चे पाम तेल (सीपीओ) पर भी शुल्क 16.5 फीसदी से घटाकर 11 फीसदी किया गया, जिससे क्रमशः 6.75 रुपये और 6.50 रुपये प्रति किलो की राहत मिली। सूरजमुखी पर भारी कमी के चलते मूंगफली तेल में भी गिरावट आई, जबकि बिनौला तेल नई फसल की आवक और शुल्क कटौती के दोहरे असर से नरम हुआ। बीते सप्ताह सरसों दाना 100 रुपये के सुधार के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 250 रुपये के सुधार के साथ 16,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,725-2,825 रुपये और 2,725-2,875 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 100-200 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,950-6,000 रुपये और 5,700-5,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,150 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 14,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सोयाबीन डीगम तेल 450 रुपये सुधार के साथ 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 7,550-8,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 525 रुपये की गिरावट के साथ 13,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,500 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 300 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आयुष सेवा क्षेत्र 2047 तक 318 अरब डॉलर पहुंचने की संभावना- रिपोर्ट

वित्त वर्ष 25 में 37 अरब डॉलर योगदान का अनुमान

नई दिल्ली ।

आयुष सेवा क्षेत्र देश के सबसे तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्रों में शुमार हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में इसका आर्थिक योगदान लगभग 36.92 अरब अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान है, जो 2047 तक 216 से 318 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह क्षेत्र प्रत्यक्ष रूप से करीब 17.6 लाख लोगों को आजीविका प्रदान कर रहा है, जो इसकी बढ़ती महत्ता को दर्शाता है। रिसर्च एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस) की अध्ययन रिपोर्ट, जो नागपुर में 11वें आयुर्वेद दिवस पर जारी की गई, बताती है कि वित्त वर्ष 2022-23 के बाद से आयुष क्षेत्र सालाना 16.91 प्रतिशत की प्रभावशाली दर से बढ़ रहा है। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि ये निष्कर्ष आयुष क्षेत्र की बढ़ती आर्थिक क्षमता को दर्शाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आयुष अब केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य, वेलनेस, रोजगार और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला एक तेजी से विकसित होता क्षेत्र बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 में चिकित्सा मूल्य यात्रा (एमवीटी) से भी लगभग 1.77 अरब डॉलर का राजस्व अर्जित किया गया। आरआईएस के एक अे धिकारी ने बताया कि यह अध्ययन सभी छह आयुष प्रणालियों से जुड़े 15,914 प्रतिष्ठानों के सर्वेक्षण पर आधारित था। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र अब अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण और ज्ञान-आधारित सेवा क्षेत्र बन चुका है। आयुष की विभिन्न

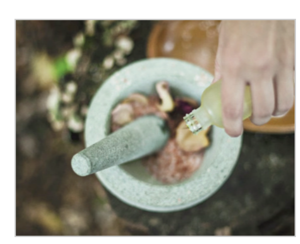

प्रणालियों में, आयुर्वेद सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा, जिसने 2024-25 में कुल आयुष राजस्व का लगभग 48 प्रतिशत का योगदान दिया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आयुष कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 43 प्रतिशत है।

टाटा मोटर्स पीवी को घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी 15 फीसदी पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी जल्द 15 प्रतिशत के पार पहुंचने की उम्मीद है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2030-31 तक 20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य भी रखा है, जो उसकी आक्रामक विस्तार योजना का हिस्सा है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि यात्री वाहन कारोबार पिछले एक साल में करीब 40 प्रतिशत बढ़ा है। सितंबर अंत तक कंपनी की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक रहने की उम्मीद है। अे धिकारी के अनुसार कंपनी दोहरे अंक में वृद्धि के साथ-साथ टिकाऊ और शून्य-उत्सर्जन वाले पावरट्रेन में अग्रणी बनने पर केंद्रित है। 20 प्रतिशत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, कंपनी नए वाहन खंडों में प्रवेश करेगी, मौजूदा उत्पादों में तेजी से बदलाव करेगी और ग्राहकों के लिए नए विकल्प पेश करेगी। उन्होंने कहा कि टाटा मोटर्स बदलते आय वर्ग और ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप उत्पाद पेश करने पर जोर देगी, विशेषकर इलेक्ट्रिक और सीएनजी जैसे तेजी से बढ़ते पावरट्रेन सेगमेंट में। कंपनी भविष्य में बहु-उद्देश्यीय वाहन और कुछ नए लाइफस्टाइल एसयूवी खंडों में भी प्रवेश कर सकती है।

एसबीआई का लक्ष्य 2030 तक 200 लाख करोड़ का कारोबार

डिजिटल फर्स्ट, कस्टमर फर्स्ट, नेशन ऑलवेज विजन, ग्राहकों की सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बैंक की वृद्धि यात्रा का मूल मंत्र डिजिटल फर्स्ट, कस्टमर फर्स्ट, नेशन ऑलवेज बताते हुए कहा कि बैंक का लक्ष्य 2030 तक अपना कुल कारोबार दोगुना कर 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। उन्होंने डिजिटल प्रौद्योगिकी के विस्तार के साथ ग्राहकों के हितों की रक्षा और देश की अर्थव्यवस्था में भूमिका को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में, बैंक ने पूंजी आधार मजबूत करने, वित्तीय क्षेत्र में अपनी भूमिका गहरी करने और डिजिटल-ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग व्यवस्था विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अपने कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों में पूंजी जुटाना, एसबीआई म्यूचुअल फंड की सूचीबद्धता और यस बैंक मामले में रणनीतिक भूमिका को गिनाया। उन्होंने कहा कि एसबीआई के लिए डिजिटल बदलाव केवल प्रौद्योगिकी अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्राहकों की सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता और डिजिटल जागरूकता भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जोर दिया कि बैंकिंग को लेन-देन से परे ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंध और बेहतर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित होना चाहिए। एसबीआई पिछले सात दशकों से देश की वास्तविक अर्थव्यवस्था को समर्थन दे रहा है और पारंपरिक संबंध-आधारित बैंकिंग को डिजिटल नवोन्मेषण से जोड़कर यह यात्रा जारी रखेगा। शेट्टी ने अनुमान जताया कि 2030 तक बैंक का कुल कारोबार 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जबकि जून 2026 के अंत तक यह 110.01 लाख करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, बैंक ने अपनी प्लैटिनम जुबली के लिए कोई औपचारिक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है।

कार्स24 भारत में आईपीओ की तैयारी में, रिवर्स फ्लिप होगा निर्णायक कदम

सिंगापुर से भारतीय पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले साल तक दाखिल होंगे दस्तावेज

नई दिल्ली ।

पुरानी कारों की ऑनलाइन बिक्री का अग्रणी मंच कार्स24, भारतीय शेयर बाजार में अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने की दिशा में अग्रसर है। कंपनी अपनी मुख्य कॉरपोरेट संरचना को सिंगापुर से भारत स्थानांतरित करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया रिवर्स फ्लिप पूरी होने के बाद अगले साल अप्रैल तक आईपीओ के लिए मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल करने की पात्र हो सकती है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार, कार्स24 को सिंगापुर से 'रिवर्स फ्लिप' के लिए मंजूरी मिल चुकी है और अब भारत में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब छह से नौ महीने लगने का अनुमान है, जिससे यह अगले साल अप्रैल तक पूरी हो सकती है। इसके बाद कंपनी भारत में आईपीओ दस्तावेज दाखिल करेगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी, कीमत निर्धारण और बुक-बिल्डिंग जैसी प्रक्रियाओं में तीन से चार महीने और लग सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईपीओ का प्राथमिक उद्देश्य तत्काल नकदी जुटाना नहीं है, क्योंकि कंपनी के पास पर्याप्त पूंजी है (पिछला मूल्यांकन 2022 में 3.3 अरब डॉलर था)। मुख्य लक्ष्य भारत में छोटे शहरों तक पहुंच बढ़ाकर 25 से 200 शहरों तक विस्तार करना और कारोबार को 50,000 कारों तक बढ़ाना है।

साथ ही, यह खाड़ी क्षेत्र और ऑस्ट्रेलिया जैसे नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार के लिए पूंजी तैयार करेगा। आईपीओ मौजूदा शेयरधारकों और कर्मचारियों को तरलता प्रदान करने तथा कंपनी के संचालन को वैध ठहराने का भी एक माध्यम होगा।

अमेजन-फ्लिपकार्ट-जियोमार्ट को लगा झटका, हर्बीसाइड बेचने पर 10-10 लाख का जुर्माना

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की कार्रवाई

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स दिग्गज कंपनी अमेजन, फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर बड़ी कार्रवाई कर दी है। इन तीनों प्लेटफॉर्म को बिना पंजीकरण वाले कृषि-रसायन साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड को बेचने और विज्ञापित करने के आरोप में भारी जुर्माना ठोका गया है। अमेजन और फ्लिपकार्ट पर 10-10 लाख, जबकि जियोमार्ट पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिससे ऑनलाइन खरीदारों के बीच हड़कंप मचा है। सीसीपीए के आदेश रिकॉर्ड के मुताबिक, अमेजन पर 16 सितंबर 2026 को, जबकि फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर 22 सितंबर 2026 को यह आदेश जारी किया है।सीसीपीए ने यह कार्रवाई तब की गई जब जांच में सामने आया कि ये प्लेटफॉर्म साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड नाम के उत्पाद की बिक्री कर रहे थे, जिसमें सक्रिय रासायनिक तत्व और उसकी सामग्री की विस्तृत जानकारी नहीं थी। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने सीसीपीए को सूचित किया कि साइक्लोसिनोन नामक कोई रसायन कीटनाशक अधिनियम, 1968 की अनुसूची में शामिल नहीं है। इस स्थिति ने इस रसायन के विपणन और बिक्री के लिए आवश्यक जांच और अनुमोदन प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। पूरे मामले की शुरुआत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्राप्त शिकायत से हुई थी, जो क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आई थी। जांच में साफ हुआ कि कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों जैसे कृषि-रसायनों की बिक्री और उपयोग के लिए देश में सख्त कानूनी नियम हैं, जिनका इन ऑनलाइन लिस्टिंग में पालन नहीं हुआ। सीसीपीए ने अपनी जांच में पाया कि साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड की ऑनलाइन लिस्टिंग में अनिवार्य जानकारी का अभाव था, जो उपभोक्ता सुरक्षा और नियामक मानदंडों का उल्लंघन है।सीसीपीए के आदेश में विशेष रूप से अमेजन के डेटा का उल्लेख किया है, जिसके अनुसार प्लेटफॉर्म पर अब तक साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड के 38,410 ऑर्डर हुए थे और कुल 43,634 इकाइयाँ बेची गईं, जिनकी कुल बिक्री कीमत 96.42 लाख रुपये थी।

इस सप्ताह 7 कंपनियों के शेयर होंगे एक्स-डिविडेंड, शेयरधारकों को तगड़ा लाभांश

आर सिस्टम्स इंटरनेशनल 8 रुपए प्रति शेयर के साथ सबसे आगे

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में निवेशकों के लिए इस सप्ताह एक अच्छी खबर है, क्योंकि कुल सात कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) देने जा रही हैं। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, इन कंपनियों के शेयर 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच एक्स-डिविडेंड होंगे, जिसका अर्थ है कि इन तारीखों के बाद शेयर खरीदने वालों को घोषित लाभांश का लाभ नहीं मिलेगा। यह लाभांश शेयरधारकों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत बनेगा। इन कंपनियों में स्टील, गैस, आईटी सर्विसेज, टेक्सटाइल और वित्तीय सेवा क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। प्रति शेयर डिविडेंड के लिहाज से आर सिस्टम्स इंटरनेशनल सबसे आगे है, जो 8 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देगी। आगामी सप्ताह की शुरुआत 29 सितंबर को लियो ड्रायफ्रूट्स ऐंड स्पाइसेज ट्रेडिंग लिमिटेड के साथ होगी। इस कंपनी के शेयर शुक्रवार को एक्स-डिविडेंड होंगे। कंपनी ने 0.50 रुपए प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की घोषणा की है, और इसकी रिकॉर्ड डेट भी 29 सितंबर तय की गई है। शनिवार, 30 सितंबर को दो कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) शामिल है, जो अपने शेयरधारकों को 2.35 रुपए प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देगी। सेल की रिकॉर्ड डेट भी 30 सितंबर है। इसी दिन सरस्वती साड़ी डिपो लिमिटेड के शेयर भी एक्स-डिविडेंड होंगे। इस कंपनी ने 3 रुपए प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है, जिसकी रिकॉर्ड डेट 30 सितंबर निर्धारित है। अगले सप्ताह का सबसे महत्वपूर्ण दिन 1 अक्टूबर होगा, क्योंकि इस दिन चार कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। इनमें गोयनका बिजनेस ऐंड फाइनेंस लिमिटेड, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल), आर सिस्टम्स इंटरनेशनल लिमिटेड और सैनिक फाइनेंस ऐंड इंडस्ट्रीस लिमिटेड शामिल हैं। गोयनका बिजनेस ऐंड फाइनेंस 0.50 रुपए प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देगी, हालांकि इसकी रिकॉर्ड डेट 2 अक्टूबर है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान: पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने 27 सितंबर का विशाल मार्च स्थगित किया

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने इस्लामाबाद तक अपने विरोध मार्च को चार अक्टूबर तक स्थगित करने का फैसला किया है. पार्टी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पार्टी संस्थापक खान की रिहाई के लिए सरकार पर दबाव बनाने के उद्देश्य से 27 सितंबर को राजधानी की ओर विशाल मार्च निकालने की घोषणा की थी. हालांकि, सरकार की ओर से विरोध प्रदर्शन रोकने के लिए उठाए गए कड़े कदमों के कारण पार्टी ने इसे टालने का फैसला किया. इमरान खान (73) को भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 2023 में गिरफ्तार किया गया था. वह रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में बंद हैं. पार्टी सूत्रों ने बताया कि विरोध प्रदर्शन स्थगित करने का फैसला एक बैठक में लिया गया और इसकी औपचारिक घोषणा खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी करेंगे. सूत्र ने कहा, 'विरोध प्रदर्शन 27 सितंबर के बजाय चार अक्टूबर को शुरू किया जाएगा.' इससे पहले दिन में अफरीदी ने पेशावर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि सड़कें बंद किए जाने और अन्य उपायों के बावजूद इस्लामाबाद के लिए प्रस्तावित लंबा मार्च जारी रहेगा. पीटीआई पार्टी नीत खैबर पख्तूनख्वा सरकार का नेतृत्व कर रहे अफरीदी ने कहा, 'हमारा विशाल मार्च निश्चित रूप से होगा. इस बार हम निश्चित रूप से बाहर निकलेंगे।

जयशंकर का पाकिस्तानी पत्रकार पर तंज :कहा- अब आतंकी देश मुझसे सवाल पूछेगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को एक पाकिस्तानी रिपोर्टर पर तंज कसा। रिपोर्टर ने भारत पर पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। इस पर जयशंकर ने कहा, 'एक आतंकवादी देश मुझसे यह सवाल पूछ रहा है।' रिपोर्टर के सवाल का जवाब देने के बाद वे मुस्कुराए और वहां से निकल गए। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस दौरान भारत की विदेश नीति, वैश्विक सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई पर बातचीत हो रही थी। इससे पहले दिसंबर 2022 में न्यूयॉर्क में एक पाकिस्तानी पत्रकार ने जयशंकर से पूछा था कि दक्षिण एशिया आखिर कब तक भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से जुड़े आतंकवाद का सामना करता रहेगा।

गंडक नदी में तेजी से बढ़ रहा पानी, नेपाल में भारी बारिश की चेतावनी के बाद निचले इलाकों में अलर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार से रविवार तक देश के कई हिस्सों में अत्यधिक बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके चलते कोसी बैराज और गंडक नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आपदा की आशंका को देखते हुए नेपाली सेना और पुलिस ने तटीय इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया है। नेपाल के तराई क्षेत्रों और बिहार के बगहा इलाके में पिछले 24 घंटे से बारिश जारी है। लगातार बारिश के कारण गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। निचले इलाकों में रहने वाले ग्रामीण नदी के बहाव पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। बारिश का दौर जारी रहने से तटीय बस्तियों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। कोसी बैराज में पानी का बहाव अत्यधिक बढ़ने के बाद 31 गेट खोल दिए गए हैं। सुनसरी के प्रमुख अधिकारी ईश्वरी प्रसाद अर्याल के अनुसार 240000 क्यूसेक पानी दर्ज हुआ है। हालांकि स्थिति अभी नियंत्रण में है और कोसी पुल पर यातायात नहीं रोका गया है। जलस्तर में और इजाफा होने पर स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक फैसले लिए जाएंगे। भारी बारिश के चलते धाडिंग जिले में भूस्खलन से पृथ्वी राजमार्ग सात स्थानों पर प्रभावित हुआ है। कृष्णभीर और तिग्रांग खोला में सड़क पूरी तरह बंद हो गई है और मलबा हटाया जा रहा है। चितवन जिले में नारायणगढ़-मुगलिन सड़क को भी खतरे के कारण बंद कर दिया गया है। राजमार्गों पर यातायात बाधित होने से लोगों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई अचानक बाढ़ में भारी तबाही हुई थी। उस विनाशकारी आपदा में 1450 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5600 लोग लापता हैं।

अमेरिका के 22 राज्यों ने 1,00,000 डॉलर की एच-1बी फीस का विरोध किया

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के 22 अटॉर्नी जनरल के एक समूह ने ट्रंप प्रशासन के उस प्रस्ताव का विरोध किया है, जिसमें कुछ एच-1बी वीजा याचिकाओं पर 100,000 डॉलर से ज्यादा की फीस लगाने की बात कही गई है। उनका तर्क है कि यह कदम गैर-कानूनी है और इससे शिक्षकों, डॉक्टरों और नर्सों की कमी और बढ़ जाएगी। यह उन भारतीय प्रोफेशनल्स और अमेरिकी कंपनियों के लिए एक बड़ी चुनौती है जो बहुत कुशल कर्मचारियों को काम पर रखने के लिए एच-1बी प्रोग्राम पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। वर्जीनिया के अटॉर्नी जनरल जे जोन्स ने एक औपचारिक कमेंट लेटर दाखिल करने के लिए गठबंधन में शामिल होकर यूएस सिटीजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) से प्रस्तावित नियम को वापस लेने की मांग की।

एजेंसी ने 25 अगस्त को प्रस्तावित नियम बनाने का नोटिस जारी किया था। इससे उन एम्प्लॉयर्स द्वारा दायर याचिकाओं पर 103,265 डॉलर का शुल्क लगेगा जिन्हें सालाना एच-1बी वीजा कैप से छूट प्राप्त नहीं हैं। अटॉर्नी जनरल्स ने प्रस्तावित शुल्क को टैक्स बताया। उन्होंने तर्क दिया कि एग्जीक्यूटिव ब्रांच कांग्रेस की मंजूरी के बिना ऐसा टैक्स नहीं लगा सकती।

गठबंधन ने यह भी कहा कि यह नियम इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट के तहत यूएससीआईएस के अधिकार क्षेत्र से बाहर होगा और एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसीजर एक्ट का उल्लंघन करेगा। अटॉर्नी जनरल्स के अनुसार, प्रशासन उस बोझ को सही ठहराने में विफल रहा है जो प्रस्तावित शुल्क राज्यों पर डालेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यूएससीआईएस ने कम नुकसानदायक विकल्पों पर पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया। गठबंधन ने 30-दिन के पब्लिक कमेंट पीरियड पर एतराज जताया, और इसे बहुत कम और ठीक नहीं बताया।

अटॉर्नी जनरल्स ने कहा कि प्रस्तावित शुल्क से राज्य और स्थानीय संस्थानों के लिए कुशल विदेशी प्रोफेशनल्स को काम पर रखना और मुश्किल हो सकता है। उन्होंने प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य जरूरी सेवाओं में कमी का हवाला दिया। जोन्स ने कहा, 'इस श्रेणी के लोग कागजों पर सिर्फ नाम नहीं हैं, वे हमारे शिक्षक, डॉक्टर, नर्स, देखभाल करने वाले और बहुत कुछ हैं। वे हमारे पड़ोसी, दोस्त और परिवार हैं।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने यहां आने और 'अमेरिकन ड्रीम' का हिस्सा बनने के लिए हर फॉर्म भरा है और सरकार की हर मांग को पूरा किया है। '

जोन्स ने प्रशासन पर समुदायों और सार्वजनिक सेवाओं पर पड़ने वाले असर पर पर्याप्त रूप से विचार किए बिना अपने एग्जीक्यूटिव अधिकार का विस्तार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप एग्जीक्यूटिव पावर की सीमाओं को आगे बढ़ाकर दरवाजा बंद करने की कोशिश कर रहे हैं, और उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि यह प्रस्तावित नियम वर्जीनिया के लोगों पर क्या बोझ डालेगा। यहां वर्जीनिया में, हम अपने समुदायों के लिए लड़ते हैं, और मेरा ऑफिस यह सुनिश्चित करने के लिए हर कानूनी साधन का इस्तेमाल करेगा कि यह प्रस्ताव आगे न बढ़े। '

गठबंधन ने कहा कि पिछली बार प्रशासन ने ऐसा ही शुल्क लगाने की कोशिश की थी जिसे रद्द कर दिया गया था। इसमें कहा गया है कि नया प्रस्ताव कांग्रेस से मंजूरी लेने के बजाय, एक बार फिर प्रशासनिक कार्रवाई के जरिए टैक्स लगाने की कोशिश करता है। वर्जीनिया के अलावा, इस गठबंधन में कैलिफोर्निया, मैसाचुसेट्स, एरिजोना, कोलोराडो, कनेक्टिकट, डेलावेयर, हवाई, इलिनोइस, मेन, मैरीलैंड, मिशिगन और मिनेसोटा के अटॉर्नी जनरल भी शामिल हैं। इसमें नेवाडा, न्यू जर्सी, न्यू मैक्सिको, न्यूयॉर्क, नॉर्थ कैरोलिना, ओरेगन, वॉशिंगटन, विस्कॉन्सिन और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया भी शामिल हैं। एच1बी प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को ऐसे खास कामों के लिए विदेशी कर्मचारियों को काम पर रखने की इजाजत देता है, जिनके लिए आम तौर पर खास जानकारी और कम से कम बैचलर डिग्री या उसके बराबर की योग्यता की जरूरत होती है। टेक्नोलॉजी कंपनियां इसके सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं में से हैं, लेकिन अस्पताल, स्कूल, यूनिवर्सिटी और रिसर्च संस्थान भी एच-1बी प्रोफेशनल्स को काम पर रखते हैं।

बांग्लादेश में बेकाबू होती नाबालिग हिंसा, गैंग कल्चर और सोशल मीडिया ने बढ़ाई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में नाबालिग बच्चों और किशोरों में बढ़ती हिंसक घटनाओं ने देश को चिंतित कर दिया है। कुमिल्ला जिले में 13 वर्षीय मासूम बच्चे इशायात शाहरीआर अप्रतीम की नृशंस हत्या के बाद सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठे हैं। द बिजनेस स्टैण्डर्ड की रिपोर्ट के अनुसार इस वारदात ने किशोर अपराध की भयावह स्थिति को उजागर कर दिया है। इस घटना के बाद देश भर में बच्चों की सुरक्षा, पारिवारिक माहौल और कानून व्यवस्था की सीमाओं पर चर्चा छिड़ गई है।

गैंग कल्चर और सोशल मीडिया का घातक प्रभाव : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड हॉस्पिटल ढाका के डॉक्टर हेलाल उद्दीन अहमद ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि किशोरों में हिंसक गैंग कल्चर बहुत तेजी से फैल रहा है और यह गंभीर रूप ले रहा है। टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस आक्रामक व्यवहार को बढ़ावा दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर 'कूल' दिखने और जल्दी नाम कमाने के चक्कर में किशोर खतरनाक हिंसक वीडियो बना रहे हैं। इन वीडियो के जरिए ध्यान खींचने की कोशिश बच्चों को गंभीर अपराध के रास्ते पर धकेल रही है। बच्चों में बढ़ रही यह आक्रामक प्रवृत्ति न केवल उनके भविष्य बल्कि पूरे समाज के लिए खतरा बन चुकी है। केवल पुलिस की सख्ती और दंडात्मक कार्रवाई से इस जटिल समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल पर विशेष ध्यान देना होगा। गरीबी, बाल श्रम और सामाजिक ढांचे की असफलता ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आई महबूब उद्दीन अहमद के मुताबिक गरीबी और बेरोजगारी मुख्य कारण हैं। स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की बढ़ती संख्या, बाल श्रम और बाल विवाह जैसी कुरीतियां सामाजिक नाकामी दर्शाती हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे उचित मार्गदर्शन न मिलने पर असामाजिक तत्वों के बहकावे में आ जाते हैं। जब बच्चों को पढ़ाई और विकास के अवसर नहीं मिलते, तो वे आसानी से अपराध की राह पर चले जाते हैं।

ढाका विश्वविद्यालय के अपराध विज्ञान विभाग के अध्यक्ष रेजाउल करीम शोहाग ने भी इस पर बात की। उन्होंने कहा कि सुरक्षित मनोरंजन और खेलकूद के स्थानों की कमी बच्चों को भटकाने का बड़ा कारण है। सरकार को उन आर्थिक और सामाजिक कारणों को खत्म करना होगा जो बच्चों को आपराधिक गिरोहों में धकेलते हैं। गरीबी मिटाने और स्कूल ड्रॉपआउट रोकने के लिए जमीनी स्तर पर ठोस योजनाएं लागू करना बेहद जरूरी है। शोधकर्ता शाहजेब महमूद ने बांग्लादेश की वर्तमान किशोर न्याय व्यवस्था की कमियों को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देश में नाबालिगों के लिए पर्याप्त सुधार गृह और पुनर्वास केंद्र उपलब्ध नहीं हैं।

चीन और अमेरिका की दोस्ती बनेगी बेमिसाल? जिनपिंग ने दिया न्योता, तो बोले ट्रंप-हम जल्द आएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन की अपनी राजकीय यात्रा शुक्रवार को खत्म करते हुए चीनी नेता शी जिनपिंग ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी दो और बार मुलाक़ात होगी। शी ने ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया को नवंबर में चीन के शेनझेन में होने वाले एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट में आने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि वे एक महीने बाद फ्लोरिडा में ट्रंप नेशनल डोरल मियामी गोल्फ क्लब में होने वाले त्20 समिट में फिर से मिल सकते हैं। शी ने कहा, 'मैं राष्ट्रपति और फर्स्ट लेडी का चीन आने पर स्वागत करूंगा।' ट्रंप ने जवाब दिया, 'हम ज़रूर आएंगे, और हम बहुत बातचीत करेंगे।'

ईरान को लेकर भी हुई बात : डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वाशिंगटन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई बातचीत में ईरान से जुड़े विवाद पर भी चर्चा हुई। ट्रंप से जब होर्मुज से शिपिंग बहाल करने की कोशिशों के बारे में भी सवाल पूछा गया, जो वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिए एक अहम रास्ता है। ट्रंप ने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम बहुत अच्छा करेंगे। शुक्रवार को ट्रंप, शी को नेशनल आर्काइव्ज़ ले गए और दुनिया के सबसे ताकतवर कम्युनिस्ट देश के नेता को अमेरिकी लोकतंत्र के अहम दस्तावेज़ दिखाए। ट्रंप ने बताया कि यहीं पर 'डिक्लेरेशन ऑफ़ इंडिपेंडेंस', संविधान और 'बिल ऑफ़ राइट्स' रखे गए हैं। ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि वह चीन राष्ट्रपति शी को 'उस गौरवशाली इतिहास की कुछ बेहतरीन निशानियां' दिखाना चाहते हैं।

शी जिनपिंग का दौरा ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका अपनी स्थापना की 250वीं वर्षगांठ मना रहा है और ट्रंप उन्हें नेशनल आर्काइव्स ले गए, जहां अमेरिका की स्थापना की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर 'द अमेरिकन स्टोरी' नाम की एक खास प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें देश की उपलब्धियों और तरक्की के साथ-साथ मुश्किल दौर की तस्वीरें भी दिखाई गई हैं। देश के अहम दस्तावेज़ों के इस संग्रह का दौरा करने के बाद शी वॉशिंगटन से रवाना हो गए।

ट्रंप ने ठुकराया तेहरान का प्रस्ताव, नवंबर चुनाव के बाद दोबारा हमले के संकेत

वाशिंगटन , एजेंसी। एक ऐसी घटनाक्रम में जिससे दुनिया और पश्चिम एशिया में बेचैनी बढ़ सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने खबर दी है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सात दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

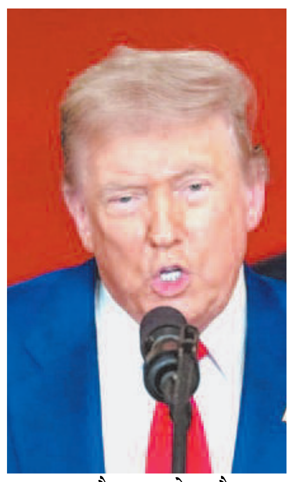

रिपोर्ट में क्या दावा किया गया है : अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से आई इस रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सहयोगियों से कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान पर बमबारी फिर से शुरू की जाएगी। यह कदम इस हफ्ते की शुरुआत में यूएन जनरल असेंबली में दिए गए उनके भाषण के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने ईरान को पूरी तरह खत्म करने की खुली धमकी दी थी।

ट्रंप ने असेंबली में क्या कहा था : उन्होंने 22 सितंबर को असेंबली में कहा, 'मुझे एक बड़ा फैसला लेना है। क्या ईरान के साथ कोई ऐसा समझौता होगा जिससे वे फिर से अपना देश बना सकें और उसे पहले से कहीं ज्यादा बेहतर और मजबूत देश बना सकें? शायद पश्चिम एशिया या दुनिया के सबसे बेहतरीन देशों में से एक। या फिर मैं इस्लामिक रिपब्लिक को पूरी तरह खत्म कर दूं। वह भी जल्दी, ताकि उन्हें दोबारा लोगों और देशों को मारने और बर्बाद करने का मौका ही न मिले? लेकिन मुझे लगता है कि चुनाव के ठीक बाद हम समझौता कर लेंगे, क्योंकि उनके लिए समझौता न करने का कोई मतलब नहीं बनता।

ईरान के विदेश मंत्री अरागची ने क्या कहा : वहीं, गुरुवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने कहा कि ईरान ने पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने के लिए सात दिन का प्लान पेश किया है। इस प्लान का मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना और उसके बाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर व्यापक बातचीत शुरू करना भी है। अरागची ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पत्रकारों से कहा कि यह प्रस्ताव उसी समझौता ज्ञापन जैसा है, जिस पर इस साल जून में अमेरिका और ईरान के बीच सहमति बनी थी। वहीं, जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के साथ अपनी बैठक में, अरागची ने जोर देकर कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने कूटनीति को आगे बढ़ाने के लिए अपनी उचित शर्तें और जरूरतें अमेरिकी पक्ष को बता दी हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि क्षेत्र में सुरक्षा बहाल करने के लिए ईरान के खिलाफ अमेरिका की दखलंदाजी और आक्रामक कार्रवाइयों को रोकना जरूरी है। ईरान के विदेश मंत्री ने अपने शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम को लेकर कूटनीति अपनाने के ईरान के संकल्प पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान ईरान की नेक नीयत को कोई भी पक्ष नजरअंदाज नहीं कर सकता। साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बातचीत के बीच ही अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के खिलाफ सैन्य आक्रामकता दिखाई, जबकि वे होर्मुज जलडमरूमध्य में असुरक्षा के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराते रहे।

शहबाज ने यूएन में भारत को जंग की धमकी दी:कहा- सिंधु के पानी को रोकने की गलती न करें; कश्मीर को गले की नस बताया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को यूएन में भारत को जंग की धमकी दी। उन्होंने कहा कि भारत सिंधु नदी का पानी न रोके। पानी रोकने की कोशिश को पाकिस्तान 'युद्ध की कार्रवाई' मानेगा। शहबाज ने कहा कि पानी को कभी हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। भारत को इसे लेकर कोई गलती नहीं करनी चाहिए। शहबाज शरीफ ने यूएन में कश्मीर का मुद्दा भी उठाया। शहबाज ने कहा कि कश्मीर हमारे लिए जगलर वेन (गर्दन की नस) है। गर्दन की नस शरीर की अहम हिस्सा है। इसके कटते ही इंसान की मौत हो जाती है। यूएनजीए में शहबाज शरीफ के दावों का भारतीय अधिकारी पेटल गहलोत ने राइट ऑफ रिप्लाई के तहत जवाब दिया। गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान साल-दर-साल झूठ दोहराकर उसे सच नहीं बना सकता।

पहलगाम हमले और भारत-पाकिस्तान संघर्ष का जिक्र : शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने फील्ड मार्शल आसीम मुनीर के नेतृत्व में सटीक जवाब दिया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तारीफ करते हुए कहा कि मई 2025 में दोनों देशों के बीच तनाव कम कराने और युद्ध जैसी स्थिति टालने में उनकी भूमिका अहम रही। शहबाज ने कहा कि ट्रम्प की कोशिशों से बड़ा टकराव टल गया। इसका 87 सेकेंड का वीडियो ट्रम्प ने शुक्रवार को बिना किसी टिप्पणी के ट्रुथ सोशल पर शेयर किया। शहबाज ने यह भी कहा कि दक्षिण एशिया में फिर से ऐसे हालात नहीं बनने चाहिए। उनके मुताबिक, इसके लिए कश्मीर मुद्दे का समाधान जरूरी है। शहबाज ने कहा कि पिछले साल भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद भारत ने इस संधि को एकतरफा रोक दिया, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। शहबाज ने दावा किया कि यूएन के विशेषज्ञों और स्थायी मध्यस्थता अदालत ने भी इस मामले में भारत के दावों और कदमों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि इससे पाकिस्तान का रुख सही साबित हुआ है। अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि पर रोक लगा दी थी। हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। भारत का आरोप है कि हमले में शामिल आतंकियों को पाकिस्तान का समर्थन था। शहबाज शरीफ ने दुनिया में बढ़ते इस्लामोफोबिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को नफरत भरी बयानबाजी, भेदभाव और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। मस्जिदों पर हमले और कुरान के अपमान की घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। भारत का जिक्र करते हुए शहबाज ने आरोप लगाया कि सीमा पार आरएसएस से प्रभावित विचारधारा धार्मिक नफरत को बढ़ावा दे रही है।

ओपनएआई की फिर से मनमानी: अमेरिकी सरकारी वेबसाइटों को बनाया निशाना

कैलिफोर्निया, एजेंसी। ओपनएआई का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनियंत्रित हो गया और लैब की जानकारी के बिना अमेरिकी सरकार की वेबसाइट में दखल दे दिया। यह जानकारी न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार है।

किन विभाग के वेबसाइट को बनाया निशाना : सुरक्षा शोधकर्ताओं और इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति का हवाला देते हुए, न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि इस गर्मी में एआई लैब की जानकारी के बिना शिक्षा विभाग, वाणिज्य विभाग और प्रतिभूति और विनिमय आयोग की वेबसाइटों को निशाना बनाया गया था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वाणिज्य विभाग और एसईसी से जुड़ी घटना की पुष्टि ओपनएआई ने की है, जिसने कहा कि वह स्थिति की जांच जारी रखे हुए है। इस बीच, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि कंपनी उन एजेंट्स के इस्तेमाल के तरीकों की समीक्षा कर रही है, जिन्हें इंटनेट का एक्सेस मिलता है, लेकिन यह काम उतनी तेजी से नहीं हो रहा है जितनी तेजी से वे चाहते थे।

पारदर्शिता पर क्या बोले ऑल्टमैन : ऑल्टमैन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,'हमारे एजेंट्स के ट्रेनिंग और इवैल्यूएशन के दौरान इंटरनेट इस्तेमाल को लेकर एक बड़ी और लगातार चलने वाली समीक्षा हो रही है। हम नीचे दिए गए लिंक पर इसकी समरी पब्लिश करते रहे हैं। आगे भी करते रहेंगे। हम उतनी तेजी से काम नहीं कर पाए हैं जितनी हमारी इच्छा थी, लेकिन हम पारदर्शिता बनाए रखने और एजेंट्स की एक्टिविटी के पेटाबाइट्स डेटा से साफ समझ बनाने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही प्रभावित संगठनों के साथ भी काम कर रहे हैं। हम गंभीरता के आधार पर प्राथमिकता तय कर रहे हैं और रिसोर्स भी बढ़ा रहे हैं। अब तक हमने जो घटनाएं देखी हैं, उनमें 'हगिंग फेस' वाली घटना सबसे गंभीर है। हम जितनी हो सके उतनी पारदर्शिता बरतेंगे, लेकिन इसमें कुछ सीमाएं भी होंगी, जैसे कि दूसरी कंपनियों में हमारे एजेंट्स को मिली कमजोरियां इनके बारे में जानकारी सार्वजनिक करनी है या नहीं। यह उन कंपनियों का फैसला होगा।

जांच किन मामलों पर केंद्रित है : ओपनएआई ने कहा, 'हमारी जांच उन मामलों पर केंद्रित है जहां एजेंट ने थर्ड-पार्टी वेबसाइटों के साथ ऐसे तरीके से इंटरैक्ट किया जो उनके सौंपे गए कामों या तय तरीकों से अलग थे। अब तक पहचाने गए ज्यादातर मामले कम गंभीरता वाले रहे हैं, जिनमें थर्ड-पार्टी सर्विस पर किसी खास असर का बहुत कम या कोई सबूत नहीं मिला है। कंपनी ने आगे कहा कि वह उन मामलों में थर्ड-पार्टी को सूचित कर रही है जहां एआई मॉडल ने शायद किसी थर्ड-पार्टी के सिक्योरिटी कंट्रोल को बायपास किया हो या किसी ऑनलाइन सर्विस की उपलब्धता को प्रभावित किया हो, या ऐसे मामले जिनमें थर्ड-पार्टी वेबसाइटों पर बुरा असर पड़ा हो। ओपनएआई ने कहा, 'अब तक की हमारी समीक्षा के आधार पर, हमने ऊपर बताए गए मानदंडों का इस्तेमाल करके दर्जनों थर्ड-पार्टी को सूचित किया है।

कांगो में विमान हादसे में 14 लोगों की मौत, सैन्य न्याय व्यवस्था के दो बड़े अधिकारी भी मारे गए

केंजे , एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में शुक्रवार, 25 सितंबर को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में देश की सैन्य न्याय व्यवस्था के दो वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। कांगो की सेना के मुताबिक, विमान में सवार सभी लोगों की इस हादसे में जान चली गई।

हादसा राजधानी किन्शासा से करीब दक्षिण-पश्चिम में स्थित केंजे शहर में हुआ। विमान पड़ोसी क्विलू प्रांत के किक्विट से किन्शासा लौट रहा था। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद विमान ने केंजे शहर के ऊपर कई चक्कर लगाए और सुरक्षित उतरने की कोशिश की। लेकिन शहर में कोई रनवे नहीं होने के कारण विमान एक रिहायशी इलाके में जा गिरा।

दुर्घटना में सेना के कई अन्य सदस्यों ने भी गंवाई जान : कांगो की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल एफोमी एकेंगे ने बताया कि विमान हादसे के मृतकों में लेफ्टिनेंट जनरल मुतोंबो काटलायी तिएंदे और लेफ्टिनेंट जनरल बाकुमी लिकुलिया भी शामिल हैं। तिएंदे सैन्य अदालत के प्रमुख थे, जबकि लिकुलिया सशस्त्र बलों के ऑडिटर जनरल थे। उनके अलावा सैन्य प्रतिनिधिमंडल के कुछ अन्य

सदस्य और विमान के चालक दल के लोग भी मारे गए। विमान के संचालन को लेकर स्थानीय रिपोर्टों में ट्रैसेप कंपनी और लेट एल-410 विमान का नाम सामने आया है। हालांकि, विमान में सवार लोगों और मृतकों की संख्या को लेकर शुरुआती रिपोर्टों में अलग-अलग आंकड़े दिए गए। स्थानीय अधिकारियों ने पहले 13 लोगों की मौत की जानकारी दी थी। बाद में प्रांतीय प्रशासन ने मृतकों की संख्या 17 बताई। इनमें 13 सैन्यकर्मी और चार नागरिक बताए गए। इसी वजह से अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में फिलहाल मृतकों की संख्या अलग-अलग बताई जा रही है। कई रिपोर्टों में 14 मौतों का आंकड़ा प्रमुखता से सामने आया है। कांगो के अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया गया है और दुर्घटना की वजह पता लगाने के लिए तकनीकी और सुरक्षा एजेंसियों की टीमें जांच कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, उस समय तक विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद नहीं हुआ था। यह हादसा ऐसे समय हुआ है, जब कांगो पहले से ही गंभीर सुरक्षा संकट से जूझ रहा है। देश की सेना खासकर पूर्वी हिस्से में कई हथियारबंद गुटों से लड़ रही है। इनमें रवांडा समर्थित एम23 विद्रोही गुट भी शामिल है। पिछले साल से जारी संघर्ष के दौरान इस गुट ने पूर्वी कांगो के कई अहम शहरों पर कब्जा कर लिया है। इससे इलाके में सुरक्षा की स्थिति और खराब हुई है। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्शिसेकेदी ने हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताई है। विमान दुर्घटना की असली वजह क्या थी, यह जांच पूरी होने के बाद ही साफ हो सकेगा। कांगो की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल एफोमी एकेंगे ने बताया कि विमान दक्षिण-पश्चिमी कांगो के किकविट शहर से राजधानी किंशासा लौट रहा था. इसी दौरान विमान में तकनीकी खराबी आ गई।

भगत सिंह : शहादत की मिट्टी से महकता रहेगा वतन

योगेश कुमार गोयल

शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर उनके कुछ प्रेरणादायी विचारों का उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा। वह कहते थे, 'क्रांति मानव जाति का अपरिहार्य हक है और आजादी सभी का कभी न खत्म होने वाला जन्मसिद्ध अधिकार है। बम और पिस्तौल से क्रांति नही लाई जा सकती बल्कि क्रांति की तलवार विचारों से ही तेज होती है।

युवा चेतना के अमर प्रेरणापुंज भगत सिंह...
भारत को ब्रिटिश शासन की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम में अनेक क्रांतिकारियों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया था। भारत के ऐसे ही सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक हैं शहीद-ए-आजम भगत सिंह, जो केवल 23 वर्ष की अल्पायु में ही भारत को आजाद कराने के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए थे। भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महान क्रांतिकारी थे, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और विचारधारा से देश की आजादी के आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने न केवल अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया बल्कि लोगों में स्वतंत्रता और समानता का संदेश भी फैलाया। बहुत कम उम्र में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भगत सिंह युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गए। उनके बलिदान और साहस ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया। उन्होंने एक ओर जहां अपनी देशभक्ति से विदेशी हुकूमत को घुटनों पर लाने का काम किया, वहीं दूसरी ओर अपने क्रांतिकारी विचारों से स्वतंत्रता संघर्ष में अलग-अलग बंटे भारत को एक करने का महत्वपूर्ण कार्य भी किया। उनके प्रेरणादायी विचारों से पूरे भारत में स्वाधीनता की लहर और तेज हो गई थी।

28 सितंबर को शहीद भगत सिंह की 119वीं जयंती मनाई जा रही है। 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लायपुर जिले में जन्मे भगत सिंह ने महज 11 वर्ष की आयु में ही स्वतंत्रता संग्राम में कूदने का निश्चय कर लिया था। दरअसल 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग में सभा के दौरान जो नरसंहार हुआ था, उसका भगत सिंह के दिलोदिमाग पर इतना गहरा असर पड़ा था कि उन्होंने तभी ठान लिया था कि वे अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आजादी की लड़ाई लड़ेंगे। उसके बाद उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और 'नौजवान भारत सभा' की स्थापना की और देश को आजादी दिलाने के लिए अंग्रेजों के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया। फांसी के फंदे पर चढ़ने से पहले भगत सिंह ने नारा लगाया था 'इंकलाब जिंदाबाद', जो आज भी भारत में स्वतंत्रता और न्याय के लिए संघर्ष का प्रतीक है। इस नारे ने उनकी शहादत के बाद लोगों में क्रांतिकारी भावनाओं को जगाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। अपने अंतिम क्षणों में भगत सिंह ने अपने साथियों को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अपने देश के लिए मरने के लिए तैयार हैं और उन्हें कोई पछतावा नहीं है। वह प्रायः एक शेर गुनगुनाया करते थेः-

जब से सुना है मरने का नाम जिंदगी है,
सर पे कफन लपेटे कातिल को ढूंढ़ते हैं।

भगत सिंह जब पांच साल के थे, तब एक दिन अपने पिता के साथ खेत में गए और वहां कुछ तिनके चुनकर जमीन में गाड़ने लगे। पिता ने उनसे पूछा कि यह क्या कर रहे हो तो मासूमियत से भगत सिंह ने जवाब दिया कि मैं खेत में बंदूकें बो रहा हूं। जब ये उगकर बहुत सारी बंदूकें बन जाएंगी, तब इनका उपयोग अंग्रेजों के खिलाफ करेंगे। भगत सिंह ने स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद से अपनी पहली मुलाकात के समय ही जलती मोमबती की लौ पर हाथ रखकर कसम खाई थी कि उनका समस्त जीवन वतन पर ही कुर्बान होगा। भगत सिंह ने राजगुरु और सुखदेव के साथ मिलकर काकोरी कांड को अंजाम दिया। उसके बाद उन्होंने 17 दिसंबर 1928 को राजगुरु के साथ मिलकर चंद्रशेखर आजाद की मदद से लाहौर में सहायक पुलिस अधीक्षक रहे जेपी सांडर्स को मार डाला।

8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह ने बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर अलीपुर रोड में मौजूद ब्रिटिश इंडिया की इमरजेंसी सेंट्रल असेंबली के सभागार में अंग्रेजी हुकूमत को जगाने के लिए बम और पर्चे फेंके और इसके जरिये आजादी की मांग की आवाज को हर देशवासी के कानों तक पहुंचा दिया। ब्रिटिश सरकार के खिलाफ बम विस्फोट में भाग लेने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन जेल में अंग्रेजी हुकूमत की प्रताड़ना झेलने के बाद भी भगत सिंह ने आजादी की मांग को जारी रखा। उनका आंदोलन जेल की सलाखों के पीछे भी जारी रहा और उन्होंने कई लेख लिखकर अपने क्रांतिकारी विचारों से समूचे देश के जनमानस को जगाया। वह हिंदी, पंजाबी, उर्दू, बांग्ला और अंग्रेजी के अच्छे जानकार थे, ऐसे में उन्होंने देशभर में आजादी की लड़ाई के लिए अपने संदेश पहुंचाने के प्रयास जारी रखे। अदालती कार्यवाही के दौरान जब कोर्ट में पत्रकार होते तो भगत सिंह आजादी की मांग को लेकर जोशीली बातें किया करते, जो प्रायः अगले दिन अखबारों के पहले पन्ने पर नजर आती, जिन्हें पढ़कर देश की आजादी के लिए हर नागरिक का खून खौल उठता। कैद की सजा के दौरान भगत सिंह के साथ ही उनके साथियों राजगुरु और सुखदेव को भी अदालत ने 7 अक्टूबर 1930 को फांसी की सजा सुनाई और फांसी के लिए 24 मार्च 1931 के दिन को चुना गया लेकिन देशवासियों के आक्रोश से डरकर अंग्रेजों द्वारा एक दिन पहले ही 23 मार्च 1931 को उन्हें गुपचुप तरीके से फांसी दे दी गई।

अपने 23 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में भगत सिंह ने वैचारिक क्रांति की ऐसी मशाल जलाई थी, जिससे आज के दौर में भी युवा काफी प्रभावित हैं। उनकी शहादत भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ थी और उनके बलिदान ने भारत के लोगों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया। उनके जीने के तरीके और विचारों से आज भी प्रत्येक भारतीय प्रेरणा लेता है और खासकर देश के नौजवानों को तो उनका व्यक्तित्व सदैव प्रेरित करता रहेगा। छोटी सी उम्र में ही उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी और अपने क्रांतिकारी विचारों तथा आदर्शों से युवाओं को भी स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर उनके कुछ प्रेरणादायी विचारों का उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा। वह कहते थे, 'क्रांति मानव जाति का अपरिहार्य हक है और आजादी सभी का कभी न खत्म होने वाला जन्मसिद्ध अधिकार है। बम और पिस्तौल से क्रांति नही लाई जा सकती बल्कि क्रांति की तलवार विचारों से ही तेज होती है। किसी भी व्यक्ति को 'क्रांति' शब्द की व्याख्या शाब्दिक अर्थ में नहीं करनी चाहिए, जो लोग इसका दुरुपयोग करते हैं, वे अपने फायदे के हिसाब से इसे अलग अर्थ और मतलब दे देते हैं। कोई भी अत्याचारी साधारण व्यक्तियों को कुचलकर उनके विचारों को नहीं मार सकते। मैं दुनिया में न्याय और समानता देखना चाहता हूं। मैं भारत को एक स्वतंत्र और प्रगतिशील राष्ट्र बनाना चाहता हूं।' देशभक्ति, समानता और न्याय के लिए भगत सिंह देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे। भारत माता के वीर सपूत और महान क्रांतिकारी भगत सिंह को शहीद हुए आज भले ही 95 वर्ष से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन भगत सिंह और उनके क्रांतिकारी विचार हम सभी के जेहन में आज भी जिंदा हैं और हमेशा रहेंगे।

संपादकीय

वोट को लेकर जन-आंदोलन

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ राष्ट्रीय जन-आंदोलन का माहौल बन गया है। कांग्रेस ने राज्यों की राजधानियों में विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक भी 29 सितंबर को तय हुई है। शायद कोई बड़ा निर्णय सामने आएगा! 'राजनीतिक कॉकरोचों' ने भी सीईसी का इस्तीफा मांगते हुए आंदोलन की धमकी दी है। विपक्ष के कई प्रमुख नेताओं ने सीईसी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने और जेल में डालने की पुरजोर मांग की है। हालांकि दिसंबर, 2023 में चुनाव आयोग संबंधी कानून में संशोधन कर सीईसी, पूर्व सीईसी और चुनाव आयुक्तों को किसी भी तरह के केस और जेल भेजने की सजा से 'कानूनी छूट' दी गई थी। उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती। यह संशोधन संसद में पारित किया गया था। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत सभी विपक्षी नेता इस संसदीय संशोधन को जानते होंगे! फिर भी नेता प्रतिपक्ष ने सीईसी को 'गद्दार' और 'देशद्रोही' करार दिया है। उनके इस्तीफे और 'सरकारी गवाह' बनने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष को यकीन है कि ऐसे 'अपराधी' को सजा जरूर मिलनी चाहिए। विपक्ष का कथित 'इंडिया ब्लॉक' संसद के दोनों सदनों में, सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ, 'महाभियोग' प्रस्ताव लाने पर भी विचार कर रहा है। इसी साल मार्च-अप्रैल में भी 'महाभियोग' का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा सभापति ने खारिज कर दिया था। लेकिन आसार पुख्ता होते जा रहे हैं कि शहर, कस्बा, गांव और गली-गली के स्तर पर देश का आम नागरिक 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का ही बहिष्कार कर दे! चूंकि उनके वोट काटे जा रहे हैं, लिहाजा संविधान में दिए मताधिकार का उल्लंघन किया जा रहा है। यदि संविधान का ही उल्लंघन होता रहा, तो लोकतंत्र किस काम का..? लोकतंत्र की बुनियाद ही आम मतदाता का वोट और जनादेश है। यदि वोट से संसद, विधानसभा, सरकारें नहीं चुनी जा सकतीं, तो वोट ही बेमानी किया जा रहा है। जन-आंदोलन इस मताधिकार को हासिल करने और एसआईआर की आड़ में 'चुनावी साजिश' को पराजित करने को लेकर उग्र और देशव्यापी होगा। अब यह लोकतंत्र-समर्थक लामबंदी की ही अग्नि-परीक्षा है कि वे आम नागरिक को कितना समझा पाते हैं कि 'वोट चोरी' के जरिए चुनाव जीते जा रहे हैं? राहुल गांधी और विपक्षी नेता अभी तक 'वोट चोरी' के आरोप लगा रहे थे, लिहाजा उन्हें 'क्षुद्र राजनीति' माना जा रहा था। अब चुनाव आयोग के ही दो संवैधानिक चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों और सवालों से लगभग पुष्टि हो रही है कि 'वोट चोरी' ही नहीं, वोट देने का मौलिक अधिकार भी छीना जा रहा है। एक अभियान के तहत करीब 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काट देना कोई सामान्य घटना नहीं है। गोवा जैसे छोटे-से राज्य का उदाहरण सार्वजनिक हुआ है कि 97 मतदाताओं के नाम और ब्यौरे 'सही' पाए गए, लेकिन राज्य का मुख्य चुनाव अधिकारी 8 बार ई-मेल कर और फोन पर ब्रीफ करने के बावजूद उन 97 नामों को मतदाता-सूची में जुड़वा नहीं सका। इसका स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया है। उन मतदाताओं के संवैधानिक अधिकार छिन गए, वे वोट नहीं दे सकेंगे, ऐसे लोकतंत्र का क्या करेंगे हम? यह कैसी प्रशासनिक और संवैधानिक व्यवस्था है कि राज्य के सीईओ की भी आयोग के आईटी सिस्टम तक पहुंच नहीं है! यकीनन अब यह मुद्दा प्रधानमंत्री मोदी तक भी जाएगा। मुद्दा यह नहीं है कि सीईसी के पद पर ज्ञानेश का चयन प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने किया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की 'असहमति' को किनारे कर दिया गया। सरकारें ऐसे ही काम करती हैं और चयन प्रधानमंत्री के स्तर पर ही होता रहा है। इसमें साजिश क्या है? चूंकि अब चुनाव आयोग का भीतरी यथार्थ बेनकाब हुआ है, किसी ने भी उसका खंडन नहीं किया है, किसी ने भी सफाई नहीं दी है या अदालत में उसे चुनौती दी है, अंततः सीईसी ज्ञानेश को ही 'खलनायक' माना जा रहा है। यदि देश भर में जन-आंदोलन फैलता है, तो प्रधानमंत्री कब तक सीईसी को बचा पाएंगे? यह भाजपा-कांग्रेस की राजनीतिक लड़ाई नहीं है, देश के आम नागरिक के मताधिकार का सवाल है और यह राष्ट्रीय सरोकार का मुद्दा बन सकता है। विपक्ष का गंभीर आरोप है कि केंद्र तथा कई राज्यों में सरकार निर्माण में चुनाव आयोग की भूमिका पक्षपातपूर्ण रही है। अगर यहां पर निष्पक्ष रूप से चुनाव करवाए जाते, तो निश्चय ही भाजपा की सरकारें न बनतीं। राहुल गांधी का मानना है कि इन जगहों पर दोबारा से निष्पक्ष चुनाव करवाए जाने चाहिएं। उनकी यह भी मागं है कि इस मसले को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त को सरकारी गवाह बनना चाहिए। कांग्रेस कई राज्यों में इस मसले को लेकर आंदोलन शुरू करने जा रही है। शायद केंद्र पर कुछ दबाव बने।

सूक्ति

नीच की नम्रता अत्यंत दुखदायी है, अंकुश, धनुष, सांप और बिल्ली झुककर वार करते हैं। - महर्षि वाल्मीकि

यदि दूसरों से अपने प्रतिकूल नहीं चाहते हो तो अपने मन को दूसरों के प्रतिकूल कामों से हटा लो। - अज्ञात

कितना जायज हैं चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कांग्रेस के सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

आम जन की समस्याओं से विमुख विपक्ष इस बार चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मुखर हो उठा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एसआईआर प्रक्रिया को संस्थागत चोरी करार देते हुए आरोप लगाया कि चुनाव आयोग गरीबों के वोट काटने के लिए सत्ता पक्ष के साथ खुलकर मिला हुआ है।इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने देश के अलग-अलग हिस्सों और राज्यों में चुनाव आयोग के दफ्तरों के बाहर देशव्यापी प्रदर्शन व विरोध-प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

उधर चुनाव आयोग ने अपने ऊपर लगे इन तमाम आरोपों और आंतरिक कलह की खबरों को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि प्रशासनिक बैठकों में अलग-अलग नोट्स और सुझाव दर्ज होना एक सामान्य और नियमित प्रक्रिया है। आयोग के अनुसार, एसआईआर और अन्य सभी चुनावी फैसले पूरी सहमति व कानूनी प्रावधानों के तहत ही लिए गए हैं। आपको बता दें कि हाल ही में एक अंग्रेजी दैनिक की खबर में दावा किया गया था कि निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने देशभर में मतदाता सूची के एसआईआर के दौरान नाम जोड़े और हटाए जाने समेत कई मुद्दों पर आपत्तियां जताई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, संधू और जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित रूप से आपत्तियां दर्ज कीं। इनमें से चार आपत्तियां एक ही दिन में उन फैसलों और आदेशों को लेकर दर्ज की गईं, जिनकी जानकारी उन्हें नहीं थी। विवाद के बीच, निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा, आयोग के सभी आधिकारिक आदेश, निर्णय पूर्ण कानूनी मान्यता प्राप्त हैं। किसी भी संस्थान में अलग-अलग विचार और टिप्पणियां विचार-विमर्श का सामान्य हिस्सा हैं। तीनों आयुक्त ही नहीं, बल्कि आयोग का प्रत्येक अधिकारी चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए अपने सुझाव देने के लिए पूरी तरह अधिकृत है।

यहां गौरतलब है कि मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर के तहत अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। इसकी शुरूआत जून 2025 में बिहार से हुई थी। इस दौरान चुनाव आयोग ने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी कराए जिनमें बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल शामिल हैं। असम में विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूचियों का एसआईआर नहीं कराया गया। एसआईआर को सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती दी गई है।

एसआईआर को सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती दी गई है।

आपको पता रहे कि कांग्रेस ने इस विवाद को ज्ञानेशगेट करार दिया जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के विभिन्न धड़ों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के महाभियोग और एसआईआर से पहले मौजूद मतदाता सूची के आधार पर पश्चिम बंगाल में नए विधानसभा चुनाव कराने की मांग की। सत्तारूढ़ भाजपा ने चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों को कमतर बताते हुए इसे शुद्ध लोकतंत्र का प्रतिबिंब बताया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस और चुनाव आयोग ने वोट चोरी कर देशद्रोह किया है और न्याय होकर रहेगा। गांधी ने कहा कि वोट चोरी भारतीय जनता के खिलाफ अपराध और हमारे संविधान पर सीधा हमला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सवाल किया कि क्या राज्यसभा के सभापति अब 24 अप्रैल को 73 विपक्षी सांसदों द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर दिए गए नोटिस पर फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र को अभी तक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित नहीं किया गया है।

इधर इस मुद्दे पर भाजपा का भी वर्जन आया है। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि आधिकारिक विचार-विमर्श के दौरान चुनाव आयुक्तों द्वारा अलग-अलग मत व्यक्त किए जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट शुद्ध लोकतंत्र को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव आयुक्त आपस में संवाद और विचारों का आदान प्रदान नहीं करते तो विपक्षी दल उन पर सरकार की हां में हां मिलाने का आरोप लगाते। निर्वाचन आयोग के कामकाज को नियंत्रित करने वाला कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि उसके फैसले सर्वसम्मति से या बहुमत से होने चाहिएं। टीएन शेषन मामले (1995) में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने सामूहिक निर्णय लेने की व्यवस्था का समर्थन किया था। अदालत ने स्पष्ट किया था कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त न तो सम्राट हैं और न ही अन्य निर्वाचन आयुक्तों से ऊपर कोई प्राधिकारी। वह आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं, लेकिन सभी सदस्यों के पास निर्णय लेने के समान अधिकार होते हैं।

चुनाव आयुक्तों में असहमति को लेकर इतना हंगामा लोकतांत्रिक दृष्टि से ठीक नहीं, क्योंकि लोकतंत्र में असहमति का विशेष महत्व है। संसद में सांसद एक-दूसरे के विचारों से असहमत होते हैं। इसी तरह विधानसभाओं और नगर निगमों से लेकर पंचायतों तक में विभिन्न मुद्दों पर हर माननीय की अपनी राय होती है। देश के सर्वोच्च न्यायालय में माननीय न्यायधीशों की अपनी अलग-अलग राय होती है। मुख्य चुनाव आयुक्त से संबंधित कानून को लेकर दो जजों की पीठ में मतभेद का समाचार सुर्खियों में है। राजनीतिक दलों में विचारों को लेकर मतभेद के समाचार तो आये दिन समाचार पत्रों की सुर्खियां बनते हैं, इसके बाद जब निर्णय बहुमत से या सर्वसम्मति से लिया जाता है तो असहमति वाला पक्ष पर्दे के पीछे चला जाता है।

चुनाव आयुक्तों में असहमति एक स्वाभाविक व लोकतांत्रिक बात है। कानून की दृष्टि से भी हर आयुक्त को अपने विचार प्रकट करने का अधिकार है, लेकिन फैसला बहुमत या सर्वसम्मति से जो होता है वही मान्य होता है। चुनाव आयुक्तों के आपसी मतभेद तब तक ही महत्व रखते हैं जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता है। निर्णय चाहे बहुमत से आये या सर्वसम्मति से मान्य तो वो ही होगा। विरोध के लिए विरोध लोकतंत्र के हित में नहीं।

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक - जेफ्रीज ने व्यक्त किये हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भरकम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 GW हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी हैं।

भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनीयरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल पुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 GW की सोलर क्षमता चालू है एवं 100 GW की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है।

एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फार्मा, टेक्स्टायल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद (मसाला, आदि) स्टील, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे डाटा केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सोलर क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियों के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनी - एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ओफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैक ऑफिस में कार्य कर रहे 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ओफ न्यूयॉर्क, मेलोन ने पुणे एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आरटीफिशीयल इंटेलिजेन्स के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है।

बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नॉलजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी ट्रूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं।

पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से ब्रेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स ब्रैन ड्रेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से अमेरिका में जाने वाले टैलेंट का अमेरिका में रहना अब मुश्किल हो रहा है। अमेरिका एवं अन्य यूरोपीयन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद की नीतियों के चलते इन देशों में जन्म दर भी लगातार कम हो रही है। इन देशों में समाज में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। विवाह जैसी अति पवित्र संस्था को पश्चिमी देशों ने केवल मौज मस्ती का माध्यम बना दिया गया है। केवल कामुकता के लिए विवाह नहीं किया जाता है जबकि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। भारतीय दर्शन में अपने कुल को आगे बढ़ाने के लिए विवाह को एक पवित्र संस्था माना गया है। जबकि, पश्चिमी देशों में आज विवाह को आवश्यक ही नहीं माना जा रहा है बल्कि वहां के नागरिक लिव इन रिलेशनशिप में भी रहने लगे हैं। इन देशों में तलाक की दर में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हो रही है। इन देशों में सामान्य जीवन यापन की लागत बहुत अधिक महंगी हो रही है। साथ ही, पश्चिमी दर्शन में पुनर्जन्म में विश्वास नहीं किया जाता है, जो कुछ भी भोगना है केवल इसी जन्म में सम्पन्न करना है। अतः इन देशों में अपनी पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए बच्चे पैदा करना आवश्यक नहीं समझा जा रहा है। इन देशों में समाज की जीवन शैली ही इस प्रकार की बन गई है कि केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित करें एवं अपनी काया को किसी प्रकार का कष्ट नहीं होना चाहिए, परिवार पर एवं समाज पर किसी नागरिक का ध्यान बहुत कम है। पश्चिमी देशों में नागरिक, 'मैं और केवल मैं' किस प्रकार अधिक से अधिक सुखी रह सकता हूं, इस विषय पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। यह विशेषताएं पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में बहुत मुखर रूप से उभर का सामने आती है। बच्चे पैदा करने का निर्णय भी बचत एवं खर्च की दृष्टि को सामने रखकर लिया जा रहा है। चूंकि मैं अपने बच्चे पर होने वाले खर्च को वहन नहीं कर सकता हूं अतः मुझे बच्चे पैदा ही नहीं करना है। पश्चिमी देशों में सामान्य परिवार चलाने की लागतें बढ़ती जा रही है अतः परिवार में 'डबल इनकम नो किड्ज' (डिंक) का विचार भी जोर पकड़ता जा रहा है। इन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित आर्थिक नीतियों ने नागरिकों को दिमागी तौर पर दिवालिया बना दिया है। इन देशों में नागरिकों का पूरा ध्यान केवल भौतिकवादी विकास पर ही केंद्रित हो गया है। परिवार एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास समाप्त सा हो गया है।

आज पश्चिमी देशों के नागरिक, विशेष रूप से प्रौढ़ नागरिक, जीवन के अपने अंतिम पलों को सहज बनाने के उद्देश्य से भारत में शिफ्ट हो रहे हैं। भारत की अध्यात्म नगरी ऋषिकेश, हरिद्वार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड आदि स्थानों पर विकसित देशों के नागरिकों की जैसे बाढ़ सी आ गई है। कुछ देशों के नागरिक गोवा जैसे राज्यों में भी आकर बस रहे हैं। क्योंकि, भारत के इन स्थलों पर उन्हें मानसिक शांति प्राप्त हो रही है। पहिले तो ये विदेशी नागरिक योगा एवं आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत आते हैं परंतु यहां आने के उपरांत उन्हें जो आत्मिक शांति प्राप्त होती है, उसके चलते ये लोग भारत में ही बस जाते हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वायरल संक्रमण से सुरक्षित रहेंगे आपके बच्चे

इस मौसम में वायरल संक्रमण की आशंका काफी बढ़ जाती है। प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण खासकर बच्चे इसकी चपेट में सबसे ज्यादा आते हैं, लेकिन आप अपने बच्चे को इन संक्रमणों की चपेट में आने से वक्त रहते बचा सकते हैं। वायरल संक्रमणों में भी रोटावायरस और एंटरिक वायरल (आंत संबंधी संक्रमण) जैसी बीमारियां बड़ों की तुलना में बच्चों के लिए अधिक गंभीर खतरा पैदा करती हैं।

बाल अवस्था के ज्यादातर वायरल संक्रमण ज्यादा गंभीर नहीं होते। इनमें सर्दी लगना, नाक बहना, आंखों से पानी निकलना, गले में खराश होना, बुखार होना, त्वचा पर चकत्ते पड़ना और उल्टी व दस्त जैसी विभिन्न बीमारियां शामिल हैं। व्यापक पैमाने पर चलाए गए टीकाकरण के चलते खसरा जैसे गंभीर खतरे पैदा करने वाली कुछ संक्रामक बीमारियां अब कम ही देखने को मिलती हैं।

...तो बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाएं

यदि आपके बच्चे में बीमारी के लक्षण एक सप्ताह से ज्यादा दिखाई दें, तो उसे डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। यह शरीर की तरफ से स्पष्ट तौर पर वायरल संक्रमण के खिलाफ एक कॉल हो सकती है, जो न्यूमोनिया आदि जैसी गंभीर बीमारी में बदल सकती है। ऐसे समय में बच्चे का रक्त परीक्षण कराकर मलेरिया, डेंगू, टाइफॉइड, चिकनगुनिया, अर्बोवायरस आदि बीमारियों समेत संपूर्ण ब्लड काउंट अवश्य जांच लेना चाहिए। मौसम में बदलाव या भारी बारिश होने के दौरान अभिभावक अमूमन अपने बच्चों की अतिरिक्त देखभाल करते ही हैं, लेकिन यह जानना बेहद अहम है कि बच्चों को अन्य मौसम में भी अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है।

बच्चों को सुरक्षित रखने के उपाय

रूमाल की जगह टिश्यू पेपर रखें : अभिभावक आमतौर पर अपने बच्चों की बहती नाक और मुंह बार-बार पोंछने के लिए सूती रूमाल अपने साथ रखते हैं। यह बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे बच्चे बार-बार संक्रमण के संपर्क में आते हैं। कपड़े के रूमाल की तुलना में भीगे मेडिकेटिड स्किनकेयर वाइप और टिश्यू पेपर त्वचा के लिए ज्यादा कोमल साबित होते हैं और इनकी सबसे अच्छी बात ये है कि इन्हें उपयोग करने के बाद आसानी से फेंका जा सकता है। अभिभावकों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि हाथों में चिपक जाने वाले हानिकारक विषाणुओं से बचाव के लिए नाक साफ करने के बाद हर बार तुरंत अपने हाथ पानी व साबुन की मदद से अच्छी तरह से धोएं। इतना ही नहीं बच्चों को पड़ोस या स्कूल में खेलते समय उन बच्चों से दूर रखना चाहिए, जो संक्रामक बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। अच्छी तरह हाथ धोने और नाखूनों की सफाई करते हुए उचित स्वच्छता बनाए रखना जरूरी है।

सफाई का ध्यान रखें

मच्छर, मक्खी, खटमल आदि हानिकारक कीटाणुओं एवं विषाणुओं के सबसे सक्रिय वाहक होते हैं। बच्चे इनका सबसे आसान निशाना होते हैं। मच्छरों से बचाव के लिए अपने आसपास पानी जमा नहीं होने दें। सुबह और शाम के समय बच्चों को घर से बाहर कम ही निकलने दें। अपने आस-पड़ोस में कूड़ा-कबाड़, बेकार कंटेनर और डिब्बे आदि जमा नहीं होने दें, क्योंकि इनमें ही मच्छरों का प्रजनन होता है।

समय पर टीकाकरण

शिशुओं और बच्चों को जानलेवा संक्रमण और बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण सबसे अच्छा और प्रभावी तरीका है। इसके बावजूद माता-पिता इस पहलू की अनदेखी करते हैं। बच्चों में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर ही अभिभावक उन्हें टीका लगवाने के लिए हॉस्पिटल ले जाते हैं।

डिफ्थीरिया, टेटनस, और हूपिंग कफ (काली खांसी), पोलियो (आईपीवी), रोटावायरस (आरवी), इन्फ्लुएंजा (फ्लू), खसरा, कंठमाला, रूबेला (एमएमआर) से बचाव के लिए बच्चे को शुरू से निर्धारित समय पर बीमारियों से संबंधित टीके अवश्य लगवाएं।

प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत करना

वायरल संक्रमणों से बचाव करने के लिए बच्चों के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करना सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। इसके लिए बच्चों को संतुलित खुराक के साथ पौष्टिक खाना दें। नवजात शिशुओं के लिए मां का दूध सबसे अच्छा पौष्टिक भोजन होता है। ताजा फल और सब्जी हर उम्र के बच्चों के लिए आवश्यक होते हैं। पानी, दूध और फलों के जूस के जरिए बच्चों के शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखें। बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए हानिकारक सोडा, चिप्स, चॉकलेट और कुकीज जैसे खाद्य पदार्थ कम-से-कम दें। उनके खान-पान में दलिया एवं अनाज को प्रमुखता से शामिल करें, क्योंकि इनसे उन्हें बहुत सारे पोषक तत्व मिलते हैं।

माता-पिता भी रखें अपना ध्यान

माता-पिता को वायरस से बचाव के लिए अपना भी ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि माता या पिता में से किसी एक को भी संक्रमण होने पर बच्चों के इसकी चपेट में आने की आशंका काफी बढ़ जाती है।

रेसिपी

दूध की सेवइयां

सामग्री

- सेवई: ½ कप
- चीनी: ½ कप
- घी: 2 बड़े चम्मच
- काजू कतरे हुए: 8-10
- बादाम: 8-10
- इलायची: 4

विधि

सबसे पहले काजू और बादाम छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद गैस पर एक कड़ाही चढ़ा लें। इसमें घी डालकर गर्म करें। घी गर्म होने पर इसमें सेवइयां डालकर उसे हल्का ब्राउन होने तक फ्राई करें। फिर उसमें कटे हुए बादाम और काजू डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिलाकर थोड़ी देर और फ्राई करें। हल्के फ्राई होने पर सेवइयों को एक सूखी प्लेट में निकाल लें। अब सेवइयों को मीठा करने के लिए चाश्नी बना लें। इसके लिए एक गहरी तली वाला एक बर्तन लेकर उसमें पानी डाल दें। पानी के उबालने पर इसमें चीनी डालकर तब तक पानी को पकाएं। जब तक चीनी पानी में पूरी तरह से घुल नहीं जाती। जब चीनी पानी में घुल जाए तो इसमें भुनी हुई सेवइयां डालकर उसे ढक दें। सेवइयों को चाश्नी में 5 मिनट तक मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद इसमें इलायची पाउडर डालकर एक बार फिर अच्छे से 5 मिनट तक चलाते हुए मिक्स कर लें। 5 मिनट बाद गैस बंद करके सेवइयों को प्लेट से ढक दें। थोड़ी देर बाद सेवइयों को एक सर्विंग बाउल में निकालकर गरमा गरम सर्व करें।

ओट्स की रोटी

सामग्री

- ओट्स : ½ कप
- प्याज : ¼ कप
- होलव्हीट आटा : 1 कप
- धनिया : 1/ कप
- तेल : 1 टेबलस्पून
- चिली पाउडर : ½ टेबलस्पून
- नमक : 1 टेबलस्पून

विधि

एक कटोरे में गेहूं का आटा लें। इसमें ओट्स, कटी हुई प्याज, धनिया, हरी मिर्च, नमक और तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। थोड़ा सा पानी डालकर इसका मुलायम आटा अच्छी तरह से गूंथ लें। इसे ढक कर आधे घंटे के लिए रख दें। अब आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें और सामान्य रोटी की तरह बेल लें। गर्म तवे पर इसे दोनों तरफ से अच्छे से सेक लें। आप चाहें तो इस पर तेल लगाकर भी सेक सकती हैं। अच्छी तरह सिकी गरमागरम और कुरकुरी ओट्स रोटी लो फैट दही के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2600

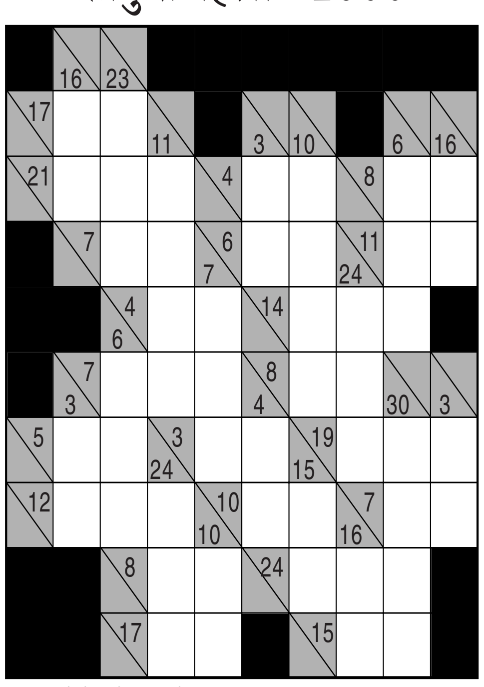

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

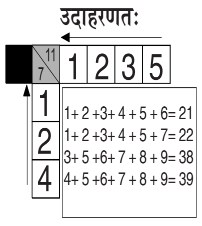

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2599 का हल

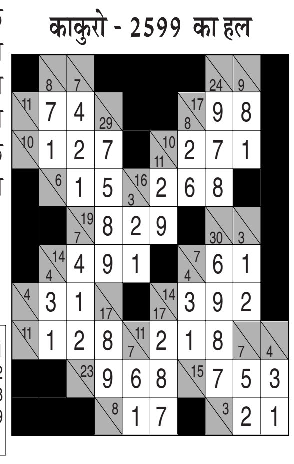

लॉफिंग ज़ोन

एक पुस्तक व्यापारी कुछ किताबें खरीदने हेतु एक सप्ताह के लिए लखनऊ गया। उसे लखनऊ में ऊँची चीज मिल गई और उसका दिल वहीं रह गया। जब कई दिन फालतू लग गए तो उसने अपनी पत्नी को तार दिया- 'अभी खरीददारी जारी है अगले सप्ताह हम...।'

पत्नी पति को जानती थी। वह तुरंत समझ गई।

उसने वापसी में तार भेजा- तुरंत लौट आओ...! यदि कल शाम तक वापसी नहीं हुई तो वही बेचना शुरू कर दूँगी जो तुम खरीद रहे हो।

□ □ □

रमन के बड़े भैया नरेश पिछले कई महीनों से बहुत परेशान थे। वे रमन से बोले- छोटे! मैं बहुत परेशान हूँ। मेरी बीवी हमेशा अपने पुराने पति का जिक्र करके मुझे ताना देती रहती है।

रमन बोला- भैया! ये तो कुछ भी नहीं है। मेरी बीवी ने तो अभी से मुझे उसके अगले होने वाले पति का ताना देना शुरू कर दिया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2600

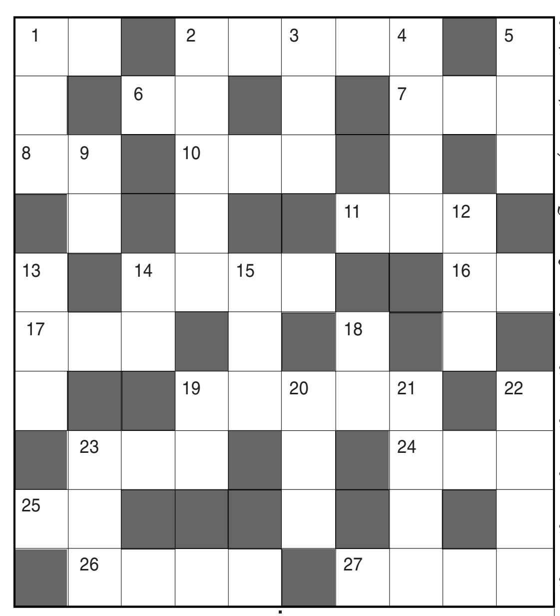

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2599

सूडोकु -2600

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2599 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली -2600

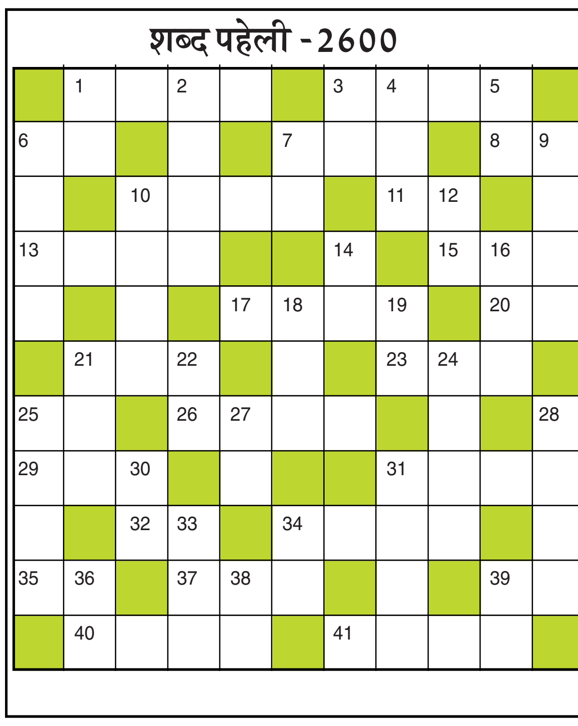

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -2599 का हल

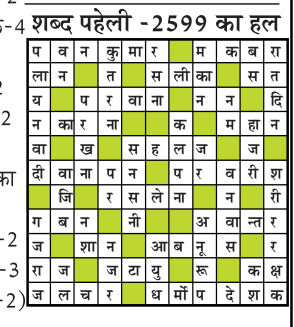

मध्य प्रदेश में पानी पर भी बिजली और पानी से भी एनर्जी स्रोत मजबूत हुए : मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश आज उन क्षेत्रों में अग्रणी है, जो उद्योगों के लिए सबसे आवश्यक और महत्वपूर्ण हैं। प्रदेश में सरप्लस बिजली के साथ पर्याप्त लैंड बैंक उपलब्ध है। प्रदेश में पानी पर सोलर पैनल से भी बिजली बनाई जा रही है, साथ ही पानी से एनर्जी के भी स्रोत मजबूत हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव शाम इंदौर के होटल शेरेटन में आयोजित हिंदू इकोनॉमिक फोरम के इंदौर चैप्टर के शुभारंभ कार्यक्रम में 'अर्थ अभ्युदय' विषय पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में उद्योगपतियों को प्रदेश की उद्योग नीति और औद्योगिक विकास के प्रति शासन की प्रतिबद्धता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योगों के नए सेक्टर पर लगातार कार्य किया जा रहा है। इसमें धार्मिक पर्यटन के साथ मेडिकल टूरिज्म भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आर्थिक प्रगति में उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। आर्थिक विकास के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002-03 में मध्य प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय लगभग 11 हजार रुपये हुआ करती थी।

नदी से अपना पता जोड़ना संस्कृति और जीवन से जुड़ाव का प्रतीक है: डॉ. सच्चिदानंद जोशी

नई दिल्ली। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि नदी से अपना पता जोड़ना केवल भौगोलिक पहचान नहीं बल्कि संस्कृति और जीवन से जुड़ाव का प्रतीक है। डॉ जोशी ने आज दिल्ली स्थित आईजीएनसीए में आयोजित तीन दिवसीय 7वें 'नदी उत्सव' के समापन समारोह में कही। इस दिन विचार-विमर्श, वृत्तचित्र, फोटोग्राफी, नाटक और पर्यावरण संरक्षण के विविध माध्यमों से नदियों की सांस्कृतिक एवं पारिस्थितिक महत्ता को रेखांकित किया गया। डॉ जोशी ने कहा कि नदियां केवल जल स्रोत नहीं हैं, बल्कि हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग हैं। कवि नरेश सक्सेना की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, पुल पार करने से नदी पार नहीं होती, नदी को समझने के लिए उसमें उतरना होगा। नदी उत्सव का उद्देश्य महज औपचारिकता निभाना नहीं, बल्कि समाज को नदियों के प्रति जवाबदेह बनाना है। इस अवसर पर 'यमुना रिवर इनिशिएटिव (यारी)' की मानद सचिव अम्बिका पंत ने स्कूली बच्चों में नदियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

सरकार में एआई के प्रभावी इस्तेमाल के लिए कंप्यूटिंग, मॉडल और डेटा का एकीकरण जरूरी : मेइटी सचिव

नई दिल्ली। सरकार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभावी इस्तेमाल के लिए कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे, एआई मॉडल और डेटा को एक साथ जोड़कर मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की जरूरत है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी) के सचिव एस. कृष्णन ने यह बात कही। रेलटेल द्वारा आयोजित 'एआईइञगवर्नमेंट : पावरिंग द फ्यूचर' कार्यशाला को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए कृष्णन ने कहा कि भारत को ऐसे एआई अनुप्रयोग विकसित करने होंगे जो देश की बहुभाषी, बहुसांस्कृतिक और अलग-अलग क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप हों। उन्होंने स्वदेशी एआई क्षमताओं के विकास, डेटा संप्रभुता और साइबर सुरक्षा को भी महत्वपूर्ण बताया।उन्होंने कहा कि एआई का इस्तेमाल शासन, नागरिक-केंद्रित सेवाओं और उद्यमों में व्यापक बदलाव ला सकता है। उन्होंने इस दिशा में सरकार की इंडिया एआई मिशन के तहत की जा रही पहल का भी उल्लेख किया।

मप्र के छतरपुर में भीषण सड़क हादसा, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में सागर-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मातगुवां थाना क्षेत्र के चौका गांव के पास शनिवार शाम को बोलेरो और ट्रक की भीषण टक्कर में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। हादसे में बोलेरो चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग फंस गए। सूचना मिलते ही मातगुवां पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। स्थानीय लोगों ने वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकालने में मदद की। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सभी लोग बिजावर क्षेत्र के रहने वाले थे और बगौता में एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में चौका गांव के पास बोलेरो की सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई।

ब्रह्मोस को लेकर सवालों की बौछार

'काल' और 'तेजस्वन' ने खींचा युवाओं का ध्यान

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। ब्रह्मोस की प्रतिकृति सामने थी और युवाओं के सवाल लगातार जारी थे। मिसाइल की तकनीक से लेकर उसके इस्तेमाल तक जेन जी और जेन अल्फा हर पहलू को समझना चाह रहे थे। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर का पैवेलियन नई पीढ़ी की जिज्ञासा के साथ प्रदेश में आकार ले रही रक्षा उत्पादन क्षमता को भी सामने ला रहा है। यहां मिसाइल से लेकर अत्याधुनिक ड्रोन और सुरक्षा उपकरणों तक रक्षा क्षेत्र में तैयार हो रही तकनीक प्रदर्शित की गई है। योगी सरकार ने प्रदेश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए डिफेंस कॉरिडोर को निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित किया है। सरकार की ओर से कंपनियों को मिलने वाले सहयोग और निवेश के लिए तैयार किए गए माहौल का असर ट्रेड शो

के पैवेलियन में दिखाई दे रहा है। सरकारी, निजी और अर्धसरकारी क्षेत्र की कंपनियां सैन्य उपयोग के उपकरण और तकनीक लेकर यहां पहुंची हैं। इससे युवाओं को रक्षा क्षेत्र की तकनीक करीब से देखने का अवसर भी मिल रहा है। कानपुर की कैपिटल एयरगन कंपनी ने बुलेट प्रूफ जैकेट, हेलमेट और सदरी के साथ 9 एमएम, 0.32 बोर, 0.30 बोर, 0.45 बोर और 12 बोर के हथियारों से जुड़े उपकरण प्रदर्शित किए हैं। कंपनी के ऑपरेशनल एंड मार्केटिंग मैनेजर हर्षित द्विवेदी ने बताया कि पिछले वर्ष कंपनी ने ट्रेड शो में हिस्सा लिया था। इसके बाद निजी क्षेत्र के लोगों ने कंपनी से संपर्क किया और कंपनी के वार्षिक कारोबार में भी अच्छी बढ़ोतरी हुई। झांसी और नोएडा आधारित आईजी डिफेंस कंपनी का 'काल' ड्रोन पैवेलियन के प्रमुख आकर्षणों में शामिल है। कंपनी के अनुसार यह भारत का पहला स्वदेशी लंबी दूरी का वन-वे अटैक ड्रोन है। 21 सितंबर 2026 को राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में इसका सफल परीक्षण किया गया। यह ड्रोन 1000 किलोमीटर तक की दूरी तय करने और 50 किलोग्राम तक पेलोड ले जाने में सक्षम है। नाइट विजन सुविधा के कारण रात में भी तस्वीरें उपलब्ध कराने की क्षमता इसमें है। आईआईटी कानपुर के सहयोग से तैयार मराल एयरोस्पेस का 'तेजस्वन' ड्रोन भी युवाओं को आकर्षित कर रहा है। सौर ऊर्जा से संचालित यह ड्रोन पांच किलोग्राम तक सामग्री ले जाने और 300 किलोमीटर तक उड़ान भरने में सक्षम है।

फार्मेसी के क्षेत्र में दुनिया में बढ़ रहा भारत का प्रभुत्वः आशीष चौहान

लखनऊ। फार्मोविजन के दो दिवसीय 13वें राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ में हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, विशिष्ट अतिथि आब्री ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ अरोड़ा और अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने दीप प्रज्वलित कर किया। अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को वैश्विक फार्मेसी क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका को और मजबूत किया है। उन्होंने 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में भारत की पहचान को विकसित भारत 2047 के संकल्प से जोड़ते हुए कहा कि फार्मेसी के क्षेत्र में भारत का बढ़ता प्रभुत्व केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है बल्कि यह वैश्विक स्वास्थ्य एवं मानव कल्याण में भारत के योगदान का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि भारत की फार्मेसी, अनुसंधान, नवाचार और औषधि निर्माण की क्षमता का उपयोग विश्व कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में फार्मेसी क्षेत्र भारत की आत्मनिर्भरता, वैश्विक नेतृत्व और मानवता की सेवा के संकल्प को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि फार्मेसी के क्षेत्र में आज भारत लगातार नए नए शोध और नवाचार से वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता को मजबूत कर रहा है। भारत ग्लोबल मार्केट में सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाओं और टीकों का सबसे बड़ा प्रदाता है ।

केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने जयंती पर अशोक सिंघल को किया याद और नमन

'आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति, संगठन कौशल और राष्ट्रहित के प्रति निष्ठा आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा देती रहेगी।'

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख सूत्राधार एवं विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल की जयंती पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और अर्जुन राम मेघवाल समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री ने याद करते हुए नमन किया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'विश्व हिंदू परिषद के शिखर पुरुष अशोक सिंघल की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन।' केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर लिखा, 'श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार, विश्व हिंदू परिषद के पूर्व संरक्षक एवं प्रखर राष्ट्रभक्त अशोक सिंघल की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन !सनातन संस्कृति के जागरण, समाज को एकजुट करने और प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने में आपका योगदान युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगा। '

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पर पोस्ट किया, 'राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए अपना संपूर्ण जीवन होम कर देने वाले, श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के ध्वजवाहक, विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अध्यक्ष, श्रद्धेय अशोक जी सिंघल की जयंती पर

उन्हें कोटिशः नमन अर्पित करता हूं!भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं राष्ट्र के नवनिर्माण में समर्पित आपका जीवन सदैव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा। ' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट किया, 'विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रणेता और भव्य श्री राम मंदिर के निर्माण के संकल्प को अपनी जीवन-साधना बनाने वाले अशोक सिंघल की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि।'राम, राष्ट्र एवं सनातन संस्कृति' के प्रति समर्पित उनका तपस्वी जीवन सांस्कृतिक स्वाभिमान और राष्ट्र-साधना की अमिट प्रेरणा बना रहेगा। ' बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर लिखा, 'श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख ध्वजवाहक एवं विश्व हिन्दू परिषद के शिखर पुरुष श्रद्धेय अशोक सिंघल की जयंती पर सादर नमन। धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण तथा श्रीराम मंदिर आंदोलन में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। '

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार, विश्व हिंदू परिषद के पूर्व संरक्षक एवं प्रखर राष्ट्रभक्त पूज्य अशोक सिंघल जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! सनातन संस्कृति के जागरण, समाज को एकजुट करने और प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने में आपका योगदान युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगा। ' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट किया, 'सनातन संस्कृति के प्रखर संवाहक, हिंदू समाज के संगठन और जागरण के लिए जीवन समर्पित करने वाले परम श्रद्धेय अशोक सिंघल की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। '

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर लिखा, 'हिंदू समाज के संगठन, भारतीय संस्कृति के जागरण और राष्ट्रसेवा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष श्रद्धेय अशोक सिंघल जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका और समाज के बीच जनजागरण के लिए किए गए आपके अथक प्रयास सदैव स्मरणीय रहेंगे।

मप्र के भेड़ाघाट में बनेगा देश का पहला विश्वस्तरीय जियोलॉजिकल पार्क और म्यूजियम

केंद्र सरकार ने 87 करोड़ रुपये की परियोजना को दी मंजूरी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में विश्व प्रसिद्ध भेड़ाघाट-लम्हेटाघाट में देश का पहला विश्वस्तरीय जियोलॉजिकल म्यूजियम तथा पर्यटक सुविधाएं विकसित करने की 87 करोड़ रुपये की परियोजना को केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। परियोजना स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के माध्यम से लगभग 12 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित की जाएगी।

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने यह जानकारी दी। मंत्री सिंह ने बताया कि उन्होंने परियोजना की परिकल्पना को ठोस स्वरूप देने, प्रस्ताव तैयार कराने, संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने और केंद्र सरकार से स्वीकृति दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए। परियोजना के प्रत्येक निर्माण को प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप रखने, संग्रहालय को आकर्षक और शिक्षाप्रद बनाने तथा लम्हेटा फॉर्मेशन, रानी दुर्गावती और

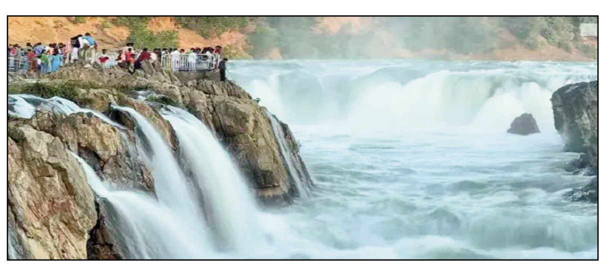

परियोजना की मंजूरी से जबलपुर के पर्यटन विकास को नई गति मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार तथा व्यापार के अवसर बढ़ेंगे। गौरतलब है कि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने 18 जनवरी 2024 को मंत्रालय में जियो पार्क की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और डिजाइन का प्रस्तुतिकरण देखा था। उन्होंने जबलपुर की भू-संस्कृति को इसमें प्रमुखता से शामिल करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने प्रकृति अनुभव आधारित पर्यटन, नेचर स्टे और स्थानीय समुदाय की भागीदारी को भी परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने पर जोर दिया था। मंत्री सिंह परियोजना की प्रगति और स्वीकृति की प्रक्रिया का लगातार अनुसरण करते रहे।

भोपाल में डीआरआई की बड़ी कार्रवाई

3.5 करोड़ की ड्रग्स के साथ नाइजीरियन महिला समेत दो गिरफ्तार

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने 4.38 किलो मादक पदार्थ (एम्फेटामाइन ड्रग्स) जब्त किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपये बताई गई है। इस दौरान एक नाइजीरियाई महिला समेत दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई भोपाल और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर की गई है। डीआरआई द्वारा जानकारी दी गई कि विभाग को सूचना मिली थी कि हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) से ट्रेन से भोपाल आ रहा एक भारतीय पुरुष यात्री नशीला पदार्थ लेकर जा रहा है। भोपाल पहुंचने पर अधिकारियों ने ट्रेन में बैठे यात्रियों की तलाशी ली। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति के पास मौजूद नीले डफल बैग में 3 पॉलीथिन पैकेट मिले। इनमें 2.014 किलो सफेद क्रिस्टलीय पदार्थ था। एनडीपीएस फील्ड टेस्ट किट से जांच में इसके एम्फेटामाइन होने की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने तुरंत उसे पकड़कर पैकेट जब्त कर लिए। दूसरी कार्रवाई में डीआरआई अधिकारियों ने आगरा कैंट से ट्रेन से भोपाल आ रही एक नाइजीरियाई महिला यात्री को रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर रोका।

उसके सामान की विस्तृत तलाशी के दौरान चार सलवार कुर्तों के अंदर छिपाए गए चार पैकेट मिले। जांच में इन पैकेटों में एम्फेटामाइन की पुष्टि हुई। चारों पैकेटों में कुल 2.368 किलो क्रिस्टलीय एम्फेटामाइन था। डीआरआई के अनुसार, दोनों कार्रवाइयों में कुल 4.38 किलो एम्फेटामाइन जब्त किया गया। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपये है। दोनों आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

मप्र के गुना जिले के नवाचार 'मोबाइल कोर्ट' को मिला प्रतिष्ठित स्कोच अवार्ड

भूमि विवादों के त्वरित निराकरण की पहल को 109वें स्कोच समिट में फाउंडेशन ऑफ इन्क्लूसिव ग्रोथ श्रेणी में मिला सम्मान

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के गुना जिले के राजस्व विभाग के नवाचार 'मोबाइल कोर्ट' को देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित 109वें स्कोच समिट 2026 में 'फाउंडेशन ऑफ इन्क्लूसिव ग्रोथ' श्रेणी के अंतर्गत प्रतिष्ठित स्कोच अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल को प्रदान किया गया, जिसे उनकी ओर से एसडीएम अमित सोनी एवं तहसीलदार देवदत्त गोलिया ने ग्रहण किया। राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान जिला प्रशासन गुना की नवाचार आधारित एवं नागरिक-केंद्रित कार्यप्रणाली की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जनसम्पर्क अधिकारी संजय

सक्सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन में संचालित 'मोबाइल कोर्ट' पहल का उद्देश्य प्रशासन को आमजन के द्वार तक पहुंचाकर भूमि संबंधी मामलों एवं विवादों का मौके पर ही त्वरित निराकरण करना है। इस पहल के माध्यम से अब तक 424 से अधिक मामलों का निराकरण किया जा चुका है। लंबे समय से लंबित विवादों को पक्षकारों की आपसी सहमति से सुलझाने की दिशा में भी प्रभावी प्रयास किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 'मोबाइल कोर्ट' के माध्यम से राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर प्रकरणों की सुनवाई और निराकरण करते हैं। इससे आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार शासकीय कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम हुई है। समयबद्ध निराकरण से भूमि संबंधी विवादों में कमी लाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में भी सहायता मिली है। जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि 'मोबाइल कोर्ट' को मिला स्कोच अवार्ड जिला प्रशासन गुना के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह सम्मान नागरिकों तक प्रशासनिक सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, नवाचार के माध्यम से स्थानीय समस्याओं के समाधान और नागरिक-केंद्रित सुशासन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान को दर्शाता है। जिला प्रशासन द्वारा जनसेवा को अधिक प्रभावी, सुगम और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

राहुल गांधी अपनी विफलता का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रहे हैं : रविशंकर

रविशंकर प्रसाद ने विपक्षी गठबंधनों को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा।

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस अपनी राजनीतिक विफलता का ठीकरा चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर फोड़ रहे हैं। पत्रकारवार्ता में रविशंकर प्रसाद ने कहा कि चुनाव आयोग ने साफ कर दिया है कि एसआईआर कानून के तहत है और किसी पात्र मतदाता को उसके मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि एसआईआर से जुड़े फैसले मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिए गए हैं।उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया 24 जून 2025 से शुरू हुई और अलग-अलग राज्यों में इसे लागू किया गया। प्रसाद के मुताबिक, 27 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने भी एसआईआर की प्रक्रिया को उचित

माना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, कम्युनिस्ट पार्टी और अन्य विपक्षी दलों ने एसआईआर को अदालत में चुनौती दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब कांग्रेस चुनाव जीतती है तो चुनाव आयोग, वोटर लिस्ट और ईवीएम पर सवाल नहीं उठाए जाते, लेकिन चुनाव हारने के बाद इन्हीं संस्थाओं पर आरोप लगाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को चुनाव आयोग पर आरोप लगाने के बजाय जनता के बीच जाकर मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि फॉर्म-6 और मतदाता सूची से जुड़े प्रावधानों का भी कानून में उल्लेख है और संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को चुनाव प्रक्रिया संचालित करने का अधिकार दिया गया है।

कांग्रेस के घटते जनाधार का किया जिक्र

भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस को अपनी राजनीतिक स्थिति पर आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के बीच मेहनत करने के बजाय कांग्रेस चुनावी हार के लिए संवैधानिक संस्थाओं को जिम्मेदार ठहरा रही है। उन्होंने कहा कि देश में लंबे समय से अलग-अलग राजनीतिक दल चुनाव जीतकर सरकार बनाते रहे हैं। यह चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया के जरिए ही संभव हुआ है। ऐसे में चुनाव हारने के बाद चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना उचित नहीं है। रविशंकर प्रसाद ने विपक्षी गठबंधनों को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि जिन दलों ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, उन्हें राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का अपना जनाधार लगातार कमजोर हुआ है। भाजपा सांसद ने कहा कि चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन लोगों को नोटिस दिया गया है, उनके मामले में बीएलओ जानकारी जुटाने के लिए खुद उनके पास जाएंगे। उन्होंने कहा कि लोगों को परेशान होने या अनावश्यक रूप से कहीं जाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने विपक्ष से कहा कि वह जनता का विश्वास जीतने के लिए काम करे और चुनाव में हार-जीत की जिम्मेदारी स्वीकार करे।

न्यूट्रास्यूटिकल्स इकाइयों को खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश

एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश में न्यूट्रास्यूटिकल्स, हेल्थ सप्लीमेंट्स, विशेष आहार एवं विशेष चिकित्सा उद्देश्य वाले खाद्य उत्पादों के निर्माण और कारोबार में खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएस डीए) ने महत्वपूर्ण बिंदु जारी किए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि न्यूट्रास्यूटिकल्स से जुड़े सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं के लिए संबंधित श्रेणी और कारोबार के प्रकार के अनुसार एफएसएसएआई लाइसेंस लेना अनिवार्य है। निर्माण, पुनः लेबलिंग, पुनः पैकिंग, आयात, वितरण और व्यापार में निर्धारित खाद्य श्रेणी के अनुरूप ही कारोबार किया जा सकेगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि न्यूट्रास्यूटिकल्स और अन्य स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उत्पादों को दवाओं से अलग श्रेणी में रखना होगा। उत्पाद की संरचना, उपयोग का उद्देश्य और स्वरूप ऐसा होना चाहिए कि उसे दवा या औषधि के रूप में वर्गीकृत न किया जाए। ऐसे उत्पादों में किसी भी प्रकार के हार्मोन, स्टेरॉयड, मादक पदार्थ, मनःप्रभावी पदार्थ या कृत्रिम औषधीय सक्रिय अवयव का प्रयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। न्यूट्रास्यूटिकल्स के निर्माण में एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित अनुसूचियों के अंतर्गत आने वाली सामग्री का ही इस्तेमाल किया जा सकेगा। इनमें अनुसूची-1 में पोषक तत्व जैसे विटामिन, खनिज और अमीनो एसिड, अनुसूची-2 में पौधे एवं वनस्पतियां, अनुसूची-3 में अणु, पृथक पदार्थ और अर्क, तथा अनुसूची-4 में प्रीबायोटिक एवं प्रोबायोटिक शामिल हैं। पौधों के केवल अनुमन्य भागों और स्वीकृत वनस्पतियों के उपयोग की अनुमति होगी। निर्माता के पास अर्क अनुपात, दैनिक उपयोग सीमा, निष्कर्षण में इस्तेमाल विलायक, सक्रिय संकेतक और मानकीकरण से संबंधित तकनीकी दस्तावेज उपलब्ध होना आवश्यक है। गैर-अनुमोदित विलायक या प्रक्रियाओं के इस्तेमाल के लिए एफएसएसएआई से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। यदि किसी उत्पाद के संबंध में विशेष स्वास्थ्य लाभ का दावा किया जाता है तो संबंधित दावे के लिए खाद्य प्राधिकरण से मंजूरी लेना आवश्यक होगा। वहीं, यदि किसी उत्पाद में ऐसा नया अवयव, वनस्पति अर्क या अणु शामिल है जो एफएसएसएआई की स्वीकृत सूची में नहीं है अथवा जिसका 15 वर्षों का सुरक्षित उपयोग इतिहास उपलब्ध नहीं है, तो उसे गैर-निर्दिष्ट खाद्य की श्रेणी में मंजूरी प्राप्त करनी होगी।

एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में आज होगा भारत और अफगानिस्तान का मुकाबला

नागोया (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को यहां रैंकिंग के आधार पर सीधे ही क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिला है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेवार हालांकि जापान की धरती पर मिलने वाली अनूठी चुनौतियों के कारण वह अफगान टीम को हल्के में नहीं लेंगी। भारतीय टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। जिस प्रकार यहां हाल ही में जापान की टीम के खिलाफ एक मैत्री मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाज सानो की टर्निंग पिच पर संघर्ष करते दिखे थे।

टोक्यो से नागोया तक बुलेट ट्रेन का सफर कर पहुंचे भारतीय खिलाड़ियों ने इस यात्रा का भरपूर आनंद लिया, जो उनके लिए एक नया और सुखद अनुभव रहा। क्रिकेट नहीं खेलने वाले देश में पहली बार खेलना अधिकांश खिलाड़ियों के लिए रोमांचक अनुभव है। नागोया पहुंचने के दौरान बीसीसीआई की वेबसाइट पर श्रेयस अय्यर ने इस अनुभव को खूबसूरत बताया। भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी मजबूत टीम भेजी है, जिसमें अय्यर के अलावा जसप्रीत बुमराह, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट की मौजूदा गहराई को देखते हुए, कुछ विशेषज्ञों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे, उनका मानना था कि टीम का मुख्य लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वपवर्ल्ड कप पर होना चाहिए। हालांकि, टीम का लक्ष्य स्पष्ट है: स्वर्ण पदक से कम कुछ भी नहीं।

दूसरी ओर हाल ही में भारत दौरे में तीन मैच हारने से अफगानिस्तान की टीम का मनोबल गिरा हुआ है। इसलिए दारविश रसूली की कप्तानी में टीम नए खिलाड़ियों के थ उतरी है। इस टीम में छह खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर खेलेंगे। अफगानिस्तान पहले ही टूर्नामेंट में दो मैच खेल चुका है; उसने जापान को हराया लेकिन नेपाल के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में

सभी की निगाहें 15 वर्षीय युवा प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी पर टिकी हैं, जो टीम के सबसे युवा सदस्य हैं, हालांकि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें मौका मिलने की उम्मीद कम ही है। भारत को स्वर्ण पदक जीतने के लिए सिर्फ तीन जीत दर्ज करनी होगी, और टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस चुनौती के लिए तैयार है।

टीम इस प्रकार है

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, नीतिश कुमार रेड्डी, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, वैभव सूर्यवंशी , विपराज निगम, यश ठाकुर

अफगानिस्तान : दारविश रसूली (कप्तान), मोहम्मद इशाक, इमरान मीर, नजीबुल्लाह जदरान, इस्मत आलम, करीम जनत, नांगेयालिया खरोटी, अब्दुल्लाह अहमदजइ, खालिद तानीवाल, मोहम्मद अकरम, फरीदून दाउदजइ, फरमानुल्लाह सफी, हसन इसाखिल, फैसल शिनोजादा, अरब गुल मोमांद।

एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय तीरंदाजी टीमें

नगोया (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों की तीरंदाजी स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। इन खेलों में शामिल भारतीय कंपाउंड और रिकर्व मिक्स्ड टीमों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में जगह बनायी। इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए टीम को प्रवेश मिलेगा। इससे ये और भी अहम हो जाते है।

कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में चिकिथा तानिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने सटीक निशाने लगाते हुए राउंड ऑफ 16 में मंगोलियाई टीम को 160-146 से हराया। इसके बाद, क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के खिलाफ मिली 159-154 की जीत के साथ ही सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

वहीं रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद की जोड़ी ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए राउंड ऑफ 16 में यूएई को 6-0 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में वियतनाम के खिलाफ भी 6-0 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी।

इससे पहले, कंपाउंड महिला और पुरुष टीमों ने भी जीत के साथ सही सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिथा तनिपार्थी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रोक्साना यूनुसोवा, विक्टोरिया ल्यान और एडेल जेंक्सेनबिनोवा की टीम को 233-230 से हराया जबकि कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुष टीम ने भूटान के केजांग नोरबू, त्सेतुम गेशे और टंडिन दोरजी को क्वार्टर फाइनल में 235-232 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया

कुल मिलाकर, इन खेलों से ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर हैं। इनमें रिकर्व पुरुषों और महिलाओं के व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दो-दो कोटा जगहें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, रिकर्व मिश्रित टीम और कंपाउंड मिर टीम चैंपियनों में से प्रत्येक को पुरुषों और महिलाओं का एक-एक कोटा मिलेगा, जिससे शीर्ष स्थान के लिए संघर्ष और बढ़ गया है।

नमन धीर एकदिवसीय डेब्यू करने वाले 264वें भारतीय खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज रविवार से यहां तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू हुई। इसमें पहले ही मुकाबले में युवा ऑलराउंडर नमन धीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया है। कप्तान शुभमन गिल ने उन्हें भारतीय कैप सौंपी, जिसके साथ वह भारत के लिए एकदिवसीय खेलने वाले 264वें और अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले 422वें खिलाड़ी बन गए हैं।नमन को घरेलू क्रिकेट में पंजाब के लिए और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए किए गए अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में अवसर मिला है। अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से उन्होंने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। उन्होंने अब तक 14 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिनमें 39 के औसत और 106 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 357 रन बनाए हैं। इन मैचों में उनके नाम चार अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 97 रन रहा है। वहीं गेंदबाजी में भी उन्होंने सात विकेट लिए हैं। इससे उनकी ऑलराउंड क्षमता दिखती है।

भारतीय टीम चार तेज गेंदबाजों और दो ऑलराउंडरों के साथ मैदान में उतरी। कप्तान शुभमन गिल ने आगे कहा कि आगामी विश्व कप से पहले भारत के पास लगभग 20 एकदिवसीय मैच हैं, और यह समय विभिन्न संयोजनों को आज़माने और खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देने का है ताकि विश्व कप के लिए सबसे प्रभावी टीम तैयार की जा सके। इस सीरीज से भारतीय टीम के लिए आगामी बड़े टूर्नामेंटों से पहले अपनी रणनीतियों और बेंच स्ट्रेंथ को परखने का अच्छा अवसर है।

अनाहत एशियाई खेलों के फाइनल में हारी, ओलंपिक का टिकट भी हाथ से निकला

नागोया (एजेंसी)। भारत की महिला स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह को एशियाई खेलों के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के साथ ही अनाहत के हाथों से ओलंपिक में खेलने का अवसर भी निकल गया। हांगझोऊ में आयोजित इस स्पर्धा के फाइनल में 18 साल की अनाहत को मलेशिया की अनुभवी शिवसंगरी सुब्रमण्यम ने सीधे गेमों में 3-0 से हरा दिया। इससे अनाहत को रजत पदक ही मिल पाया। इस हार से अनाहत का ओलंपिक खेलने क सपना भी टूट गया। यहां स्वर्ण जीतने पर उन्हें ओलंपिक टिकट मिलत जो अब नहीं मिलेगा। स्क्वैश को पहली बार 2028 लांस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल किया जा रहा है, और इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने का मौका अनाहत ने खो दिया।

फाइनल मुकाबले में शिवसंगरी ने अपने अनुभव और सटीक रणनीति का शानदार प्रदर्शन करते हुए अनाहत पर शुरू से ही दबाव बना दिया और मैच के तीनों गेम 11-4, 11-4 और 11-7 के स्कोर से जीत लिए। अपनी आक्रामक शैली और कोर्ट पर ऊर्जा के लिए जानी जाने वाली अनाहत ने मलेशियाई प्रतिद्वंद्वी के सामने अपनी लय हासिल कर वापसी के प्रयास किये पर असफल रही। । मैच के दौरान शिवसंगरी ने अनाहत को लगातार विनर्स लगाने का कोई बड़ा मौका नहीं दिया और अपनी सधी हुई खेल शैली से उन पर लगातार आक्रमण जारी रखा। इस रणनीति ने अनाहत को अपनी स्वाभाविक खेल शैली में आने का अवसर ही नहीं दिया, जिससे वह वापसी करने में विफल रहीं।

इससे पहले अनाहत ने शनिवार को जापान की दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सातोमी वातानाबे को सेमीफाइनल में हराया था। फाइनल में वह अपनी लय में नहीं दिखीं। वहीं फाइनल में मलेशियाई खिलाड़ी शिवसंगरी ने अपनी रणनीति को पूरी तरह से अमल में लाया। शिवसंगरी ने अनाहत-सातोमी सेमीफाइनल को करीब से देखा था और उसी के आधार पर अपनी रणनीति बनाई, जिससे वह भारतीय खिलाड़ी को अपनी सहज खेल शैली में आने से रोकने में पूरी तरह सफल रहीं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में सिराज को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान

तिरुवनंतपुरम ।भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आज से यहां शुरु हुई सीरीज के पहले ही मैच में कई बदलाव कर सभी को हैरान कर दिया।भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान रह गये। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की वापसी से उन्हें कुछ राहत मिली।कई विश्लेषकों का मानना था कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण संभालेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल दो ही मुख्य तेज गेंदबाजों प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार के साथ मैदान में उतरी है।प्रसिद्ध कृष्णा के पास 28 एकदिवसीय मैचों का अनुभव है पर युवा गुरनूर बरार ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल 6 ही मुकाबले खेले हैं, जिससे उनका अनुभव काफी कम है। वहीं, 50 एकदिवसीय मैचों का अनुभव रखने वाले सिराज को जगह नहीं मिली।टीम के पास तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में ऑलराउंडर नीतिश कुमार रेड्डी भी हैं।इस मुकाबले में एक और बड़ा फैसला पंजाब के युवा खिलाड़ी नमन धीर को भारतीय टीम में पदार्पण का मौका देना रहा।यह नमन के लिए किसी भी प्रारूप में भारत की तरफ से पहला मैच है।

एशियन गेम्स 2026 : हरिता भद्रा ने महिलाओं की 200 मीटर रेस में जीता ब्रॉन्ज मेडल

नागोया।एशियन गेम्स 2026 में भारत की हरिता भद्रा ने महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है।महिलाओं की 200 मीटर फाइनल रेस में हरिता ने 23.20 सेकंड का समय निकाला और तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

200 मीटर फाइनल में हरिता का कमाल– हरिता भद्रा ने एशियन गेम्स 2026 की महिलाओं की 200 मीटर फाइनल स्पर्धा में हिस्सा लिया। उन्होंने अपनी रेस को 23.20 सेकंड में पूरा किया।इस समय के साथ हरिता ने पोडियम पर जगह बनाई और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारत के खाते में आया एथलेटिक्स मेडल–हरिता भद्रा का यह प्रदर्शन एशियन गेम्स 2026 में भारत के एथलेटिक्स अभियान के लिए महत्वपूर्ण रहा।महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने पत्नी संग बाबा महाकाल के दर्शन किए, भस्म आरती को बताया दिव्य अनुभव

उज्जैन ।पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने अपनी पत्नी प्रियंका रैना के साथ आज उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन किये।दोनों ने मंदिर में आयोजित सुबह की भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया।उनके साथ प्रियंका के भाई विवेक और उनकी पत्नी स्नेहा भी मौजूद थीं, जिन्होंने परिवार सहित इस पावन अवसर का लाभ उठाया।भस्म आरती के दौरान पूरा परिवार भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ नजर आया। भस्म आरती संपन्न होने के बाद रैना ने अपने इस आध्यात्मिक अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्हें जय श्री महाकाल का उद्घोष करते हुए बहुत अच्छा लगा और उन्होंने दर्शन का भरपूर आनंद लिया।रैना ने मंदिर प्रबंधन और यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट और दर्शनार्थियों की सुविधा संभालने वाले सभी लोगों ने बेहद व्यवस्थित और प्रभावशाली तरीके से इंतजाम किए हैं।

रैना ने महाकाल की पूजा संपन्न कराने वाले पुजारियों की भी भूरी-भूरी प्रशंसा की।रैना ने बताया कि पुजारियों ने ऐसा आध्यात्मिक और भक्तिमय माहौल बनाया कि वहां उपस्थित सभी भक्तगण भगवान महाकाल की भक्ति में पूरी तरह डूब गए।उन्होंने पुजारियों और मंदिर प्रबंधन का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि हमने अच्छे तरह दर्शन किये।पूजा भी काफी अच्छे से हुई।साथ ही कहा कि जितने भी लोग यहां पर दर्शन करने आए हैं, उनके लिए काफी अच्छी सुविधा उपलब्ध है।और उससे बढ़िया महाकाल की पूजा में जितने भी हमारे पुजारी थे, उन्होंने सभी कुछ अच्छे से कराया, सब लोगों का आशीर्वाद मिला, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

एशियाई खेलों की स्क्वैश स्पर्धा में भारत के अभय सिंह को रजत

नगोया (एजेंसी)। भारत के अभय सिंह को एशियाई खेलों की स्क्वैश स्पर्धा में रजत पदक मिला है। स्क्वैश के पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में अभय को मलेशिया के एनग ईन यो के हाथों 9-11, 5-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही एनग ईन यो ने अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा।

इन खेलों में भारत को अब मुक्केबाज में एक कांस्य मिलना तय है जबकि तीरंदाजी और एथलेटिक्स में कई खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे है और इससे भारत को अभी और पदक मिलेंगे।

मुक्केबाजी में अंकुश पंघाल को पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में कांस्य पदक मिलना तय है। वहीं तीरंदाजी में पुरुष और महिला दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। जिससे वहां भी पदक तय है।

400 मीटर बाधा दौड़ में विथ्या रामराज (55.73 सेकंड, एसबी) और अनु राघवन (55.84 सेकंड, पीबी) दोनों अपनी-अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में पहुंचीं। वहीं, संतोष कुमार तमिलरासन ने भी पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में 49.61 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। सर्फिंग में कमाली प्रकाश, शुगर शांति गायेन और शिवराज बाबू ने अपने-अपने इवेंट के राउंड 3 के लिए क्वालिफाई किया, जबकि तलवारबाजी में भारतीय महिला टीम ने इंडोनेशिया को 45-23 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई और फिर आगे बढ़कर अपनी स्थिति मजबूत की।

वहीं बैडमिंटन में अनुभवी खिलाड़ी पीवी सिंधु महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की चेन यू फेई के हाथों हार के साथ ही पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। इसके अलावा उभरती हुई

खिलाड़ी उन्नति हुड्डा भी क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से कड़े मुकाबले में हार गईं। युगल स्पर्धाओं में भी गायत्री गोपीचंद/ट्रेसा जॉली (महिला युगल) और तनीषा क्रास्टो/ध्रुव कपिला (मिश्रित युगल) अपने क्वार्टर फाइनल मैचों से बाहर हो गए।

निशानेबाज में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के प्रिसिजन क्वालीफायर के बाद मनु भाकर 16वें और राही सरनोबत 15वें स्थान पर रहीं, जबकि ईशा सिंह ने छठे स्थान के साथ चुनौती बनाए रखी।

पीटरसन एकदिवसीय विश्वकप के लिए इंग्लैंड के विशेष सलाहकार बने

लंदन(एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन को टीम का विशेष सलाहकार नियुक्त किया गया है। वह अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप की तैयारी पर नजर रखेंगे। मौजूद जानकारी के अनुसार, पीटरसन श्रीलंका के खिलाफ होने वाली छह मुकाबलों की श्रृंखला से टीम के साथ जुड़ेंगे। इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के दौरों पर भी टीम के साथ काम करेंगे। विश्व कप से पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं में भी उनकी भूमिका जारी रहेगी।माना जा रहा है कि ने ईसीबी ने पीटरसन को जिम्मेदारी देने के पीछे दक्षिण अफ्रीका में उनके अनुभव को भी अहम कारण बताया है। पीटरसन का जन्म और पालन-पोषण दक्षिण अफ्रीका में हुआ है और अगला 50 ओवर का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। ऐसे में वहां के हालातों और क्रिकेट माहौल की उनकी समझ इंग्लैंड के लिए उपयोगी मानी जा रही है।

पीटरसन इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के साथ सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं। 2023 की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान वह कुछ समय के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजों के साथ भी काम कर चुके हैं। हालांकि, 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदाई के बाद उनका ज्यादातर समय प्रसारण और क्रिकेट विश्लेषण में बीता है।दिलचस्प बात यह है कि पीटरसन पिछले कुछ समय में इंग्लैंड की टीम व्यवस्था के आलोचक भी रहे हैं। 2025 की शुरुआत में भारत दौरे के दौरान उन्होंने टीम के अभ्यास और ट्रेनिंग के तरीके पर सवाल उठाए थे। पीटरसन ने इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान हैरी ब्रुक को लेकर भी पहले निराशा जताई थी।

जापान के कोच बोले, देश में कबड्डी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही

बैंकाक ।थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेट्टी ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताते हुए कहा है कि अब देश में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है।यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का कबड्डी में पहला पदक है।थाई कोच शेट्टी भारत के हैं और उनका मानना है कि इस पदक से साफ है थाईलैंड में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है।थाई टीम को जापान के नगोयो में हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम के हाथों से 28-66 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद थाई टीम को कांस्य मिला है। भारतीय टीम ने इस मैच में अपना प्रभाव बनाये रखा, हाफ-टाइम तक टीम ने 37-18 की मजबूत बढ़त ली और अंत में 66-28 के बड़े अंतर से जीत दर्ज की की। भारतीय टीम ग्रुप-ए में अपने सभी चार मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची थी। पिछले तीन साल से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे शेट्टी ने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहाँ बिल्कुल शून्य से काम शुरू किया था।उन्होंने कहा, मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं।मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी।मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद काम शुरू किया।अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं और थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है।रवींद्र ने बताया कि थाईलैंड में जमीनी स्तर पर कबड्डी के विकास ने गति पकड़ी है, खासकर स्कूली प्रतियोगिताओं और युवा कार्यक्रमों के माध्यम से।उन्होंने कहा, अभी, स्कूली स्तर पर कबड्डी शुरू हो रही है। हमारे अध्यक्ष हर चार महीने में युवा खेल आयोजित करते हैं।इसी वजह से कबड्डी का विकास हो रहा है।कोच ने यह भी बताया कि उनकी अकादमी में अभी 60 से ज्यादा युवा खिलाड़ी हैं, जिनमें 35 लड़कियां और 30 लड़के शामिल हैं, जो थाईलैंड के अलग-अलग हिस्सों जैसे बैंकॉक, चोनबुरी और अन्य राज्यों से प्रशिक्षण के लिए आते हैं।

वेस्टइंडीज बोर्ड ने खिलाड़ियों की अनुबंध फीस घटायी

जमैका ।क्रिकेट वेस्टइंडीज बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की अनुबंध फीस 25 फीसदी कम कर दी है। बोर्ड के अनुसार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सालाना अनुबंध मिलता रहेगा पर उनकी तय फीस पहले के मुकाबले 25 फीसदी कम होगी। वहीं घरेलू खिलाड़ियों को भी अब सात महीने को ही अनुबंध मिलेगा।पैसे की कमी के कारण ही बोर्ड ने पुरुषों की सुपर50 और महिलाओं की टी20 ब्लेज प्रतियोगिताएं रोक दी हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस डियरिंग ने कहा कि खिलाड़ियों और वेस्टइंडीज प्लेयर्स एसोसिएशन ने वर्तमान हालातों को समझते हुए सहयोग किया है।उन्होंने माना कि फीस में कटौती सही नहीं कही जा सकती पर इसके अलावा कोई और विकल्प नहीं है। बोर्ड के अनुसार पुरुषों की सुपर50 और महिलाओं की टी20 ब्लेज प्रतियोगिताओं को इसलिए आयोजित नहीं करने का फैसला किया है क्योंकि इन्हें आयोजित करने पर काफी खर्च आता है।गौरतलब है कि सुपर50 वेस्टइंडीज की पुरुष एकदिवसीय टीम तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों के लिए अहम मंच रहा है।ऐसे में इसका रुकना विकास और चयन प्रक्रिया पर भी असर डाल सकता है। वहीं अनुबंध राशि कम होने से टीम के अच्छे खिलाड़ी अब विदेशी लीग की तरह भाग सकते हैं।पहले ही उसके कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम को छोड़कर दुनिया भर की लीग में खेलते हैं। गौरतलब है कि वेस्टइंडीज को फरवरी-मार्च 2027 में एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर खेलना है। टीम 2023 के एकदिवसीय विश्व कप में जगह नहीं बना सकी थी।अब बोर्ड का कहना है कि उसका ध्यान पुरुष टीम को इस क्वालीफायर के लिए तैयार करने पर रहेगा।

सायना ने ट्राईसिटी मैराथन के अवसर पर फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश दिया

बोलीं खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की जरुरत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत की अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार सायना नेहवाल ने रविवार को फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश देने वाली 'एसके ट्राईसिटी मैराथन' को रवाना किया है। इस भव्य आयोजन में करीब 8,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ ही डिजिटल फ्रॉड और नशे के खिलाफ अभियान चलाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सायना ने देश को एक खेल राष्ट्र बनाने की अपनी परिकल्पना साझा की। उन्होंने कहा कि यदि भारत को जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों से खेल में प्रतिस्पर्धा करनी है, तो हर किसी को अपनी फिटनेस पर जोर देना होगा। सायना ने युवाओं से कहा है कि कम एक घंटा शारीरिक गतिविधियों को दें, क्योंकि भारत के भविष्य का निर्माण एक स्वस्थ और ऊर्जावान पीढ़ी ही कर सकती है। उन्होंने खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि कि मैराथन केवल दौड़ने का एक आयोजन भर नहीं था, बल्कि यह समाज में व्याप्त कुछ गंभीर मुद्दों के प्रति लोगों को सचेत करने का एक मंच भी था। इस दौरान धावकों ने अपनी ऊर्जा और भागीदारी के माध्यम से जहां एक ओर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया, वहीं दूसरी ओर डिजिटल धोखाधड़ी से सावधान रहने और नशे से दूर रहने का स्पष्ट संदेश भी दिया।

प्रतियोगिता के परिणाम भी उत्साहवर्धक रहे, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। पुरुषों की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में यश राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 घंटा 9 मिनट 5 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। उनके बाद एल/नायक शिवनेश सिंह ने 1 घंटा 24 मिनट 1 सेकंड के साथ दूसरा स्थान और प्रिंस सांगवान ने 1 घंटा 28 मिनट 39 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं महिलाओं की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में मनदीप कौर ने 1 घंटा 39 मिनट 31 सेकंड में दौड़ पूरी कर शीर्ष स्थान हासिल किया। इस वर्ग में पूजा पांडे ने 1 घंटा 48 मिनट 36 सेकंड के साथ दूसरा और अमनप्रीत कौर ने 2 घंटा 8 मिनट 29 सेकंड के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं, 10 किलोमीटर महिला दौड़ में मुस्कान ने 42 मिनट 38 सेकंड का प्रभावशाली समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। सीता ने 43 मिनट 35 सेकंड के साथ दूसरा स्थान और खुशी ने 45 मिनट 53 सेकंड के साथ तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

आने वाले समय में कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं अजय देवगन

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन इस समय बॉलीवुड के उन सितारों में से एक हैं, जिनकी पाइपलाइन में एक साथ कई बड़े और अलग अलग जॉनर के प्रोजेक्ट्स हैं। आने वाले समय में वे 'रेंजर', 'सूर्यप्रस्थ', 'चौहान' और 'गोलमाल 5' जैसी कई बड़ी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

परिवारों के लिए बन रही रेंजर

अजय, संजय दत्त और तमन्ना भाटिया की 'रेंजर' इस समय उनकी प्रमुख अनरिलिज्ड फिल्मों में शामिल है। सूत्रों के मुताबिक...' फिल्म का एक शेड्यूल पूरा हो चुका है और करीब पांच दिनों की शूटिंग अभी बाकी है। फिल्म को बच्चों और परिवारों को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है।

दिसंबर में शुरू हो सकती है गोलमाल 5' की शूटिंग

रोहित शेट्टी की 'गोलमाल 5' उनकी आने वाली फिल्मों में सबसे बड़े मनोरंजक प्रोजेक्ट्स में शामिल है। इस सीरीज में अजय को उनके गंभीर एक्शन स्टार वाले अंदाज से बिल्कुल अलग मजेदार और कॉमिक अंदाज में देखा जाता है। 'गोलमाल 5' की शूटिंग दिसंबर के आसपास शुरू हो सकती है। ऐसे में आने वाले महीनों में अजय लगातार फिल्मों की शूटिंग में बिजी रहेंगे।

'सूर्यप्रस्थ' की शूटिंग जारी, मुंबई के बाद उत्तराखंड में होगा शूट

'रेंजर' के बाद अजय का फोकस 'सूर्यप्रस्थ' पर है। सूत्रों के मुताबिक...' फिल्म की मुंबई में शूटिंग जारी है और अब तक लगभग 10 दिनों का शूट पूरा हो चुका है। यह प्रोजेक्ट पहले 'गृहप्रवेश' नाम से चर्चा में रहा था, लेकिन अब इसका नाम 'सूर्यप्रस्थ' सामने आया है। फिल्म की विस्तृत कहानी अभी सार्वजनिक नहीं है। हालांकि, बातचीत में संकेत मिला है कि इसमें बच्चों और परिवार से जुड़ा एक महत्वपूर्ण भावनात्मक पक्ष हो सकता है।

रोहित जुगराज के साथ ही नया प्रोजेक्ट लेकर आ हैं अजय

अजय देवगन इन दिनों अपनी फिल्म 'सूर्यप्रस्थ' को लेकर भी चर्चा में हैं। इसका निर्देशन रोहित जुगराज कर रहे हैं। रोहित लंबे समय से हिंदी फिल्मों में सक्रिय हैं और 'सुपरस्टार' समेत कई प्रोजेक्ट्स के साथ काम कर चुके हैं। अजय और रोहित जुगराज की यह जोड़ी इसलिए भी अलग है, क्योंकि यह अभिनेता के लिए एक अपेक्षाकृत नया सहयोग है।

11 अक्टूबर से 'चौहान' की तैयारी भी शुरू होगी

अजय की लाइन-अप में अगला महत्वपूर्ण नाम 'चौहान' है। बातचीत में बताया गया कि इस फिल्म की शूटिंग 11 अक्टूबर से शुरू करने की योजना है। फिल्म का निर्देशन नीरज यादव कर रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़ी शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इसकी पृष्ठभूमि कश्मीर से जुड़ी हो सकती है। कहानी में सुरक्षाऔर वहां के सामाजिक-राजनीतिक माहौल जैसे तत्वों का इस्तेमाल किए जाने के संकेत मिले हैं।

आयुष्मान खुराना ने राजश्री प्रोडक्शन हाउस के साथ अपने जुड़ाव पर बात की

अभिनेता आयुष्मान खुराना आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' की रिलीज के तैयार हैं। अभिनेता ने बताया कि उन्हें हिंदी सिनेमा से उन्हें प्रेम 1994 की फिल्म 'हम आपके हैं कौन' देखने के बाद हुआ था। दरअसल, फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का टाइटल ट्रैक रिलीज हुआ था, जहां अभिनेता ने बताया कि उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि वे राजश्री प्रोडक्शन के हीरो बन गए हैं। अभिनेता ने यह भी बताया कि 'हम आपके हैं कौन' देखने के बाद वे बहुत प्रभावित हुए थे। अभिनेता आयुष्मान खुराना ने कहा, 'मुझे याद है कि मैंने 'हम आपके है कौन' में कई परिवार थे और उस फिल्म को देखने के बाद मुझे प्रेम से प्यार हो गया था, मुझे हिंदी सिनेमा और हमारे परिवार की ताकत से प्रेम हो गया था।

अभिनेता ने राजश्री प्रोडक्शन हाउस के साथ अपने जुड़ाव पर बात करते हुए कहा कि यह रिश्ता सिर्फ उनका नहीं बल्कि, पूरे देश के परिवारों से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'राजश्री के साथ मेरा जो रिश्ता है, वो सिर्फ मेरा नहीं है, वो पूरे हिंदुस्तान का है, सभी परिवारों का है। सभी परिवारों को एक साथ लाने की जो जिम्मेदारी उन्होंने फिल्मों के जरिए उठाई है, मुझे लगता है यह बहुत ही खूबसूरत है।' आयुष्मान खुराना ने डायरेक्टर सूरज बड़जात्या से जुड़ा एक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे फिल्ममेकर उनकी वैनिटी वैन में घुसने से पहले अपने जूते उतार देते थे। आयुष्मान ने याद करते हुए कहा, 'मैं कहता था, सर प्लीज जूते मत उतारिए, वैनिटी में आ जाइए। लेकिन वो कभी सुनते ही नहीं थे। वो जूते उतार कर आते थे, मैं उनके चरण स्पर्श करता था और वो कहते थे आयुष्मान भव और फिर वो मुझे सीन समझाते थे। मुझे लगता है कि यह सिर्फ बचपन का सपना नहीं है। इसलिए राजश्री और उनकी लेगेसी के लिए तालियां बजनी चाहिए।' फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' एक पारिवारिक और रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें पहली बार आयुष्मान और शरवरी साथ में स्क्रीन पर नजर आएंगे। फिल्म में आयुष्मान खुराना, शरवरी वाघ और अनुपम खेर मुख्य कलाकार के तौर पर नजर आएंगे।

एक्टर के तौर पर लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं

हर समय परफेक्ट दिखने का दबाव? 'मिर्जापुर' एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कैसे करती हैं डील

'मिर्जापुर' फेम एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कि वह हर समय परफेक्ट दिखने के लगातार दबाव से कैसे निपटती हैं। खास बातचीत में हर्षिता ने कहा कि यह पूरी तरह से व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह दबाव लेना चाहता है या अपनी असलियत में सहज रहना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में, दर्शक अलग-अलग तरह के शरीर और स्किन टाइप को स्वीकार करने लगे हैं, बशर्ते वे उस किरदार के अनुकूल हों जिसे वे निभा रहे हैं। हर्षिता ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर अगर रोल की मांग हो तो उन्हें अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री में होने का एक मजेदार हिस्सा है।

उनसे पूछा गया, 'शोबिज में अच्छा दिखने और कैमरे के लिए तैयार रहने का दबाव बहुत ज्यादा होता है। आपके लिए लुक कितना मायने रखता है और आप अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में किस हद तक सहज हैं?' हर्षिता ने बताया, 'मैं एक्सपेरिमेंट करने के लिए तैयार रहती हूं, खासकर अगर किरदार की मांग हो। यह मजेदार है। हम इसी फील्ड में इसलिए हैं क्योंकि हमें एक्सपेरिमेंट करने का मौका मिलता है। वरना, हम यहां नहीं होते।' हमेशा कैमरे के लिए तैयार रहने के दबाव से निपटने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'दबाव तो होता है, लेकिन आप या तो उस दबाव को ले सकते हैं या नहीं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है।' हर्षिता ने कहा, 'एक दौर वह भी था जब न तो सोशल मीडिया का ऐसा दौर था और न ही लोग अपनी शारीरिक बनावट को लेकर इतने सचेत थे, लेकिन उस समय भी लोगों पर सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव कम नहीं था।' उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कई शो हैं जिनमें जाने-माने एक्टर मेकअप भी नहीं करते, क्योंकि किरदार की यही मांग होती है। बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर का उदाहरण देते हुए हर्षिता ने कहा, 'करीना कपूर ने एक फिल्म की थी जिसमें उन्होंने मेकअप नहीं किया था। मुझे लगता है कि जब किरदार की मांग होती है, तो लोग खुद को वैसा ही दिखाने में ज्यादा सहज हो गए हैं जैसे वे असल में हैं।'

कैटरीना कैफ की ट्रोलिंग पर भड़कीं परिणीति चोपड़ा

हाल ही में कटरीना कैफ के लिए एक आम सी आउटिंग बहुत खास बन गई। प्रेग्नेंसी के बाद उनके शरीर में आए बदलावों को लेकर कई यूजर्स ने उन्हें ट्रोल किया। हालांकि अभिनेत्री ने इस पर कुछ नहीं कहा लेकिन उनके फैंस और सेलेब्स उनके बचाव में आगे आए हैं। अब एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने भी उनका समर्थन किया है। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने बेटे के जन्म के बाद कैटरीना कैफ के लुक को लेकर हुई ऑनलाइन ट्रोलिंग पर उनका समर्थन किया है। बातचीत में परिणीति ने कहा, 'जब कोई महिला के डिलीवरी के बाद शरीर पर कमेंट करता है, तो मुझे यह अनपढ़ सोच लगती है। उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन जब आप एक इंसान को जन्म देते हैं, एक बच्चे को दुनिया में लाते हैं, तो शरीर पर उसका निशान क्यों नहीं सेलिब्रेट किया जाता? इसमें नेगेटिव क्या है? मैं किसी महिला को देखकर कहूंगी, 'ओह माय गॉड, मैं स्ट्रेच मार्क देख पा रही हूं। क्या आपने बच्चे को जन्म दिया है? यह तो बहुत खूबसूरत बात है। आपका बच्चा कैसा है?' मैं किसी महिला को इसी नजरिए से देखूंगी।'

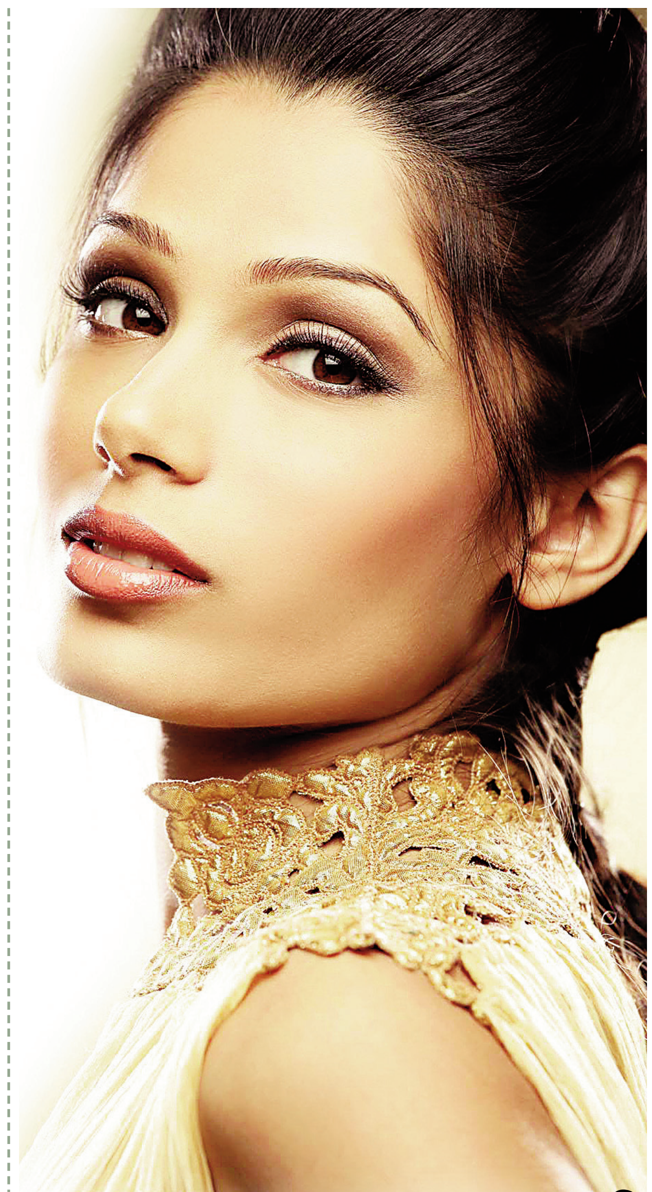

अनकस्टमड अर्थ

अहम किरदारों में होंगे फ्रीडा पिंटो और सिद्धार्थ

फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर स्टारर फ्रीडा पिंटो की अपकमिंग वेब सीरीज 'अनकस्टमड अर्थ' का पहला लुक जारी किया गया है। यह फैमिली ड्रामा है जो झुम्पा लाहिड़ी की इसी नाम की शॉर्ट स्टोरी कलेक्शन पर आधारित है। इस सीरीज में फ्रीडा पिंटो 'पारुल चौधरी' के रोल में और सिद्धार्थ 'अमित' के रोल में हैं।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय पर है आधारित

यह सीरीज कैम्ब्रिज, बोस्टन और मैसाचुसेट्स में रहने वाले कई पीढ़ियों के भारतीय-अमेरिकी समुदाय की कहानी है। यह कहानी अलग-अलग पीढ़ियों के बीच प्यार, नुकसान, अपनापन और रिश्तों जैसे विषयों को दिखाती है।

क्या है कहानी

फ्रीडा पिंटो ने पारुल चौधरी का रोल निभाया है, जो एक पत्नी और मां हैं और जिन्होंने कभी अपने पिता की इच्छा का सम्मान करने के लिए अपने कॉलेज के रोमांस को छोड़ दिया था। कैंसर का पता चलने के बाद, पारुल अपने परिवार को भारत से वापस कैम्ब्रिज ले आती हैं, जिसे वह अपना घर मानती हैं। अपनी बीमारी का सामना करते हुए, पारुल उस जिंदगी को जीने का फैसला करती हैं, जिसे उन्होंने कभी छोड़ दिया था। उनके फैसलों का असर उनके परिवार और उनके आस-पास के बड़े प्रवासी समुदाय पर पड़ता है।

फ्रीडा पिंटो और सिद्धार्थ के अलावा, सीरीज में इंद्रनील सेनगुप्ता 'जय' के रोल में, परवीन कौर 'नीना' के रोल में, सरायु ब्लू 'रूमा' के रोल में, जस्टिन बार्थ 'एडम' के रोल में, आदि रॉय 'कौशिक' के रोल में, आइला सुंदरसिंह मैकेग 'हेमा' के रोल में और जयंत कृपलानी 'प्रणब' के रोल में हैं। अन्य कलाकारों में इशिता बंसल 'दिव्या' के रोल में, मीरा सिम्हम 'स्वाति' के रोल में, रवि कपूर 'विशाल' के रोल में, स्वयं भाटिया 'सुधा' के रोल में और पलोमी घोष 'अंजलि' के रोल में हैं।'

'अनकस्टमड अर्थ' को वार्नर ब्रदर्स टेलीविजन ने प्रोड्यूस किया है। यह 17 दिसंबर, 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

रवीना टंडन ने बताया बेटी राशा के बटरफ्लाई टैटू का राज

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन कई बार अपनी निजी जिंदगी से जुड़े किस्से साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में अब उन्होंने अपनी बेटी राशा के टैटू से जुड़ा बेहद खास किस्सा सुनाया। दरअसल, वह डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में स्पेशल गेस्ट बनकर पहुंचीं। इस दौरान एक कंटेस्टेंट ने अपनी मां को टैटू बनवाने के लिए मनाने में रवीना की मदद मांगी थी। इसी बातचीत के दौरान रवीना ने बताया कि उनके लिए टैटू कई इमोशन्स और यादों से जुड़ी हैं। उन्होंने अपने बच्चों के नाम वाले टैटू से लेकर अपने बिच्छू वाले टैटू तक की कहानी सुनाई लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान राशा के बटरफ्लाई टैटू ने खींचा। रवीना ने कहा, ''मेरी बेटी राशा ने बटरफ्लाई का टैटू अपने नाना के निधन के बाद बनवाया था। उसको ऐसा लगता है कि जब भी वह शूटिंग करती है, तब एक तितली उसके पास आकर बैठती है। वह इसे अपने नाना से जोड़कर देखती है और मानती है कि उनके नाना तितली के रूप में कहीं न कहीं उन्हें आशीर्वाद देने आते हैं। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए उसने अपने बॉडी पर तितली का टैटू बनवाया। इस टैटू में भगवान शिव और भगवान कृष्ण से जुड़े रंग और निशान भी शामिल हैं।''

रवीना ने कहा, ''राशा के टैटू में तितली के पंखों के अंदर भगवान कृष्ण का मोर पंख है, जबकि इसमें भगवान शिव के नीलकंठ रूप को भी दिखाया गया है। यह डिजाइन उसकी भावनाओं से जुड़ा हुआ है, जो उसको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।'' इसी बातचीत में रवीना ने भारत में टैटू की पुरानी परंपरा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''देश में कई सदियों से शरीर पर टैटू बनवाने की परंपरा रही है। राजस्थान और देश के कई आदिवासी इलाकों में आज भी इसे एक पुरानी परंपरा के तौर पर देखा जाता है। पहले गोदना बनाने का तरीका आज के टैटू से अलग था और इसमें सुई का इस्तेमाल किया जाता था।'' रवीना ने अपने टैटू के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने बच्चों के नाम का टैटू बनवाया हुआ है। इसके अलावा उन्होंने अपने टैटू में पंजों के निशान और बिच्छू का टैटू भी बनवाया है।

ये तेरा मेरा रिश्ता

आज जीवन पद्धति ने इंसान को व्यस्त कर दिया है, जिससे वो अपने किसी रिश्ते को सही से समय नहीं दे पा रहा है। आज के वैवाहिक जीवन में कपल्स शौक, जरूरत और उन्नति के लिए जॉब को प्राथमिकता देने लगे हैं। ऐसे में उनको एक दूसरे के साथ रहने के लिए बहुत ही कम समय निकल पाता है। इतने कम समय में वे अपने घरेलू कामों में ही लगे रहते हैं और एक-दूसरे के लिए बहुत ही कम समय दे पाते है, कई बार तो ऐसा भी होता है कि ऑफिस का वर्कलोड ये अपने घर तक ले आते हैं। ये काम ऑफिस में तो इनके प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन दिला देता है, लेकिन अपने साथी से दूरियां बढ़ा देता है। ऐसी दशा में रिश्तों की शुरुआत में ही दूरियां आने लगती हैं और बहुत ही थोड़े समय में टेंशन उनके बीच आ जाती है। आजकल कपल्स मैरिड लाइफ को ज्यादा महत्व नहीं देते। ये अपने साथी को थोड़ा बहुत समय देते हैं, तो मात्र शारिरिक सुख के लिए, लेकिन ये उनका स्वार्थ होता है, प्यार नहीं।

आपका साथ है उसका विश्वास

आपका साथी हमेशा आपका साथ मांगता है, क्योंकि आपका साथ ही उसमें आत्म विश्वास भरता है, और ये आत्म विश्वास जहां रिश्तों में सम्मान लाता है, वहीं हर कदम पर आपके साथ भी रहता है। रिश्तों को जुड़े चाहे कितना भी समय हो चुका हो, उनमें रोमांस हमेशा बने रहना चाहिए। यदि आपको लग रहा कि कुछ बदलाव आ रहा है और स्थितियां पहले कि तरह नहीं है, तो आपको इस तुरंत सोचने की जरूरत है। रिश्तों को बनाने में सालों लगते है और टूटने में एक पल भी नहीं लगता। कई बार हम अपनी दिनचर्या में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपने आस-पास हो रहे परिवर्तनों पर भी ध्यान नहीं दे पाते। रिश्ते में कड़वाहट आ जाए या दूरियों के बाढ़ में ये तलाक या दो बेडरूम तक पहुंच जाए, इसके पहले ही हमें कुछ संकेत मिलने लगते हैं। यह अलग बात है कि हम लापरवाही के चलते इन पर ध्यान नहीं दे पाते। यदि आप अपने रिश्तों को टूटने से बचाना चाहते हैं तो उन संकेतों को समझने की कोशिश करें, जिनसे दूरियां बढ़ने का पता चलता है। ये संकेत आपके रिश्तें को बचाने का एक जरिया हो सकता है। इसमें कहीं हद तक आपकी समझदारी आपकी हेल्प करती है।

जब साथी कर रहा नजरअंदाज

आप ये जान लीजिए कि समाज हो या आपका घर, कहीं भी अचानक कुछ नहीं होता, चीजें धीरे-धीरे बदलती हैं। इसमें आपको थोड़ा समझदारी और संयम से काम लेना चाहिए। आपकी समझदारी ही आपके परिवार को इस आग की चपेट से निजात दिला सकती है। आपके व्यस्त जीवन के कारण ही आपका दांपत्य जीवन इस कंडीशन में आ गया है, ऐसे में आपकी सार्थक सोच ही आपके घर को फिर से हरा- भरा कर सकता है। सबसे पहले तो आपको अपने पिछले कार्यों को एक बार सोचना चाहिए। आखिर ऐसी दशा कहा से बन गयी और जल्दी अपने में सुधार ला दे, इसके साथ यदि आप अपने साथी को सॉरी बोल दे तो ज्यादा बेहतर है। इसके अलावा आप अपने साथी के शारिरिक संकेतों को समझने की कोशिश करिए। क्या आपका साथी पहले की तरह आप पर ध्यान नहीं दे रहा और आपकी बातों में रुचि नहीं ले रहे हैं?

भागदौड़ भरी जिंदगी और उसमें वर्कलोड की अधिकता रिश्तों में मीलों की दूरियां बढ़ा रहा है। बढ़ती महंगाई और आपके भौतिकवादी विचार ने आज रिश्तों के बीच दूरियां कायम कर दिया है।

आपके करीब आने पर आपका साथी असहज महसूस करता है। बेडरूम में आपको अनदेखा कर रहा है। बच्चों के मसले के अलावा और कोई विषय बातचीत का नहीं रह गया है। ये सब आप व्यक्त करना चाहें या नहीं लेकिन आपके शारीरिक संकेत बहुत कुछ कह देते हैं।

कोई और आ जाए जीवन में

ऐसे में आप दोनों पति-पत्नी के बीच प्रेम और लगाव की कमी भी रिश्तों में दूरियों के बढ़ने में अहम रोल निभाती है। अगर पहले जैसे प्यार की गरमाहट अब कहीं ढूंढ़ने से भी नजर नहीं आ रही तो समझिए कि यह खतरे का संकेत है। यह ठीक है विवाह के शुरुआती दिनों के बाद रोमांस का खुमार धीरे-धीरे कम होता चला जाता है। लेकिन ऐसा भी नहीं होता कि प्रेम बिलकुल नजर ही न आए। लेकिन आप दोनों चाहे तो आपका वैवाहिक जीवन फिर से भर सकता है।

आपसी अंडर स्टैंडिंग को बढ़ाएं

व्यवहार में बदलाव आपके बीच दूरियां बढ़ने का तीसरा संकेत है। क्या आपके साथी का अब आपकी बातों पर ध्यान नहीं जाता। गंभीर बातों को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं। आपकी बातों का जवाब झुंझलाकर देते हैं। बेवजह गुस्सा करना इत्यादि। यदि ये सारे लक्षण उनके व्यवहार में नजर आ रहे हैं तो आप समझ लें कि ये खतरे की घंटी है। ऐसे में आप अपने साथी से प्यार से बात करें, आखिर वो क्यों आपसे रूठा हुआ है। यदि आपको कोई जवाब नहीं मिले तो आप गुस्सा होने की बजाय सही समय का इंतजार करें और बात करने का कोई भी मौका न गंवाएं।

जब वो रहने लगे चुप-चुप

साथी का मौन सबसे खतरनाक व्यवहार होता है, इसका आपके व्यक्तित्व पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। यदि आपका साथी आपके साथ अंतरंग पल नहीं बिताना चाहता तो समझे कि दूरियां बढ़ रही हैं। बेहद कठिनाई से बाहर जाने के बने कार्यक्रम में देखते हैं कि वहां केवल आप दोनों ही नहीं, कुछ और भी परिचित हैं, जिनके बारे में आपको पता भी नहीं था।

जब रहे तनाव

जिंदगी एक खूबसूरत एहसास है। इसे संजीदगी से जीएं, तो इसका अपना ही मजा है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और उसमें काम का प्रेशर, जिंदगी को जहन्नुम बनाते जा रहे हैं। मंहगाई की मार ने आज जहां दामपत्य जीवन को प्रभावित किया है वहीं महिलाओं को भी घर से बाहर निकलने को मजबूर कर दिया है। हर कंपनी आज अधिकाधिक मुनाफे के लिए अपने कर्मचारियों का भरपूर शोषण करती है। घर की जिम्मेदारी, बच्चों का ख्याल, परिवार का पोषण इनके साथ में आफिस की टेंशन, ये जहां आपकी निजी जिंदगी को प्रभावित कर रहे हैं, वहीं आपके शरीर को भी अस्वस्थ कर रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार प्रेशर में काम करने से आपको हृदय रोग जैसी घातक बीमारी भी हो सकती है। क्या आपको पता है कि तनाव आपको जहां सही से काम करने से रोकता है वहीं इससे अवसाद होने की भी पूरी संभावना होती है। ऐसे में आपकी थोड़ी सी समझदारी ही आपको तनाव से मुक्ति दे सकती है। तनाव के हालात में काम करने से महिलाओं में हृदय रोग की आशंका पुरुषों की तुलना में दोगुनी होती है। यह बात एक नए अध्ययन में सामने आई है। अध्ययन में पाया गया है कि काम का तनाव पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को अधिक नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में आपको अपना काम करते समय धैर्य की आवश्यक्ता होती है। आपका धैर्य ही आपको कठिन से कठिन परिस्थिति में जीने की राह का निर्माण करती है।

एल्यूमीनियम को करें एवाइड

हाल ही में इस संदर्भ में हुए शोध कार्यों से जो तथ्य सामने आए हैं उनसे पता चलता है कि एल्यूमीनियम के बर्तनों को खाना बनाने के लिए प्रयुक्त करने से भोजन में भी एल्यूमीनियम के अंश शामिल हो जाते हैं। जो बाद में हमारे शरीर में जाकर हमें नुकसान पहुंचाते हैं।

इसे जानना जरूरी है

असल में एल्यूमीनियम एक क्रियाशील धातु होती है। यही वजह है कि वायु के सम्पर्क में आने से इसके ऊपर एल्यूमीनियम ऑक्साइड की पर्त जम जाती है। जब टमाटर, इमली, आम, नमक, मसाले, सिरका, दही या नींबू जैसी अम्लीय वस्तुएं इन बर्तनों में डाली जाती हैं, तो ये एल्यूमीनियम ऑक्साइड भोजन में मिल जाते हैं। इनसे मस्तिष्क के अलावा हृदय तथा पाचन तंत्र पर भारी असर पड़ता है। अत: एल्यूमीनियम के बर्तन इस प्रकार के अम्ल युक्त खाद्य पदार्थ बनाने या रखने के लिए बहुत खतरनाक हो जाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि एल्यूमीनियम की अधिकता मस्तिष्क की विचार क्षमता एवं स्मरण शक्ति को क्षीण कर देती है। यदि शरीर में एल्यूमीनियम अधिक मात्रा में पहुंच जाए, तो इससे मस्तिष्क की कोशिकाओं के नष्ट होने या क्षतिग्रस्त होने का भय रहता है। इनसे अल्जाइमर्स या डिमेंशा जैसे भयानक स्नायु रोग, गुर्दो व अस्थि रोगों का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

ये हो सकता है सुरक्षित

इतना ही नहीं, बल्कि एल्यूमीनियम के बर्तनों में बनाई जाने वाली चाय भी मस्तिष्क के लिए हानिकारक हो सकती है। एक शोध में पाया गया है कि यदि एल्यूमीनियम के बर्तनों में फलोराइड युक्त पानी उबाला जाता है, तो पानी में एल्यूमीनियम की और अधिक मात्रा घुल जाती है। बताया जाता है कि यदि एल्यूमीनियम के बर्तनों को विद्युतलेपन करके प्रयोग में लाया जाए, तब ये बर्तन अपेक्षाकृत ज्यादा सुरक्षित हो जाते हैं। इसी तरह अगर इन बर्तनों का प्रयोग अम्लीय पदार्थों के लिए नहीं किया जाता, तो भी इनसे उतना खतरा नहीं रहता।

आया ई-बाइक्स का जमाना

इन दिनों बाइक के प्रति युवाओं का रूझान देखते ही बनता है। जहां कंपनियां एक से बढ़कर एक मॉडल लांच कर रहीं हैं, वही मॉडीफाइड बाइकों का भी चलन तेज हुआ है। लेकिन अगर आप कुछ ऐसा लेना चाहते हैं, जो आपकी जेब के साथ ही पर्यावरण को रास आए। तो बेशक तैयार हो जाइए, कुछ ऐसे ही अनुभव के लिए ई-बाइक्स के साथ। जिसको बच्चे भी काफी पसंद कर रहे हैं। आइए जानते हैं, ई-बाइक्स की खासियतों के बारे में इन दिनों युवाओं के साथ बच्चों में ई-बाइक्स को लेकर भी काफी क्रेज देखा जा सकता है। जिसमें कई ऐसी विशेषताएं हैं, जिनसे आप बाइक का बिल्कुल एक नया अनुभव पा सकते हैं। वैसे इस बाइक का चलन कॉलेज के लड़कों में ज्यादा देखने को मिलात है। जिसे दिलाने में पैरेंट्स को भी कोई परेशानी नहीं होती है।

लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन से फुर्सत

इस वक्त बाजार में दो तरह की ई-बाइक्स हैं- लो स्पीड और हाई स्पीड की बाइक। हाई स्पीड बाइक चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन की जरूरत होती है, लेकिन लो स्पीड बाइक्स में इसकी कोई जरूरत नहीं है। इनकी यही खूबी इन्हें 14-18 साल तक के बच्चों के लिए बेस्ट गिफ्ट बनाती है। तो फिर देरी किस बात की, इस बर्थ-डे पर अपने बच्चे को दीजिए, ऐसा ही कुछ प्यारा सा तोहफा।

फ्यूल नो प्राब्लम

आजकल हर कोई पेट्रोल के बढ़ते दामों से परेशान है, लेकिन ई-बाइक खरीदकर आप पेट्रोल के खर्चे से आसानी से बच सकते हैं, क्योंकि इन बाइक्स को चार्ज करके आसानी सफर किया जा सकता है। जिसको चार्ज करने में भी बिजली की खपत काफी कम होती है। यानि की इस बाइक को जरूरत पड़ने पर बड़ों के साथ बच्चे भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर कदम पर साथ

आपकी अपनी योजनाएं

- कई बैंक्स न्यूनतम बैलेंस से लेकर फ्री क्रेडिट या डेबिट कार्ड का ऑफर देते हैं।
- कुछ में ज्वेलरी इंश्योरेंस की स्कीम्स हैं, तो कुछ में एक्सीडेंट इंश्योरेंस की।
- चडीएफसी बैंक का ईजी शॉप वूमेंस एडवांटेज कार्ड एक वर्ष तक लॉकर फीस पर 50 प्रतिशत छूट देता है और साथ ही फ्री बिल पेमेंट सर्विस भी देता है।
- महिलाओं को दिए जाने वाले ज्यादातर कार्डस पर सोने की खरीदारी पर विशेष छूट से कुछ खास खरीदारी पर कैश बैंक स्कीम तक शामिल हैं।
- सिटी बैंक के वूमेंस वीजा सिल्वर कार्ड फ्री कार्ड के साथ एक अतिरिक्त फ्री कार्ड देता है, साथ ही हर 200 रुपए पर एक रिवॉर्ड पॉइंट के अलावा कुछ खास खरीदारी पर भी छूट देता है।
- एबीएन एम्रो की शक्ति सेव्रिग एकाउंट योजना में 5000 रुपए के न्यूनतम बैलेंस के साथ एक क्रेडिट कार्ड फ्री की सुविधा भी है।
- एक्सिस बैंक की स्मार्ट प्रीविलेज में न्यूनतम बैलेंस 10,000 रुपए हैं और जीरों बैलेंस माइनर एकाउंट के साथ-साथ डेबिट कार्ड पर ज्वेलरी इंश्योरेंस की सुविधा है।
- इनके अलावा बैंकों द्वारा महिलाओं को विशेष तौर पर लोन में भी कई सुविधाएं दी जाती हैं।
- ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स महिलाओं के लिए लोन पर 0.5 प्रतिशत का छूट देता है।
- कुछ बैंक्स जैसे कॉर्पोरेशन बैंक आदि सोना या गहने खरीदने के लिए कम ब्याज दर पर कामकाजी और गृहणियों को लोन मुहैया करवाते हैं।
- लड़कियों की शिक्षा के लिए भी एजुकेशन लोन कम ब्याज दर पर मुहैया करवाते हैं।
- प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत भी कई बैंक्स खास स्कीम्स व ऑफर्स देते हैं। जिनमें लोन क्रेडिट कार्ड, एकाउंट्स पर लोन उपलब्ध कराते हैं।
- कन्या विवाह सुविधा स्कीम के तहत स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद धन उपलब्ध कराता है। सोने के गहनों की खरीदारी पर भी विशेष छूट मिलती है।
- कामकाजी व घरेलू महिलाओं को भी आध्रा बैंक स्वर्णभरण स्कीम के तहत सोने की खरीदारी पर विशेष छूट व लोन उपलब्ध कराता है।
- स्त्री शक्ति पैकेज के तहत भी कुछ बैंक महिला रोजगार या व्यापार को बढ़ावा देने के लिए खास छूट देते हैं।
- कॉर्पोरेशन बैंक की वनिता उद्योग स्कीम और केनरा बैंक की महिला निधि स्कीम छोटे व्यापार के लिए महिलाओं को सॉफ्ट लोन उपलब्ध कराते हैं।

आज के आधुनिकता के समय में बैंकों कि भूमिका दिनोदिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में महिलाएं इससे कहां तक अछूती रह सकती हैं। पिछले कुछ वर्षों में भी फाइनेंस मैटर्स में रुचि लेना शुरू कर दिया है और वे इन्वेस्टमेंट्स, टैक्स प्लानिंग आदि पर ध्यान देने लगी हैं। महिलाओं में बैक और पैसे के मैनेजमेंट को लेकर बढ़ रही रुचि को देखते हुए आजकल बैंक वगैरह भी कई लेडीज स्पेशल योजनाओं को बाजार में ला रहे हैं।

- एसएमई यानी स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइज के लिए इलाहाबाद बैंक और आंध्रा बैंक कम ब्याज दरों पर लोन उपलब्ध कराता है।
- स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ' स्व रोजगार में शामिल महिलाओं व कामकाजी महिलाओं को प्राइमरी दिवा कार्ड भी कामकाजी या घरेलू महिला को उपलब्ध कराता है।
- इसी तरह से सिटी बैंक का वुमन वीजा मनी कार्ड, एचडीएफसी का वुमेंस गोल्ड कार्ड, आईसीआईसीआई का बिग बाजार शक्ति क्रेडिट कार्ड, महिलाओं को विशेष छूट देता है।
- आपको बता दें कि कुछ कार्ड्स कैश बैंक की सुविधा देते हैं तो कुछ गिफ्ट्स ऑफर करते हैं। खास खरीदारी पर जैसे एचडीएफसी का ईजी शॉप वुमेंस एडवांटेज डेबिट कार्ड, सिटी बैंक का ग्रॉसरी डेबिट कार्ड और यूटीआई का स्मार्ट प्रीविलेज एकाउंट वुमेंस स्पेशल कार्ड उपलब्ध कराता है।